



## कुलपति की कलम से

मैं इस विश्वविद्यालय का कार्यभार पिछले वर्ष से लिया है। सामूहिक रूप से विभिन्न वाधाओं के बावजूद हम आगे बढ़ रहे हैं। बुनियादी ढांच में काफी सुधार हुआ है। शैक्षणिक अध्यादेश बन चुके हैं। कंप्यूटर केंद्र और स्वास्थ्य केंद्र बन चुके हैं। हमारे छात्र और छात्राओं की देखभाल करने के लिए काउंसिलरों की भर्ती हो चुकी है। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार, हमारे स्थायी परिसर से उनके छात्रवासों की स्थानांतरित हो रहे हैं। प्रवेश परीक्षा १७ केंद्रों पर हो रही है।

आशा की जाती है कि अतिथि भवन शीघ्र पूरा हो जाएगा। सुविधाओं के संबंध में अडिटोरियम, केफटेरिया और दुकान घर जैसी नयी परियोजनायें बन रही हैं।

एनएएसी-एसएसआर अपलोड हो चुका है। एलओआई सफलतापूर्वक प्राप्त हुआ है और हम चाहते हैं कि एनएएसी पीर दल परिदर्शन करें। उसी प्रकार ६५ संकाय सदस्यों की भर्ती के लिए विज्ञापन निकल चुका है।

हम अपने क्षेत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सचेतन हैं। इसलिए, हमने अपने परिसर के आसपास के पाँच गांवों को ग्रहण किया है और मालकान गिरि जिले में एक मॉडल कॉलेज को ग्रहण किया है।

हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लिमिटेड के साथ साथ ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित व्यक्तियों का व्याख्यान का आयोजित हुआ है। हम भाग्यशाली हैं कि देश के कई बेहतरीन दिमाग वाले कई लोग हमारे साथ हैं। हम आशा करते हैं सामान्य लक्ष्य के लिए हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लि. और नेशनॉल एलुमिनियम कंपनी के साथ समझौता हो जाएगा।

छात्रों के कल्याण के लिए हमने कविता क्लब और नाटक क्लब गठन किया है। विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस समारोह एचएएल और नाल्को के कार्यकारी निदेशकों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। प्रो. उदय नारायण सिंह, भूतपूर्व कुलपति, विश्व भारती और वर्तमान में प्रोफेसर रविंद्र भवन, विश्वभारती ने 9रविन्द्र नाथ टैगोर के जीवन की कई खोज “ पर एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया।

यह संभव हुआ है कि विश्वविद्यालय समुदाय को उनके सभी प्रकार के सहयोग और सहायता के लिए धन्यवाद देता हूँ। हम अपने हितधारकों के सामने यह वार्षिक रिपोर्ट पेश करने में हमें खुशी हो रही है। विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए हम शपथ करते हैं।

प्रो. सचिदानंद मोहांति

कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट



## सीयूओ वार्षिक रिपोर्ट समिति २०१५-१६

## प्राक्कथन

### सलाहाकार समिति

#### अध्यक्ष :

प्रो. सच्चिदानंद मोहांति  
कुलपति

#### सलाहाकार :

प्रो. किशोर चंद्र राउत  
अधिष्ठाता, शैक्षणिक

डॉ. शरत कुमार पालित  
अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ

### संपादकीय समिति

#### संयोजक :

डॉ. प्रदोष कुमार रथ,  
सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी,  
डीजेएमसी

#### समन्वयक :

डॉ. फगुनाथ भोई  
लोक संपर्क अधिकारी

#### सदस्यगण :

श्री संजीत कुमार दास,  
सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य  
प्रभारी/डीईएलएल

श्री सौरभ गुप्ता  
सहायक प्रोफेसर, डीजेएमसी

सुश्री सोनी पारही  
व्याख्याता, डीजेएमसी

श्री सुजित कुमार मोहांति  
व्याख्याता, डीजेएमसी

सुश्री तलत जहान बेगम  
व्याख्याता, डीजेएमसी

सुश्री मयूरी मिश्रा  
क. परामर्शदाता, हिंदी विभाग

सुश्री शताब्दी बेहेरा  
अतिथि व्याख्याता, हिंदी विभाग

विश्वविद्यालय अपनी स्थापना वर्ष २००९ के बाद से देश के उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों (एचईआई) में अपने खुद के जगह बनाने के लिए सभी संभव प्रयास कर रहा है। ज्ञानी समाज के विकासशील सक्षम मानव संसाधन को बढ़ावा देने के लिए इसका मिशन है जो व्यापक दृष्टि के साथ स्वदेशी ज्ञान का विकास करें। 9 क्षेत्र के लिए, देश के लिए 9 उद्भूत मैक्सिम के साथ व्यापक रूप से क्षेत्र और राष्ट्र के व्यापक और समग्र विकास के लिए समर्पित करते हुए, सीयूओ अपनी अस्तित्व से सात वर्ष बिता चुका है।

सीयूओ मानविकी, भाषा, सामाजिक विज्ञान और मौलिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान में अग्रिम ज्ञान अर्जन और प्रसार के लिए प्रयास करता है। वर्ष २०१५-१६ से सात विद्यापीठों से बढ़कर चौदह शैक्षणिक विभाग सुनाबेढा स्थित स्थायी परिसर से नये पाँच विभाग शुरू हो गया था। १७ केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा आयोजित करना, गुणवत्ता संस्कार बनाये रखने के लिए एक दूसरा प्रयास है। एक दूर दराज स्थान में होने के नाते, सीयूओ पूरे देश से छात्रों को आकर्षित करता है जिनमें से आधा से अधिक छात्राये आती हैं।

नया शैक्षणिक ब्लॉक, कंप्यूटर केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण, मुख्य परिसर का भूमिर्माण, सड़कों के साथ आंतरिक सड़कों में नेटवर्क बिछाने और सुनाबेढा स्थित मुख्य परिसर में हॉस्टलों की तैयारी आदि मौलिक सुविधाओं को प्रदान करने और गुणवत्ता अधिगम प्रक्रियाओं की ओर कई पहल हैं।

मुख्य परिसर में स्वदेशी ३०००० वृक्षरोपण, हरित परिसर के साथ एक लहरदार पहाड़ी इलाके में मिट्टी का कटाव की जाँच और भूजल स्तर को बढ़ाने का एक प्रयास था। सीयूओ के नाम में ४३०.७ एकड़ जमीन पंजीकरण प्रक्रिया पूरी हो गयी है। प्रवेश तथा परीक्षा के संबंध में विधियों, नियमों और नियम बनाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

इंडस्ट्री-एकाडेमिआ इंटरफेस के जरिये एचएएल और नाल्को जैसे उद्योगों और लोक उद्यमों के साथ सीयूओ बातचीत करना चाहती है। शिक्षाविदों, सामाजिक जीवन और अन्य क्षेत्रों से प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित करके सीयूओ -एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला की शुरूआत विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल को समृद्ध करना चाहता है। उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के आसपास पाँच गांवों को स्वीकार किया है जिसका लक्ष्य है ग्रामीण लोगों के जीवन और जीवन शैली में पूरी तरह से परिवर्तन लाना है। एसएसआर से एनएएसी, बंगलूर का रिपोर्ट रैंकिंग और मान्यता के लिए अपनी इच्छा को प्रदर्शित करता है और यह हमें अपनी मजबूती और दुर्बलता को जानने के लिए मूल्यवान अवसर प्रदान करता है।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, ओडिशा सरकार की विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त सहायता और सहयोग के प्रति कृतज्ञता बताती है। समानता और उत्कृष्टता गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने के लिए हमारे मिशन को प्राप्त करने के लिए काम करते हुए, इस वार्षिक रिपोर्ट को शैक्षणिक समुदाय के सामने पेश करने के लिए एक अवसर प्रदान करता है कि वर्ष २०१५-१६ के दौरान हम क्या क्या प्रयास कर रहे हैं।

कुल मिलाकर, यह वार्षिक रिपोर्ट वर्ष के दौरान सीयूओ के शैक्षणिक, छात्र केंद्रित सहायता प्रणाली और प्रशासनिक तंत्र का एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यह विश्वविद्यालय हमारे दूरदर्शी कुलपति प्रो. सच्चिदानंद मोहांति के गतिशील नेतृत्व में आगे की ओर बढ़ रहा है। उनका समग्र पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन इस रिपोर्ट तैयार करने में वार्षिक रिपोर्ट समिति को मदद की है।

हम उन सभी संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षों और प्रशासनिक मुख्यों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इस वार्षिक रिपोर्ट के संकलन के लिए सूचना तथा डाटा प्रदान किया है। हम वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने वार्षिक रिपोर्ट को वर्तमान का आकर देने के लिए निरंतर काम किया है।

सीयूओ वार्षिक रिपोर्ट समिति- २०१५-१६

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा के कुलपतियों का कार्यकाल की सूची

नाम	अवधि
प्रो. सुरभि बनर्जी	२८/०२/२००९ से २७/०२/२०१४ तक
प्रो. मुह. मियाँ (अतिरिक्त प्रभार)	०१/०४/२०१४ से १३/०५/२०१५ तक
प्रो. तलत अहम्मद (अतिरिक्त प्रभार)	१५/०५/२०१५ से ०६/०८/२०१५ तक
प्रो. सचिदानंद मोहांति	०७/०८/२०१५ से अब तक



प्रो. सचिदानंद मोहांति  
कुलपति

#### प्रमुख निकायों में सदस्य

- महामहिम भारत के राष्ट्रपति द्वारा यूनेस्को के शिक्षा आयोग के व्यक्तिगत सदस्य के रूप में नामित
- आईएनएफएलआईबीएनइटी, नई दिल्ली शासी परिषद के सदस्य
- अंग्रेजी केंद्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के कार्यकारी समिति के सदस्य

#### पुस्तकों का लेखक

१. कॉस्मोपोलिटिअन मर्डनिटी इन अर्ली २० सेंचूरी इंडिया ; नई दिल्ली, रटलेज, भारत, २०१५
२. पिरीओडिकल्स प्रेस एंड कोलोनिअल मर्डनिटी : ओडिशा १८६६-१९३६, नई दिल्ली, अक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस, २०१६
३. दॉ लस्ट वर्ल्ड ऑफ सारला देवी : नई दिल्ली, अक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस, २०१६

इस अवधि के दौरान विभिन्न फोरमों में समीक्षा, प्रस्तुति और पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित हुआ है.

## विश्वविद्यालय का मानव संसाधन

विश्वविद्यालय की प्रगति एवं शैक्षिक विभागों में वृद्धि के साथ कई शिक्षण एवं रैर-शिक्षण कर्मचारीगण केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट की सेवा में शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय के निम्नित कर्मचारियों की अद्यतन सूची निम्नवत है:-

### विश्वविद्यालय के सांगठनिक पदों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
१.	प्रो. सचिदानंद मोहंति	कुलपति
२.	कर्मल आर. एस. चौहान	कुलसचिव
३.	नुरूल कबिर अक्तरउजामन	वित्त अधिकारी
४.	डॉ. मुरलिधर ताड़ी	परीक्षा नियंत्रक (३१ अगष्ट, २०१६ से विश्वविद्यालय छोड़ दिया है)
५	प्रो. किशोर चंद्र राउत	अधिष्ठाता, शैक्षणिक

### नियमित शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची, विभाग वार

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग	विद्यापीठ
१	डॉ. शरत कुमार पालित	अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर (एसोसीएट प्राफेसर तथा मुख्य, डीबीसीएनआर)	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन (एसबीसीएनआर)	बीसीएनआर विद्यापीठ
२	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर	मानवशास्त्र अध्ययन विभाग	समाज विज्ञान विद्यापीठ
३	श्री श्रीनिवास बी. कोटक	सहायक प्रोफेसर	श्री श्रीनिवास बी. कोटक	समाज विज्ञान विद्यापीठ
४	डॉ. काकोली बनर्जी	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग	बीसीएनआर विद्यापीठ
५	डॉ. देबब्रत पंडा	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग	बीसीएनआर विद्यापीठ
६	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र	समाज विज्ञान विद्यापीठ
७	श्री बिश्वजित भोई	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र	समाज विज्ञान विद्यापीठ
८	श्रीमति मिनती साहु	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र	समाज विज्ञान विद्यापीठ
९	श्री संजीत कुमार दास	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग	भाषा विद्यापीठ
१०	डॉ. प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
११	श्री सौरभ गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१२	श्री ज्योतिष्का दत्ता	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
१३	डॉ. अलोक बराल	सहायक प्रोफेसर	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग	भाषा विद्यापीठ
१४	श्री प्रदोष कुमार स्वाई	सहायक प्रोफेसर	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग	भाषा विद्यापीठ
१५	डॉ. कपिल खेमंडु	सहायक प्रोफेसर	समाज विज्ञान अध्ययन विभाग	समाज विज्ञान विद्यापीठ
१६	डॉ. महेश कुमार पण्डा	सहायक प्रोफेसर	सांख्यिकी विद्यापीठ	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ
१७	श्री रमेश कुमार पारही	सहायक प्रोफेसर	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१८	डॉ. आर. पूर्णमाछोड दी है	सहायक प्रोफेसर		शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ

### ठेके पर शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची, विभाग वार

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग	विद्यापीठ
१	डॉ. मीरा स्वाई	व्याख्याता (ठेका)	मानवशास्त्र अध्ययन विभाग	समाज विज्ञान विद्यापीठ
२	डॉ. मलय कुमार मिश्रा	परामर्शदाता	जैव विविधता तथा प्राकृतिक संपदा संरक्षण विभाग	बीसीएनआर विद्यापीठ



३	डॉ. ए. मोहन मुरलीधर	अतिथि व्याख्याता	वाणिज्य प्रबंधन	वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ
४	श्री प्रीतिशा बेहेरा	अतिथि व्याख्याता	यथा	वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ
५	श्री सुशांत कुमार	अतिथि व्याख्याता	कंप्यूटर विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
६	श्री पतित पावन रथ	अतिथि व्याख्याता	यथा	यथा
७	श्री आकाश कुमार बैकार	व्याख्याता (ठेका)	अर्थशास्त्र	समाज विज्ञान विद्यापीठ
८	श्री विधुभूषण मिश्रा	व्याख्याता (ठेका)	यथा	यथा
९	प्रो. चित रंजन कर	परामर्शदाता	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य	भाषा विद्यापीठ
१०	डॉ. अमरेश आचार्य	व्याख्याता (ठेका)	यथा	भाषा विद्यापीठ
११	डॉ. मयूरी मिश्रा	कनिष्ठ परामर्शदाता	यथा	भाषा विद्यापीठ
१२	डॉ. सताब्दी बेहेरा	अतिथि व्याख्याता	यथा	भाषा विद्यापीठ
१३	सुश्री सोनी पारही	व्याख्याता (ठेका)	पत्रकारिता तथा जनसंचार विभाग	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१४	श्री सुजित कुमार मोहांति	व्याख्याता (ठेका)	यथा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१५	सुश्री तलत जहां बेगम	व्याख्याता (ठेका)	यथा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१६	श्री रमेश चंद्र मैती	व्याख्याता (ठेका)	गणित विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
१७	श्री दिनेश पांडे	व्याख्याता (ठेका)	यथा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१८	डॉ. सुभेंदु मोहन श्रीचंदन मिश्रा	अतिथि व्याख्याता	यथा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१९	श्री बासुआ देवानंद	व्याख्याता (ठेका)	यथा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
२०	सुश्री शुभस्मिता दास	व्याख्याता (ठेका)	यथा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
२१	सुश्री कृष्णा मलिक	व्याख्याता (ठेका)	यथा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
२२	डॉ. रुद्राणि मोहांति	व्याख्याता (ठेका)	ओडिया भाषा तथा साहित्य	भाषा विद्यापीठ
२३	डॉ. गणेश प्रसाद साहु	व्याख्याता (ठेका)	यथा	भाषा विद्यापीठ
२४	श्री कुमुद प्रसाद आचार्य	अतिथि व्याख्याता	संस्कृत भाषा	भाषा विद्यापीठ
२५	डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा	व्याख्याता (ठेका)	समाज विज्ञान	समाज विज्ञान विद्यापीठ
२६	डॉ. सागरिका मिश्रा	अतिथि व्याख्याता	यथा	समाज विज्ञान विद्यापीठ
२७	श्री कीर्तिमान गोपनायक	व्याख्याता (ठेका)	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ
२८	डॉ. आर एसएस नेहरू	व्याख्याता (ठेका)	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
२९	श्री संतोष जेना	व्याख्याता (ठेका)	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
३०	श्री के वेंकट एन राव	व्याख्याता (ठेका)	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
३१	श्री प डब्ल्यू बनर्जी	व्याख्याता (ठेका)	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
३२	श्री अक्षय कुमार भोई	व्याख्याता (ठेका)	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
३३	डॉ शिशिर कुमार बेज	व्याख्याता (ठेका)	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
३४	सुश्री बी सोरेन	व्याख्याता (ठेका)	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
३५	श्री अतिश कुमार सतपथी	व्याख्याता (ठेका)	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ

**गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची**

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
१.	श्री के.वी. उमा एम. राव	उप कुलसचिव	प्रशासन
२.	श्री के. कोशला राव	उप कुलसचिव	वित्त

३.	श्री सुधाकरण पटनायक	ओआईसी	अभियांत्रिकी और अनुरक्षण
४.	श्री एम. एम. पात्र	ओएसडी	प्रशासन
५.	श्री विजयानन्द प्रधान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
६.	डॉ. फगुनाथ भोई	जनसंपर्क अधिकारी	जनसंपर्क
७.	श्री मानस कुमार दास	अनुभाग अधिकारी	वित्त
८.	श्री पंकज कुमार सिन्हा	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
९.	श्री रश्मी रंजन सेठी	कुलपति के निजी सचिव	कुलपति सचिवालय
१०.	ई. पद्मलोचन स्वई	कनिष्ठ अभियंता	अभियांत्रिकी और अनुरक्षण
११.	श्री बरदा प्रसाद राउतराय	सहायक	प्रशासन
१२.	श्री संजिव कुमार पापेजा	तकनीकी सहायक	कम्प्यूटर प्रयोगशाला
१३.	श्री रूद्रनारायण	कनिष्ठ सहायक प्राध्यापक	पुस्तकालय
१४.	श्री शिवराम पात्र	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
१५.	श्री मानस चन्द्र पण्डा	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
१६.	श्री जितेन्द्र कुमार पण्डा	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
१७.	श्री अजित प्रसाद पात्र	अवर श्रेणी लिपिक	वित्त
१८.	श्री अजय कुमार महापात्र	प्रयोगशाला एटेंडेंट	नृविज्ञान
१९.	श्री मुकुन्द खिलो	पुस्तकालय एटेंडेंट	पुस्तकालय
२०.	श्री प्रमोद कुमार परिड़ा	कार्यालय एटेंडेंट	वित्त
२१.	श्री तुषारकान्त दास	कार्यालय एटेंडेंट	अस्थायी कार्यालय, भुवनेश्वर
२२.	श्री मिलन कुमार राउल	कार्यालय एटेंडेंट	प्रशासन
२३.	सुश्री प्रीति कुमारी रथ	कार्यालय एटेंडेंट	प्रशासन
२४.	श्री दिल्लीप बेहेरा	क्लर्क (ठेके पर)	प्रशासन
२५.	श्री प्रशांत कुमार नायक	क्लर्क (ठेके पर)	सामाजिक विज्ञान विभाग
२६.	सुश्री तनुजा कुमारी राउत	क्लर्क (ठेके पर)	गणित विज्ञान विभाग
२७.	श्री अरूण कुमार बेहेरा	क्लर्क (ठेके पर)	शैक्षणिक
२८.	श्री स्नोहाशिष प्रधान	क्लर्क (ठेके पर)	शैक्षणिक
२९.	श्री दासरी त्रिपाठी	क्लर्क (ठेके पर)	वित्त
३०.	सुश्री सुनंदा बिस्वास	कुलपति के व्यक्तिगत सचिव (ठेके पर)	कुलपति सचिवालय
३१.	सुश्री सुश्री सोनालि प्रियदर्शिनी	रिसप्लनिस्ट (ठेके पर)	प्रशासन
३२.	श्री मिखेल ताक्री	एपीआरओ (ठेके पर)	लोकसंपर्क
३३.	डॉ. मधुसूदन महापात्र	डॉक्टर (ठेके पर)	प्रशासन
३४.	श्री राजिव लोचन महापात्र	टेकनिकॉल सुपरवाइजर -विद्युत (ठेके पर)	अभियांत्रिकी और अनुरक्षण
३५.	श्री नितून पीसी	टेकनिकॉल सुपरवाइजर-निर्माण (ठेके पर)	अभियांत्रिकी और अनुरक्षण
३६.	श्री अभिमन्यु प्रधान	लाइब्रेरी ट्रेनी	पुस्तकालय
३७.	सुश्री संगीता नायक	लाइब्रेरी ट्रेनी	पुस्तकालय
३८.	श्री सुदाम चरण साहु	लाइब्रेरी ट्रेनी	पुस्तकालय



## कार्यकारी सारांश

केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा वर्ष २००९ में संसद के अधिनियम द्वारा ओडिशा के कोरापुट में स्थापित की गयी थी। विश्वविद्यालय मानविकी, भाषा, सामाजिक विज्ञान, और मौलिक तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान में अग्रिम ज्ञान के प्रसार के लिए प्रयास करता है। इसका लक्ष्य अधिगम प्रक्रिया, अंतःविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना और लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार और उनके शैक्षणिक, बौद्धिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जाना है। विश्वविद्यालय कोरापुट जिले के सुनाबेदा में अवस्थित है। मुख्य पसिर सुनाबेदा स्थित ४३०.३७ एकड़ जमीन पर अवस्थित है। ओडिशा सरकार ने सीयूओ यह जमीन प्रदान किया है, और यह जमीन विश्वविद्यालय के नाम में पंजीकृत हो चुका है।

### विश्वविद्यालय की दूरदृष्टि

- सहयोग/शैक्षणिक समझौता/भारत व विदेश के प्रमुख अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय एवं उद्योग के साथ साझेदारी। आज के संदर्भ में यूनिस्को दस्तावेज में यथा परिकल्पित एक नए अर्थ एवं नए आकार पर लिए गए क्रॉस बॉर्डर शिक्षा।
- यूनेस्को दस्तावेज में बताये गये क्रॉस बोर्डर शिक्षा को आज के संदर्भ में नये अर्थ में लेना और नया रूप प्रदान करना
- निमन्त्रण से प्रख्यात अतिथि संकायों का प्रवेश
- एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रको
- एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना (IQAC)।

### विश्वविद्यालय के मिशन

- सभी के लिए उत्कृष्ट शिक्षा, ताकि हम राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी को मजबूत कर पाएंगे।
- दूर दराज तक पहुंचने के लिए “समावेशी शिक्षा का प्रसार।
- स्वदेशी एवं वैश्विक परिदृश्य का एक स्वस्थ सहजीवन का पक्ष समर्थक।
- उच्च शिक्षा की एक मजबूत आधारित संपूर्ण वैश्विक नजरीया बनाए रखाना।
- स्वयं के लिए एक स्थान बनाए।

### तदनुसार विश्वविद्यालय पहले से ही तैयार की है

- विश्वविद्यालय-उद्योग संपर्क के लिए नीति की रूपरेखा।
- विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय संपर्क हेतु नीति की रूपरेखा।
- प्रशासन, शिक्षण एवं अध्ययन के सभी स्तरों पर “गुणवत्ता की संस्कृति का शिक्षा के लिए एक नीतिगत संरचना।

### केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा का उद्देश्य

- अध्ययन की ऐसी शाखाओं में यथोचित शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएँ प्रदान कर अत्याधुनिक ज्ञान का प्रसार करना,
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाजविज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संकलित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान प्रस्तुत करना,
- शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया एवं अंतर्विषयक अध्ययन एवं अनुसंधान में नवोन्मेष को प्रोत्साहित करने के लिए उचित उपाय प्रस्तुत करना,
- देश के विकास के लिए मानव-शक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना,
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने हेतु उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित करना,
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार एवं कल्याण, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु विशेष ध्यान देना।

### महामहिम भारत के राष्ट्रपति का अभिभाषण

भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का परिदर्शक वर्ष के दौरान दो बार भारत के सभी उच्चतर शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के छात्रों, संकायों और कर्मचारियों को संबोधन किया है।

उनका प्रथम संबोधन दिनांक १० अगस्त २०१५ को “भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को मजबूत करना” शीर्षक पर

उनका दूसरा संबोधन दिनांक १९ जनवरी २०१६ को “युवा और राष्ट्र निर्माण” शीर्षक पर।

दोनों संबोधन नेशनल नलेज नेटवर्क (एनकेएन), भारत सरकार द्वारा आयोजित विडियो कनफरेंसिंग के माध्यम से आयोजित हुआ था। विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने ओडिशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के विडियो कनफरेंस स्टुडियो में उपस्थित थे।

### शैक्षणिक प्रोफाइल

वर्तमान, विश्वविद्यालय तीन वर्षीय और दो वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम, पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम और अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फील और पीएच.डी) प्रदान करता है। परास्नातक कार्यक्रम में शामिल हैं कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (तीन वर्षीय) और दो वर्षीय परास्नातक प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षा में स्नातक, जबकि गणित विज्ञान में पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, वाणिज्य प्रशासन, अर्थनीति, अंग्रेजी, हिंदी, जनसंचार तथा पत्राचार, ओडिया, संस्कृत, सामाजिक और सांख्यिकी में दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम। नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, जनसंचार तथा पत्राचार, ओडिया, और समाज विज्ञान में एमफील तथा पीएचडी अनुसंधान कार्यक्रम चलाता है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक तथा अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता किया है। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

वर्ष २०१५-१६ के लिए दस स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एक पंचवर्षीय एकीकृत कार्यक्रम एवं बी.एड कार्यक्रम के लिए कक्षाएँ जुलाई-२०१५ से चलाई जा रही हैं। इन विषयों में शैक्षिक वर्ष २०१५-१६ के लिए ४३५ छात्रों ने दाखिला ले चुके हैं।



विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रक्रिया विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के साथ छमाही (सेमेस्टर) प्रणाली पर आधारित है।

शैक्षिक पंचांग (कैलेण्डर)का केन्द्रों/विभागों एवं निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार सम्पादित सभी शिक्षण-अध्ययन गतिविधियों द्वारा सख्ती से अनुसरण किया जाता है।

#### संरचनात्मक प्रगति

विश्वविद्यालय के ध्येय के मद्देनजर हमने सुनाबेड़ा, कोरापुट स्थित हमारे मुख्य कैम्पस के विकास में कई वाधाएं एवं चुनौतियों का सामना किया है। कैम्पस में संरचनात्मक विकास की आवश्यकता की पूर्ति के लिए बुनियादी ढांचे और अन्य सहायक सुविधाओं के स्तर में सुधार लाने के हमारे प्रयास के चलते विश्वविद्यालय ने इस शैक्षिक वर्ष २०१४-१५ से कैम्पस को कार्यक्षम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा को तैयार करने में सक्षम हो पाया है।

#### मानव संसाधन

वर्तमान विश्वविद्यालय अनुभवी संकाय सदस्य एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों से सुसज्जित है। हमारे पास हरेक विषयों के लिए कई अतिथि अध्यक्ष हैं। विश्वविद्यालय भी अपने छात्रों को अतिरिक्त विवरण प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित अतिथि संकायों का एक तंत्र बनाया है।

#### विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय पिछले कई वर्षों से तेजी से प्रगति की है। हालांकि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय सिर्फ ५ साल पुराना है फिर यह अपने शिक्षण एवं छात्र समुदाय को कुछ विशेष मूल्य वर्धित सेवा प्रदान करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया है। अब तक केन्द्रीय पुस्तकालय में २५००० पुस्तकों का संग्रह है, ९००० से भी अधिक ई-पत्रिकाएँ, ई-शोध सिंधु (उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधन का कनसोरटियम) संदर्भ पुस्तकें, सिरियल्स, शोधग्रंथ और डिजिटल और पत्रिकाओं की पुरानी संस्करण आदि खरीदी है। वित्तीय वर्ष २०१५-१६ के दौरान, पुस्तकालय में ६२११ पुस्तकें मंगायी गयी है कैलेण्डर २०१६ के लिए ९७ प्रिंट पत्रिकायें पुस्तकालय में मंगाई गयी है

#### विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा की पूर्ति हेतु विभिन्न विशेष जगहों से विश्वविद्यालय कैम्पस तक आवागमन के लिए मासिक आधार पर नौ बसें प्रदान की गयी है।

#### सांविधिक समितियों की बैठकें

##### कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद की २१वीं बैठक २२ अप्रैल, २०१५ को आयोजित की गई।  
कार्यकारी परिषद की २२वीं बैठक ३० जून, २०१५ को आयोजित की गई।  
कार्यकारी परिषद की २३ वीं बैठक १७ नवम्बर, २०१५ को आयोजित की गई।

##### शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद की १४वीं बैठक १५ नवम्बर, २०१५ को आयोजित की गयी।

##### वित्त समिति

वित्त समिति की १४वीं बैठक ३० जून, २०१४ को आयोजित की गयी।  
वित्त समिति की १५वीं बैठक १७ नवम्बर, २०१५ को आयोजित की गयी।

##### भवन निर्माण समिति

भवन निर्माण समिति की २२ वीं बैठक १६ नवम्बर, २०१५ को आयोजित की गयी।

#### विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिष्ठित /विशेष व्याख्यान आयोजित

विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित प्रतिष्ठित/विशेष व्याख्यान आयोजित किया है :

- दिनांक २६ नवम्बर २०१५ को डॉ. बी. आर. अम्बेदकर और भारत का संविधान पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया था। भूतपूर्व राजनीति विज्ञान के भूतपूर्व प्रोफेसर सूर्य नारायण मिश्रा, उत्कल विश्वविद्यालय ने व्याख्यान दिया था
- दिनांक १२ जनवरी २०१६ को आज के युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद के शिक्षण की प्रासंगिकता। प्रोफेसर अमूल्य रंजन महापात्र, प्रतिष्ठाता, रामकृष्ण आश्रम, कोरापुट और प्रसिद्ध लेखक तथा सामाजिक चिंतक ने व्याख्यान प्रदान किया।
- दिनांक १ मार्च २०१६ को मीडिया और पब्लिक डिप्लोमासी पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था। श्री मलय मिश्रा, आईएफएस (सेवानिवृत्त) हंगेरी के राष्ट्रदूत ने व्याख्यान प्रदान किया था।
- दिनांक २१ मार्च २०१६ को हिंदुस्तान एरोनेटिकल्स लिमिटेड के सहयोग से भंज मंडप, एचएएल टाउनशिप, सुनाबेड़ा में भूमंडलीकरण और समसामयिक अंतरराष्ट्रीय संबंध पर सीयूओ-एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान आयोजित किया गया था। प्रो. रंजन जी हार्ष, भूतपूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, और वर्तमान प्रोफेसर, साउथ एशियन विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने उद्घाटन व्याख्यान प्रदान किया।
- दिनांक २८ मार्च २०१६ को टेगौर और स्त्री पर एक विशेष व्याख्यान आयोजन किया गया था। प्रो. मालाश्री लाल, अधिष्ठाता, महाविद्यालय, शैक्षणिक गतिविधियाँ और परियोजनायें, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस विषय पर विशेष व्याख्यान प्रदान किया।
- दिनांक २९ मार्च २०१६ को हिंदुस्तान एरोनेटिकल्स लिमिटेड के सहयोग से भंज मंडप, एचएएल टाउनशिप, सुनाबेड़ा में सीता की खोज : पौराणिक कथाओं की समीक्षा पर सीयूओ-एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान आयोजित किया गया था। प्रो. मालाश्री लाल, अधिष्ठाता, महाविद्यालय, शैक्षणिक गतिविधियाँ और परियोजनायें, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस विषय पर विशेष व्याख्यान प्रदान किया।
- दिनांक २९ मार्च २०१६ को हिंदुस्तान एरोनेटिकल्स लिमिटेड के सहयोग से भंज मंडप, एचएएल टाउनशिप, सुनाबेड़ा में सीता की खोज : पौराणिक कथाओं की समीक्षा पर सीयूओ-एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान आयोजित किया गया था। प्रो. मालाश्री लाल, अधिष्ठाता, महाविद्यालय, शैक्षणिक गतिविधियाँ और परियोजनायें, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस विषय पर विशेष व्याख्यान प्रदान किया।



शैक्षणिक कार्यक्रम

क्रमांक	विद्यापीठ का नाम	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम तथा अवधि
०१	भाषा विद्यापीठ	ओडिया भाषा तथा साहित्य	ओडिया में एम. ए. (दो वर्ष) ओडिया में एमफील (एक वर्ष) ओडिया में पीएचडी
		अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग	अंग्रेजी में एम.ए. (दो वर्ष)
		हिंदी विभाग	हिंदी में एम.ए. (दो वर्ष)
		संस्कृत विभाग	संस्कृत में एमए.
०२	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	नृविज्ञान विभाग	नृविज्ञान में एमएससी (दो वर्ष) नृविज्ञान में एमफील (दो वर्ष)नृविज्ञान में पीएचडी
		समाजशास्त्र विभाग	सामाजिक विज्ञान में एम.ए. (दो वर्ष) सामाजिक विज्ञान में एम.फील (एक वर्ष) सामाजिक विज्ञान पीएचडी
		अर्थशास्त्र विभाग	अर्थशास्त्र में एम ए (दो वर्ष)
०३	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ	जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग	जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम एम (दो वर्ष) जनसंचार तथा पत्रकारिता में एम.फील (एक वर्ष) जनसंचार तथा पत्रकारिता में पीएचडी
		शिक्षक शिक्षा विभाग	स्नातक शिक्षा (दो वर्ष)
०४	मौलिक विज्ञान और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	गणित विज्ञान विभाग	पाँच एकीकृत वर्षीय गणित विज्ञान में एमएससी (पाँच वर्ष)
		कंप्यूटर विज्ञान विभाग	कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक (तीन वर्ष)
०५	जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ	जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन विभाग	जैवविविधता में एमएससी (दो वर्ष) जैवविविधता में एमफील (एक वर्ष) जैवविविधता में पीएचडी
०६	वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन	व्यापार प्रबंधन विभाग	व्यापार प्रबंधन में मास्टर (दो वर्ष)
०७	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में एमएससी (दो वर्ष)

## विश्वविद्यालय के विद्यापीठों, विभागों एवं संकायों की गतिविधियाँ

### भाषा विद्यापीठ

वर्तमान चार भाषाओं में अंग्रेजी, ओड़िया, हिंदी और संस्कृत में शिक्षा प्रदान की जाती है। इन भाषाओं में से प्रत्येक साहित्य के एक महत्वपूर्ण अंग है, जो महान लेखकों, उपन्यासकार, कवि, कहानी लेखकों, नाटक लेखकों आदि का एक समेकित समूह है। ये भाषाएँ महान संस्कृति एवं महान दर्शन के धरोहर हैं। विद्यार्थी जो इस विद्यापीठ में भाषा का अध्ययन करने के इच्छुक हैं वास्तव में उनको भाषा से कहीं अधिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। वह (पु/स्त्री) उस संस्कृति की साहित्य, कला एवं दर्शन का भी अध्ययन करेंगे।

उपरोक्त दो भाषाओं में प्रशिक्षण विद्यार्थी को अंत में एक अनुवादक, टीकाकार, शिक्षक, विशेषज्ञ अथवा मल्टी-मीडिया परियोजनाओं में एक सलाहकार बनने में सक्षम बनाता है।

### अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग

भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल) ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा में शैक्षिक वर्ष २००९-१० से स्नातकोत्तर (दो वर्षीय) कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह केन्द्र अंग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है एवं अफ्रीका, अमेरिका, अस्ट्रेलिया, कानेडीयन, अंग्रेजी, भारतीय, आयरिश आदि में गैर-ब्रिटिश साहित्य पर जोर देता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत में साहित्य सिद्धान्तों पर उनके संदर्भ से जुड़े साहित्य से संबंधित अपनी क्षमता को विकास करने, सिद्धान्तों और ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन करने और इतिहास, सिद्धान्त, सामग्री प्रेरित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सिद्धान्त, तुलनात्मक साहित्य एवं अंग्रेजी स्थिति का पता लगाने में मदद करता है।

### विजन

- पूरे शैक्षणिक सत्रों में भारत तथा बाहर से अंग्रेजी में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित किया जाता है।
- स्वरविज्ञान प्रयोगशाला, संचार प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- अंग्रेजी साहित्य/अंग्रेजी भाषा शिक्षण/भाषाशास्त्र में एमफिल/पीएच.डी आदि नये कार्यक्रमों का शुभारंभ।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आदि आयोजन करना।
- तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन पर अधिक महत्व दिया जाता है।
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग।

### विभाग

१	विभाग अध्यक्ष का नाम	श्री संजित कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं प्रमुख प्रभारी
२	संपर्क विवरण	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य केन्द्र, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, सुनाबेड़ा, कोरापुट - ७६४०२३, ओड़िशा ई-मेल: sanjeet.iitk@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षिक योग्यताएं	१. संजित कुमार दास, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, भाषाशास्त्र में स्नातकोत्तर, अंग्रेजी में एमफील, यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक, सहायक प्रोफेसर तथा प्रमुख प्रभारी २. श्री अमरेश आचारी, एम.ए., एमफील एवं यूजीसी-नेट, व्याख्याता अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में २ वर्षीय स्नातकोत्तर
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- डॉ. सुमन महापात्र, सेवानिवृत्त अंग्रेजी के प्रोफेसर, रेवेसा विश्वविद्यालय, दिनांक २१.९.२०१५ से २५.९.२०१६ तक अंग्रेजी साहित्य के इतिहास पर व्याख्यान श्रृंखला प्रदान किया।
- प्रा. शरत चंद्र सतपथी, अंग्रेजी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय ने दिनांक दिनांक २१.९.२०१५ से २५.९.२०१६ तक अंग्रेजी साहित्य के इतिहास पर व्याख्यान श्रृंखला प्रदान किया।
- डॉ. कल्याणी महापात्र, सेवानिवृत्त अंग्रेजी के प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय ने दिनांक ०५.१०.२०१६ से ०७.१०.२०१६ तक अनुसंधान विधि पर व्याख्यान श्रृंखला प्रदान किया।
- प्रो. धरणीधर साहु, सेवानिवृत्त अंग्रेजी के प्रोफेसर, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय ने दिनांक ०९.११.२०१५ से २०.११.२०१५ तक डब्ल्यू बी यीटस की कविता पर व्याख्यान माला पर व्याख्यान प्रदान किया।
- प्रो. राम संकर नंद, अंग्रेजी के प्रोफेसर, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय ने दिनांक २३.११.२०१५ से २८.११.२०१५ तक व्याख्यान माला साहित्यिक समालोचना तथा सिद्धांत पर प्रदान किया।
- प्रो. इ. राजा राव, अंग्रेजी के प्रोफेसर, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय ने दिनांक २९.०२.२०१६ से ०४.०३.२०१६ तक साहित्यिक समालोचना तथा सिद्धांत पर व्याख्यान माला प्रदान किया।
- प्रो. मालाश्री लाल, अंग्रेजी के प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिनांक २८.०३.२०१६ को टैगोर तथा स्त्री पर एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया।



### संकाय की शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### श्री अमरेश आचार्य

- दिनांक २० जुलाई २०१५ को स्नातकोत्तर अंग्रजी विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय में आयोजित साहित्य में अमेरिकी नैतिकतावाद पर एक संगोष्ठी में नाथेनिएल ह्यूथोन में नैतिकतावाद की वैधिकता पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

#### प्रकाशन :

- दिल्ली में विद्रोह की दो घर की कहानियों पर अनुसंधान पत्र : एव कंट्रापुटल रिडिंग, लिटेरेरी ओराकेल- एक संदर्भित, समीक्षित अनुसंधान पत्रिका, साहित्यिक समीक्षा, संपादक : श्रुति दास, नई दिल्ली, अर्थोप्रेस, खंड- २ , अंक -१ तथा २ २०१५, पन्ने १६७-१७७. (आईएसएन २३४८-४७७२). ।

### ओड़िया भाषा तथा साहित्य विभाग

ओड़िया भाषा एवं साहित्य विभाग सन् २००९ में अपनी स्थापना काल से ही कला में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता आ रहा है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को नियमित संशोधन एवं अद्यतन किया जाता है। केन्द्र तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य एवं जनजातीय अध्ययन में विशेष शिक्षण प्रदान करता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्र सम्पादन एवं अनुवाद में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। केन्द्र शुरू से ही अपने अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। केन्द्र के शिक्षक परास्नातक कार्यक्रम के लिए शोध-प्रबंध की निगरानी करते हैं जहाँ छात्र चौथी छमाही में नृविज्ञान एवं सामाजिक क्षेत्र कार्य प्रदर्शन का अवसर पाते हैं। केन्द्र से काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यूजीसी-जेआरएफ/नेट पास कर चुके हैं उनमें से कई प्रतिष्ठित सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार पा चुके हैं। अनुसंधान कार्यक्रम (पीएच.डी. तथा एम.फील) का प्रारंभ शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से इस केंद्र में किया गया था

#### विजन

- ओड़िशा राज्य की भाषा, साहित्य और संस्कृति पर जोर देना है ;
- पूरे शैक्षणिक सत्र में हमारे विभाग को ओड़िया भाषा के प्रसिद्ध प्रोफेसरों को आमंत्रित करना है;
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है और
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन, लोकभाषा साहित्य और आदिवासी अध्ययन पर जोर ध्यान देना.

#### विभाग

१	मुख्य का नाम	डॉ. अलोक बराल, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी
२	संपर्क विवरण	ओड़िया भाषा तथा साहित्य विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, सुनाबेड़ा, कोरापुट - ७६४०२३, ओड़िशा ई-मेल: alok.baral@rediffmail.com
३	शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएं	१. डॉ. अलोक बराल, एमए, पीएचडी, यूजीसी, एनईटी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी २. श्री प्रदोशकुमार स्वाई, एमए, एमफील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. रूद्राणि मोहांति, एमए, पीएचडी, व्याख्याता ठेके पर ४. डॉ. गणेश प्रसाद साहु, एमए, पीएचडी, यूजीसी.एनईटी, व्याख्याता ठेके पर
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	ओड़िया भाषा तथा साहित्य में एम.ए. (२ वर्ष), एम फील (१ वर्ष) पीएचडी.

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- विभाग ने दिनांक ११ मार्च २०१६ को प्रथम प्राचीन ओड़िया भाषा दिवस मनाया । मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और इस समारोह में प्रो. खगेश्वर महापात्र उपस्थित थे ।
- प्रो. निलाद्रि भूषण हरिचंदन, सेवानिवृत्त ओड़िया भाषा के प्रोफेसर और भूतपूर्व प्राचार्य, विद्या भवन, विश्व भारती, केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस विभाग में दिनांक १७ अगस्त से १० सितम्बर २०१५ तक सलाहाकार के रूप में काम किया है ।
- विभाग के पाँच छात्रों ने यूजीसी जेआरएफ/एसआरएफ में उत्तीर्ण हुए हैं। ये छात्र हैं अरुण कुमार राज, सास्वती मेहेर, बिश्वनाथ साहु, बिलासिनी मलिक और परमेश्वर मलिक ।

### संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### डॉ. अलोक बराल

- ओड़िया साहित्य के सांस्कृतिक अध्ययन पर दिनांक ०१.०६.२०१५ से २१.०६.२०१५ तक संबलपुर विश्वविद्यालय, के मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया ।
- दिनांक २९.०६.२०१५ को दक्षता वृद्धि तालिम केंद्र, में ओड़िशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर में ब्राह्मण साहित्य आलोचनाचक्र के सम्मेलन में ओड़िया ब्राह्मण साहित्य पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया ।
- दिनांक २९.०८.२०१५ को पश्चिम ओड़िया सांस्कृतिक संसद, एचएएल, सुनाबेड़ा में गंगाधर मेहेर के १५३वें जन्म वार्षिका सम्मेलन में गंगाधर मेहेर का काव्यधारा अनन्य विविधता पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया ।

- दिनांक ०५.०९.२०१५ को श्री अरविंद पूर्णांग शिक्षा केंद्र, जयपुर, कोरापुट द्वारा आयोजित महिला पाठ्यक्रम वार्षिक सम्मेलन में भारत का सामूहिक आत्मविकास की आवश्यकता : नारी का आत्मोत्थान पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया ।
- दिनांक १३.०२.२०१६ को बलांगीर लोक उत्सव-२०१५-१६ में आयोजित लोकनाटक रिति स्थिति ओ प्रगति में लोकतंत्र स्थिति ओ भविष्यत पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया ।
- दिनांक २७-२८ २०१६ को ओडिया साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर के सहयोग से ओडिया विभाग, विश्व भारतीय, शांतिनिकेतन में आयोजित यूजीसी-राष्ट्रीय सम्मेलन में एकविंश शताब्दी ओडिया उपन्यास पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

#### प्रकाशन

- ओडिया साहित्य का छद्म नामर इतिहास पुस्तक में, लेखालेखी, भुवनेश्वर, २०१६, पृष्ठ ५२, आईएसबीएन - ९७८-८१९३१६५२-२५।
- पुस्तक के अध्याय में गर्व करिबार कथार विदेशी मंधातानी ओ साधबाणीमें, गर्व कथा : गर्वर करिबार कथा, संपादक, प्रो. मनोरंजन प्रधान, फ्रेंड्स पब्लिशर, कटक, २०१५, आईएसबीएन ८१-७४०१-८६१-१ ।
- पुस्तक का अनुच्छेद, निज साम्राज्यरू निर्वासित आहत ठाकुर, आश्रा खोजिबुलुथिबा ईश्वर, नाटय, नाटक, नाटयायन, संपादक ज्ञानी देवाशिष मिश्रा, सत्यनारायण प्रकाशनी, कटक, २०१५, पृष्ठ ११३-१२९, आईएसबीएन - ८१-८११८-१२७-१ ।
- पुस्तक का अनुच्छेद, शीर्षक है वर्षा ओ ओडिया उपन्यास, वर्षा, संपादक कमलाकांत पंडा, अशोक मोहांति और सुरेंद्र पाणिग्राही, पढापढी, भुवनेश्वर, २०१५, आईएसबीएन - ९७८-८१-९३१६६०-०-० ।
- शोध निबंध- बिप्लवर दीप्त दिहुडी ओ शांतिर स्वेत-कोपत : मनोज दासंक गण संगीत, कादम्बिनी, भुवनेश्वर, मई-२०१५-पृ.-६३-६७, आईएसएसएन - २२७७-११३१ ।
- शोध निबंध विजय मिश्रंक जणे आंतिहर संपर्करे. विजय : एक उछवास-५, विजय मिश्र फाउंडेशन, भुवनेश्वर- जुलाई-२०१५ पृ. -५८-६३.
- शोध लेख लोक तत्व पर परीक्षण : आधुनिक ओडिया ड्रामा के एक अध्ययन, थिएटर स्ट्रीट जर्नल-ई-जर्नल) खंड-१, १५ जुलाई, २०१५, पृ. -४०-४७।
- शोध निबंध-ओडिया ब्राह्मण उपन्यास, पाहाच, सचिवालय लेखा परिषद का साहित्यिक पत्रिका, भुवनेश्वर, अक्टूबर-२०१५, पृ. -९-२२
- शोध निबंध मार्क्सवाद ओ ओडिया उपन्यास, लेखालेखी, भुवनेश्वर, अक्टूबर- २०१५, पृष्ठ ३१-४६।
- शोध निबंध टेक्नोलोजी ओ साहित्य, भंजद्वीप, बारिपदा, खंड-४, अक्टूबर-२०१५, पृ. -१०२-१०६।
- शोध निबंध, कवि कविता और काकर, जान्हवी, भुवनेश्वर, -२०१६।
- शोध निबंध, भाषाकोश ओ बलांगीर, लोकउत्सव, फरवरी २०१६, पृष्ठ -९८-१०१।
- शोध निबंध, टेक्नोलोजी बनाम साहित्य, उदयश्री, भुवनेश्वर, खंड-८, पृष्ठ -३३-३७।
- शोध निबंध, कर्मसाणी ओ क्रमराज, उत्कल सांस्कृतिक परिषद, सुनाबेडा, खंड-४५, २०१६, पृ. -५८-६४।
- शोध निबंध, कर्मसाणी ओर क्रमराज : एक तुलनात्मक सांस्कृतिक अध्ययन, नवपत्र, राउरकेला, ५४ मार्च-अप्रैल-२०१६, पृ. -३२-४२।

#### डॉ. प्रदोष कुमार स्वाई

- दिनांक १०.६.२०१५ से ३०.६.२०१५ तक संबलपुर विश्वविद्यालय में एचआरडीसी से ओडिया में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया ।
- उत्कल दिवस के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय, कोरापुट में ब्राह्मण साहित्य आलोचना चक्र सम्मेलन में स्वतंत्र उत्कल प्रदेश गठनरे ओडिया स्वाधीनता संग्रामक भूमिका पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया ।
- स्नातकोत्तर ओडिया विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर में आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सम्मेलन भारतीय भाषा की स्थिति और ओडिया भाषा शिक्षण के कौशल प्राचीन लक्षण पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- डॉ प्रदोष कुमार स्वाई, सहायक प्रोफेसर, ओडिया भाषा और साहित्य विभाग को , फरवरी, २०१५ के दौरान उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से स्वाधीनतोर आधुनिक ओडिया कविता कु नारीकविक अवदान शीर्षक पर पीएचडी डिग्री मिली है।

#### प्रकाशन :

- अनुसंधान लेख ऋषिकवि मधुसूदन ओ आकाश प्रति, गोकोनिका, २०१५. (१०५-१०७) ।
- अनुसंधान लेख पंचसखा साहित्य रे मानववादी जगन्नाथ धर्मर स्वर ओ साक्षर, अर्पण, जुलाई २०१५. (१३८-१४२) ।
- अनुसंधान लेख स्वाधीनता प्राप्ति ओपिा कवि लेखनीरे नारी स्वरूप रूपायन, सागरिका २०१५. (७७-८१) ।
- अनुसंधान लेख ओडिया नाटक समाज संपुक्ति, संकल्प ज्योति, अगस्त २०१५ (२५-२८). २३४९-६५८४।
- अनुसंधान लेख रेनेसा बनाम नवजागरण, संकल्प ज्योति, अक्टूबर २०१५. २३४९-६५८४।
- अनुसंधान लेख गडबा जनजातिर सामाजिक ओ सांस्कृतिक जीवनयात्रा, जनसुधा, कटक, मार्च -२०१६. (३२-३७) ।
- अनुसंधान लेख निरोला कवित्व ओ कोमल संवेदनार विछुरिता आभा : कवि विद्युतप्रभा, नवपत्र, राउरकेला, जनवरी-फरवरी-२०१६. (३०-४२) ।

#### डॉ. गणेश प्रसाद साहु

- दिनांक २१ जून २०१६ को मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा में ओडिया साहित्य के सांस्कृतिक अध्ययन पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया ।
- उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय, बारिपदा में पीएचडी डिग्री पाने के लिए दो छात्रों का मार्गदर्शन कराया ।



- दिनांक १५-१९ दिसम्बर, २०१५ को वर्धमान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के एमएचआरडी में एनबीटी द्वारा आयोजित ओडिशा के जनजाति सभ्यता को बनाये रखने पर एक पेपर प्रस्तुत किया है।

#### प्रकाशन

- अनुसंधान लेख बंदीशालारे विश्वपति नाटक में जगन्नाथ चेतना और साहित्यिक आलोचना, थिएटर स्ट्रिट जर्नल (ई जर्नल) कोलकाता, जुलाई, २०१५।
- अनुसंधान लेख प्रत्नतत्ववित पद्मश्री परमानंद आचार्य, पुनश्च उत्कल प्रभा, बारिपदा, अक्टूबर, २०१५, पृ. - ३४-३७।
- अनुसंधान लेख उत्तर आधुनिकता ओ १९८० परवर्ती ओडिया कविता, सहकार, कटक, अक्टूबर, २०१५, पृ. - ५१-५६।
- अनुसंधान लेख बंदीशालारे विश्वपति नाटक में जगन्नाथ चेतना और साहित्यिक आलोचना, महानदी, कटक, जनवरी, २०१६, पृ. - ५९-६८।
- अनुसंधान लेख विभूति पट्टनायक वास्तवादी गोलाप, विश्वमुक्ति, भुवनेश्वर, अप्रैल, २०१६, पृ १४-२१, (आईएसएसन २३४९ ७३५१)।
- अनुसंधान लेख विप्लवर ब्रतोभा परिवर्तन सूत्रधार : कवि हुसैन रवि गांधीक कविता : इश्तहार, भुवनेश्वर, अप्रैल, २०१६, पृ. ११०-१२०।

#### डॉ. रूद्राणि मोहांति

- दिनांक ११ जून २०१५ से १ जुलाई २०१५ तक संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहार में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक ३ मई २०१५ को बी जे बी कॉलेज, भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दक्षिण ओडिशा लोको नृत्य : एक लोकतात्विक मूल्यायन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

#### प्रकाशन

- अनुसंधान लेख का शीर्षक बी जे बी कॉलेज, भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दक्षिण ओडिशा लोको नृत्य : एक लोकतात्विक मूल्यायन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- अनुसंधान लेख का शीर्षक - सप्तधारा में नाना सबाले राजिरे (आशा सिंगर सिंगा, आम राजाकू), माल्यवंत आदिवासी उत्सव के अवसर पर मालकानगिरि जिले के स्मरणिका में प्रकाशित, २०१५।
- अनुसंधान लेख का शीर्षक - परब-२०१५, जनजाति उत्सव के अवसर पर कोरापुट जिले के स्मरणिका में सांप्रतिक स्रोतरे आदिवासी सांस्कृतिक ओ साहित्यिक अस्मिता पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

#### हिंदी भाषा विभाग

हिंदी भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और हिंदी भाषा में स्नातोकोत्तर कार्यक्रम चलाया जाता है।

#### विजन

- पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रतिष्ठित हिंदी प्रोफेसरों को विश्वविद्यालय में आमंत्रित करना करना है
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है और
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना।

#### विभाग

१ विभागाध्यक्ष का नाम	डॉ. मयूरी मिश्रा, कनिष्ठ परामर्शदाता और अध्यक्ष प्रभारी
२ संपर्क विवरण	हिंदी विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, सुनाबेड़ा, कोरापुट - ७६४०२३, ओडिशा
३ शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यतायें	१. डॉ. मयूरी मिश्रा, एम.ए., पीएचडी, कनिष्ठ परामर्शदाता तथा विभागाध्यक्ष प्रभारी २. डॉ. शताब्दी बेहेरा, एम.ए. एम.फिल, पीएचडी, यूजीसी-नेट, अतिथि व्याख्याता
४ विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	हिंदी भाषा में एम. ए. (दो वर्ष)

#### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- एम. ए. हिंदी कार्यक्रम के पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु हिंदी भाषा के अध्ययन बोर्ड की बैठक दिनांक २६ तथा २७ नवम्बर, २०१५ को आयोजित हुई थी।
- प्रो. नूरजहां बेगम, सेवानिवृत्त प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना विभाग का परिदर्शन किया था और एक वार्ता प्रस्तुत किया था।

#### संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

##### डॉ. शताब्दी बेहेरा

- अक्टूबर २०१५ को हैदराबाद विश्वविद्यालय से वीसवीं शताब्दी के अंतिम दसक के उपन्यासों में सामाजिक विसंगतियों के शीर्षक पर उन्हें पीएच.डी. की डिग्री मिली है।

## संस्कृत भाषा विभाग

संस्कृत भाषा भारतीय सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत का गोदाम घर है। समग्र भारत की ज्ञान प्रणाली संस्कृत ग्रंथों में लिखा हुआ है। इसलिए, वर्तमान के जरिये अतीत और भविष्य के बीच संपर्क स्थापना हेतु प्राचीन साहित्य ग्रंथों से ज्ञान लाने की जरूरत है (दोनों वैज्ञानिकी और साहित्यिक)।

संस्कृत भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और हिंदी भाषा में स्नातोकोत्तर कार्यक्रम चलाया जाता है।

### विजन

- पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रतिष्ठित संस्कृत प्रोफेसरों को विश्वविद्यालय में आमंत्रित करना करना है
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- संस्कृत साहित्य में एम.फील तथा पीएच.डी. जैसे नये कार्यक्रमों का आरंभ करना ;
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है ;
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना ;
- संस्कृत के विभिन्न पहलुओं पर विभिन्न डिप्लोमा तथा साटिफिकेट पाठ्यक्रमों का आरंभ करना;
- अभिमुखिकरण अध्ययन के विभिन्न सामान्य और प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना ;
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग;
- इस क्षेत्र के आसपास का व्यापक सर्वेक्षण करना, संग्रह और पांडुलिपियों के संरक्षण का संचालन करना और महत्वपूर्ण संस्करण में प्रकाशित करना
- दोनों वैदिक और प्राचीन संस्कृत साहित्य में पूरे वैज्ञानिक और तार्किक ढंग से इनकोडेड भारतीय ज्ञान प्रणाली की क्षमता को समझना ;
- आम लोगों के बीच में संस्कृत साहित्य और भाषा को लोकप्रिय करने के लिए विभिन्न विस्तारित कार्यक्रम का आयोजन करना ।

### विभाग

१	विभागाध्यक्ष का नाम	श्री कुमुद प्रसाद आचार्य, अतिथि व्याख्याता तथा विभाग प्रमुख, संस्कृत भाषा विभाग,
२	संपर्क विवरण	संस्कृत भाषा विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, सुनाबेड़ा, कोरापुट-७६४०२३, ओडिशा, ई-मेल : kumudaacharya88@gmail.com
३	शिक्षण सदस्यों का विवरण तथा योग्यतायें	श्री मुकुंद प्रसाद आचार्य, एम.ए. एम.फिल., यूजीसी-नेट, अतिथि व्याख्याता तथा विभागाध्यक्ष
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	संस्कृत भाषा में एम. ए. (दो वर्ष)

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- प्रो. रघुनाथ पंडा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने नवम्बर २०१५ के प्रथम सप्ताह में पाठ्यक्रम से संबंधित व्याख्यान माला प्रदान किया।
- एम. ए. संस्कृत भाषा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु संस्कृत भाषा के अध्ययन बोर्ड की बैठक दिनांक ९ नवम्बर, २०१५ को सीयूओ के विडियो सभा गृह में आयोजित हुई थी ।

### संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### श्री मुकुंद प्रसाद आचार्य

##### प्रकाशन

- अनुसंधान लेख का शीर्षक : कांदुकात्याय : बल के तीन वीर, ललिता, खंड-७, संख्या-२, किशोर वैद्य निकेतन, वाराणासी २०१५, पृ. ८०-८३, आईएसएसएन. ०९७५-६२५६.
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : गंगादासा के चंदोमंजरी की टिप्पणियों पर एक नोट, धिमही, चिन्मय अंतरराष्ट्रीय फाउंडेशन शोध संस्थान का अनुसंधान पत्रिका, खंड-६ चिन्मय अंतरराष्ट्रीय फाउंडेशन शोध संस्थान, वेनरल २०१५, पृ. १९५-२०३. आईएसएसएन. ०९७६-३०६६.
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : पांडुलिपिक कैटलैग के प्रकार और उसकी समस्याएं, पद्म पराग, एक संदर्भित तिभाषी अनुसंधान पत्रिका, अंक - ऋष, संस्कृत विभाग, काश्मिर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, २०१५-१६, पृ. १३७-१५२, आईएसएसएन. २२५०-३५१.
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : अति सर्वत्र गरितम (लघु कथा) संभासन संदेश (युगादिभिषेक), २०१५, पृ. ५७-५८, अक्षरम, बेंगलूर, २०१५.
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : भारती, प्रतिप्रज्ञा ई जर्नल, खंड. ६. वर्ष -३, पृ. १, जनवरी २०१६. आईएसएसएन. २३४८-८४१७.
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : बृद्धस्य का कथा, प्रासीप्रज्ञा ई जर्नल, खंड ६. वर्ष -३, पृ. ३, फरवरी २०१६. आईएसएसएन. २३४८-८४१७.



## सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ शैक्षिक गतिविधियों में अन्तर्विषयक दृष्टिकोण के साथ संलग्न करने हेतु अभिनव एवं रचनात्मक विचार के साथ शुरू की गयी है। इसका अपना कोई स्नातक कार्यक्रम नहीं है, वर्तमान इसमें सिर्फ परास्नातक कार्यक्रम है। अधोवर्णित के अनुसार विद्यापीठ के पास तीन केन्द्र हैं जिसमें स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए नियमित रूप से दाखिला लेने की पहल की गयी है :

### नृविज्ञान विभाग

इस विश्वविद्यालय में नृविज्ञान विभाग सन् २००९ से कार्य कर रहा है। छात्रों के चार बैच पहले से ही अपने परास्नातक डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। पांचवाँ एवं छठा बैच पूरा कर चुके हैं। छठे एवं सातवें बैच के चल रहा है, शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से नृविज्ञान में एमफील एवं पीएच.डी कार्यक्रम शुरू हुआ है। आईसीटी जैसे नवीनतम शिक्षण प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है। छात्रों को व्यापक क्षेत्र अनुसंधान प्रशिक्षण के बारे में अवगत किया जाता है और वे भी व्यापक क्षेत्र कार्य के आधार पर शोध प्रबंध तैयार करते हैं। केन्द्र मानव विज्ञान विषय एवं इसके व्यावहारिक पहलुओं के बारे में ज्ञान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहा है। वे संग्रहालय नमूनों की प्रलेखन, औषधीय संरक्षण के प्रसार के लिए संग्रहालय विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। विद्यार्थियों को भी चिकित्सा नृविज्ञान, पोषण स्थिति का आकलन, आधुनिक मानव अनुवांशिकी प्रशिक्षण, मानव विज्ञान के फोरेंसिक प्रयोग, सामाजिक प्रभाव का आकलन, विकास कार्य परियोजनाओं का मूल्यांकन एवं निरीक्षण आदि पर प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों को जनजातीय अध्ययन के संपूर्ण पहलुओं पर विशेष पाठ्यक्रम दिया जा रहा है।

१ मुख्य का नाम	डॉ. जयन्त कुमार नायक, सहायक प्राध्यापक एवं मुख्य प्रभारी
२ संपर्क विवरण	नृविज्ञान विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा लांडीगुडा, कोरापुट-७६४०२१, ओडिशा, ई-मेल: jayanta.nayak@rediffmail.com
३ शिक्षण सदस्यों और उनकी शैक्षिक योग्यताएं	१. डॉ. जयन्त कुमार नायक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी, यूजीसी (नेट), सहायक प्रोफेसर एवं विभाग मुख्य (प्रभारी) २. श्री बी.के. श्रीनिवास, एम.एससी., यूजीसी (नेट), सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. मीरा स्वाई, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी, यूजीसी(नेट), अध्यापक
४ विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	नृविज्ञान में २ वर्षीय एम.एससी., १ वर्षीय एम.फिल एवं पीएच.डी

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- मानवविज्ञान सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता के डीएनए प्रयोगशाला में आण्विक मानवविज्ञान पर प्रयोगशाला प्रशिक्षण छात्रों को दिया गया।
- मानव विज्ञान विभाग के चार छात्रों ने यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण की।
- तीन छात्रों को आईसीएसएसआर और आरजीएनएफ छात्रवृत्ति पाने के लिए चयन किया गया।
- इस अवधि के दौरान इस विभाग से पाँच छात्रों को एम.फील पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- कोरापुट के गौडगुडा और लांडीगुडा ग्रामों में क्षेत्र कार्य करके तीसरे सेमेस्टर के छात्रों को प्रशिक्षण दिलाया गया।
- आईजीआरएमएस, भोपाल द्वारा संचालित संग्रहालय और मानवविज्ञान कार्यशाला में चौथे सेमेस्ट के श्री चंदन कुमार दाश और कृष्ण कुमार नायक ने भाग लिया।
- दिनांक ८-१७ फरवरी २०१६ को शिक्षा विभाग, विश्व भारती द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान विधि पर १० दिनों के कार्यक्रम में आईसीएसएसएसआर प्रायोजित कार्यक्रम में श्री राजेश्वर महारना, पीएच डी छात्र ने भाग लिया।
- दिनांक २०-२९ जनवरी २०१६ को व्यावसायिक प्रबंधन विभाग, इंदिरा गांधी जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन में अनुसंधान विधि कार्यशाला में आईसीएसएसआर प्रायोजित १० दिवसीय कार्यक्रम में सुश्री सिलि राउत, पीएचडी छात्रा ने भाग ली।
- दिनांक १-४ फरवरी २०१६ को मानव विज्ञान विभाग, पंडित रवि शंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित अनुसंधान विधि /एसपीएस/ क्षमता निर्माण पर आईसीएसएसआर प्रायोजित १० दिवसीय कार्यक्रम में सुश्री सिलि राउत, पीएचडी छात्रा ने भाग ली।
- दिनांक २८-३० जुलाई २०१५ को महात्मागांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित आध्यात्मिकता, मीति और सामाजिक बदलाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्री इरसाद खान, पीएचडी छात्र ने भाग लिया और छत्तीसगढ़ राज्य के जनजाति क्षेत्रों में मिडिया की पहुंच एवं प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिनांक २९-३० मार्च २०१६ को मानव विज्ञान विभाग, डॉ. हरिशंकर गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित हॉरिजल ऑफ ट्राइवल डेवलपमेंट में इरसाद खान, पीएचडी छात्र ने भाग लिया और जनजातियों में विकास की प्रक्रिया और जनसाक्ष्य दर में कमी : एक अध्ययन (छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के संदर्भ में) एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिनांक ५-१४ अक्टूबर २०१५ को इंडियन एसोसीएशन ऑफ सोसल साइसेंस संस्थानों के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग, क्रास्ट विश्वविद्यालय, बेंगलूर द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान विधि और मात्रात्मक तकनीकी पर आईसीएसएसआर प्रायोजित दस दिवसीय पाठ्यक्रम में इरसाद खान, पीएचडी छात्र ने भाग लिया।
- दिनांक ७-८ सितम्बर २०१५ को डॉ. प्रसन्न कुमार पात्र, मानव विज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय ने विभाग का परिदर्शन किया और छात्रों से विचार विमर्श किया।
- प्रो. सेर्गे ली गुरिएट, निदेशक, इंस्टीच्यूट ऑफ एडुएटस हुमानस, रोसजेनिओ, फ्रांस ने विभाग का परिदर्शन किया और दिनांक १८ सितम्बर को छात्रों से विचार विमर्श किया।



- दिनांक ९ मार्च २०१६ को डॉ. पीटर बर्जर, एसोसिएट प्रोफेसर, एशिया धर्म तथा संस्कृति अध्ययन केंद्र, गोरिगें विश्वविद्यालय, नेदनलैंड ने विभाग का परिदर्शन किया और छात्रों से विचार विमर्श किया ।

### संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### डॉ. जयंत कुमार नायक

- मानव विज्ञान में एम.फील के पाँच छात्रों का मार्गदर्शन किया ।
- दिनांक १५-१८ नवम्बर २०१५ को टाटा स्टील - संवाद द्वारा आयोजित : जनजाति कनक्लेब में समसामयिक भारत में जनजातियाँ : उत्पत्ति, परिचय और विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन में जैवविविधता के संरक्षण में जनजाति लोगों की भूमिका पर एक मानविकी अवलोकन पर एक पेपर पेश किया ।

#### प्रकाशन

- अनुसंधान विधि के मौलिक ज्ञान : समस्याएँ और भविष्य पर पुस्तक : एसएसडीएन प्रकाशक तथा वितरक, नई दिल्ली, आईएसबीएन ९७८९३८३५७५५६५, (सह लेखक- पी सिंह), २०१५. ।
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : पाहाडी खरवाजनजाति में शिक्षा एवं शैक्षणिक समस्या (हिंदी) : एसियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनारी स्टडीज :: ४ (५): ९०-९४. आईएसएसएन: २३२१-८८१९, इम्पाक्ट फैक्टर : १.४९८ (सह लेखक- इरसाद खान), (२०१६). ।
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : जैवविविधता के संरक्षण में जनजाति समुदाय की भूमिका पर मानववैज्ञानिकी अवलोकन, यूरोपियन जर्नल ऑफ एनवारोनमेंटल इकोलोजी ; ३(१):२१-२९. आईएसएसएन - २३९३-९६७२, २०१६. ।
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : एडीएच तथा एएलडीएच २ जीन भिन्नता के संदर्भ में ओडिशा की पहाडी बंडा जनजाति लोगों की जीन विविधता , यूरोपियन जर्नल ऑफ मोलकुल्युलार बायोलोजी एंड बायोकेमेस्ट्री : ; २(२):१०६-११०. आईएसएसएन - २३४८-२१९२ (सह लेखक- पी के दास), २०१५.

#### श्री बी.के. श्रीनिवास

- दिनांक २६ नवम्बर से २३ दिसम्बर २०१५ के दौरान यूजीसी-मानव विकास संसंधान केंद्र, ए ग्रेड प्राप्त हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित अभिमुखिकरण कार्यक्रम में भाग लिया. ।
- दिनांक ११-१४ जनवरी, २०१६ को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय मानव संग्रहालय (आईजीआरएमएस), भोपाल द्वारा आयोजित मानव विज्ञान और संग्रहालय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

#### प्रकाशन

- प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षयित्री के मुद्दे : शिक्षा जिला कोरापुट, ओडिशा, भारत के संदर्भ में एक अध्ययन : दॉ ट्राइबल ट्रिब्यून; ७(३): आईएसएसएन: २२४९-३४३३ (सहलेखक- एम. स्वाई), २०१५. ।
- प्रकाशित पुस्तक में बालिका शिक्षा : मुद्दे और विषय- बलांगीर टाउन में एक अध्ययन पर एक अनुच्छेद. इन जेंडर आसीमेट्री इन कंटेम्पोरारी इंडिया (संपादक) दिल्ली : मंगलम पब्लिकेशन. पृ. २६१-२८८. आइएसबीएन: ९७८-९३-८२९८३-६८-२. (सह लेखक - एम. स्वाई, आर नायक) , २०१६।

#### डॉ. मीरा स्वाई

- दिनांक २३-२४ अगस्त २०१५ को मानव विज्ञान विभाग, बीजेबी स्वायत्तशासी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बालिका शिक्षा की स्थिति : बलांगीर टाउन, ओडिशा, भारत में एक अध्ययन पर एक पेपर पेश किया ।
- दिनांक २६-२७ मार्च २०१६ को महिला अध्ययन विद्यापीठ, उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी लिंग तथा लोक संस्कृति पर एक पेपर पेश किया ।

#### प्रकाशन

- नलेज फॉर एक्सन : ए ट्रिएट्राइज इन आन्थ्रोपलॉजी (संपादक) नई दिल्ली, एपीएच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन (सह लेखक-एल के महापात्र ) आइएसबीएन संख्या : ९७८-९३-३१३-२८०४-५. ।
- बालिका शिक्षा की स्थिति : बलांगीर टाउन, ओडिशा, भारत में एक अध्ययन पर एक पुस्तक के अनुच्छेद : जेंडर आसीमेट्री इन कंटेम्पोरारी इंडिया, संपादक डॉ. इतिश्री पाटी, नई दिल्ली, मंगलम पब्लिकेशन हाउस, पृ २६१-२८८, आईएसबीएन ९७८-९३-८२९८३-६८-२. (सह लेखक बी के श्रीनिवास, आर. नायक) २०१६. ।
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : जनजाति महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य व्यवहार की तलाश : लक्ष्मीपुर ब्लॉक, कोरापुट जिलला, ओडिशा, भारत के प्रजा जनजाति के बीच में एक अध्ययन . दॉ ट्राइबल ट्रिबुन (तिमाही ई-जर्नल ) , आईएसएसएन : २२४९-३४३३, खंड.७, अंक -४, पृ.-८. (सहलेखक डी नायक) २०१५. ।
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : तालमेल, बदलाव और सामाजिक एकता. इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंसेस, आईएसएसएन : २३१९-३५६५(मई, २०१५), खंड. ४(५), ८४-८८. (सह-लेखक सी के दास), २०१५. ।
- अनुसंधान लेख का शीर्षक : प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षयित्री के मुद्दे : दॉ ट्राइबल ट्रिबुन (तिमाही ई-जर्नल ) , आईएसएसएन :: २२४९-३४३३ (अप्रैल, २०१५ खंड.७, अंक -३, पृ.-६). (सह-लेखक बी के श्रीनिवास), २०१५।



## समाजशास्त्र विभाग

यह विभाग विश्वविद्यालय की शुरुआत २००९ से काम कर रहा है। यह विभाग समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम भारत में समाज, संस्कृति एवं सामाजिक संरचना, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अनुसंधान प्रणाली, स्वास्थ्य समाजशास्त्र, पर्यावरण समाजशास्त्र, लिंग के समाजशास्त्र, गैरसरकारी संगठन के समाजशास्त्र, विकास के समाजशास्त्र, अपराध एवं विचलन के समाजशास्त्र एवं सामाजिक आन्दोलन के अध्ययन से अभिविन्यस्त है।

इस विभाग में दिए जा रहे पाठ्यक्रम अन्तर्विषयक है एवं नृविज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति एवं इतिहास जैसे अन्य समाज विज्ञान विषयों से लिया गया है। इस स्तर पर पाठ्यक्रम सांस्कृतिक विश्लेषण, वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारक एवं सामाजिक स्तरीकरण, जाति, विवाह, पारिवारिक जीवन एवं रिश्तेदारी, राजनीति, अर्थशास्त्र, धर्म, शहरी जीवन एवं सामाजिक परिवर्तन से उनकी लड़ाई से संबंधित समस्याओं के साथ संबंधित है। अनुसंधान कार्यक्रम (एमफील एवं पीएच.डी) शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ से विभाग में प्रारंभ किया जा चुका है।

### विभाग

१ प्रमुख का नाम	डॉ.कपिल खेमंडु, सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख प्रभारी
२ संपर्क विवरण	समाजशास्त्र विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा सुनाबेड़ा, कोरापुट - ७६४०२३, ओडिशा, ई-मेल:kapilacuo@gmail.com
३ शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएं	१. डॉ.कपिल खेमंडु, एमए., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी २.डॉ.आदित्य केशरी मिश्र, एमए., पीएच.डी., व्याख्याता ३.श्रीमती सागरिका मिश्र, एमए.एम.फिल., व्याख्याता
४ विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	समाजशास्त्र में २ वर्षीय एम.ए. १ वर्षीय एम.फिल एवं पीएच.डी

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक २५ सितम्बर, २०१५ को जेंडर और फमिनिज्म- रहींटिक और वास्तविकता पर डॉ. विक्रम केशरी मिश्रा, रीडर तथा विभागाध्यक्ष, समाज विज्ञान विभाग, रेवेसा विश्वविद्यालय, कटक द्वारा एक आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया गया था।
- दिनांक १७ अक्टूबर २०१५ को संचार का समाजविज्ञान पर प्रो. विश्वजित दास, संस्कृति केंद्र, मिडिया एवं गर्वनेस (सीसीएमजी), जामिआ मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने एक आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया था।
- दिनांक १२ मार्च २०१६ को छात्रों के लिए माछकुंड को एक क्षेत्र परिदर्शन यात्रा का आयोजित किया गया था।

### संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### डॉ.कपिल खेमंडु

- दिनांक ६ मार्च २०१६ को कोटस एवं जनजाति संग्रहालय द्वारा आयोजित जनजाति संस्कृति के संरक्षण पर एक संगोष्ठी में स्वर्गीय कृष्ण चंद्र पाणिग्राही और जनजाति संस्कृति में उनका योगदान पर एक पेपर पेश किया।

#### डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा

- दिनांक २-३ मार्च २०१६ को मानवविज्ञान विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहार, ओडिशा द्वारा आयोजित उपेक्षा और विकास : मुद्दे और चिंता पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में जनजाति बालिकों को शिक्षा की पहुंच : वादा और विरोधाभास : रायगढ़, ओडिशा के एक मामला का अध्ययन पर एक पेपर पेश किया ( सह लेखक - डी. नायक)।
- दिनांक २-३ मार्च २०१६ को मानवविज्ञान विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहार, ओडिशा द्वारा आयोजित उपेक्षा और विकास : मुद्दे और चिंता पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भूमंडलिकृत की दौर में जनजाति आजीविका की खोज : कोरापुट, ओडिशा के मामले का अध्ययन पर एक पेपर पेश किया (सह लेखक बी. महापात्र)।
- दिनांक १३-१४ फरवरी २०१६ को लोक प्रशासन,उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और ग्राहक अध्ययन केंद्र, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ग्राहक, न्याय, बाजार और भूमंडलीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपभोक्ता मामला विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में भूमंडलीकरण की दौरा में जनजाति बाजार : समस्ययें, विरोधाभास और संभावनायें पर एक पेपर पेश किया ( सह लेखक- डॉ. एस. मिश्रा)।
- दिनांक १४-१५ नवम्बर २०१५ के दौरान समाज विज्ञान विभाग, रेवेसा विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित विकास का पुनसंरचना और भारत के संदर्भ में : समस्ययें, विरोधाभास और संभावनाओं पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विकास डॉल के बाहर जाना : वैश्विक अर्थनीति से सामाजिक अर्थनीति पर एक पेपर पेश किया।
- दिनांक १४-१५ नवम्बर २०१५ के दौरान समाज विज्ञान विभाग, रेवेसा विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित विकास का पुनसंरचना और भारत के संदर्भ में : समस्ययें, विरोधाभास और संभावनाओं पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में साप्ताहिक बाजार और विकास : एक समाजशास्त्रीय जांच पर एक पेपर पेश किया ( सह लेखक डॉ. एस.मिश्रा और डी.नायक)।
- दिनांक ७-८ नवम्बर, २०१५ को शिक्षा विकास समिति, ओडिशा द्वारा आयोजित रिसर्जेंट भारत के लिए शिक्षा पर नयी राष्ट्रीय नीति दृष्टिकोण पर ९वें राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षा और विकास : समावेशी शिक्षा को लगे रखना पर एक पेपर पेश किया (सह लेखक-डॉ. एस. मिश्रा)।
- दिनांक २३-२४ अगस्त २०१५ को मानव विज्ञान विभाग, बीजेबी स्वायत्तशासी महाविद्यालय द्वारा आयोजित जेंडर एसीमेट्री इन कंटेम्पोरारी अर्बन इंडिया पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आर्थनीति गर्वनेस में महिला एसएचजी का दृश्यमान होना : सामाजिक पूंजी फ्रेमवर्क लगे रहना पर एक पेपर पेश किया (सह लेखक- डॉ. एस.मिश्रा)।

**प्रकाशन**

- अनुसंधान लेख का शीर्षक : स्कूली शिक्षा में समग्रता रिकनफिगुरिंग : रोमांच, कल्पना या वास्तविकता ? ह्वेर्नल ऑफ पेडागोगी ऑफ लर्निंग, खंड-३, ०२, (सह-लेखक डॉ. एस. मिश्रा और डी नायक), २०१५।
- पुस्तक का एक अध्याय : आर्थनीति गर्वनेश में महिला एसएचजी का दृश्यमान होना : संपाकद इतिश्री पाढ़ी (संपादक) लिंग, समाज और संस्कृति. दिल्ली : मंगलम पब्लिकेशनस (सह लेखक डॉ. बी के मिश्रा) २०१६।
- पुस्तक का अध्याय : विकास और इसकी असंतुष्टता : विस्थापन का स्थाननिर्धारण और लिंग, ममता स्वाई और अन्य (संपादक), विस्थापन के लिंग आयाम और पुनर्वास, नई दिल्ली :एसएडीएन प्रकाशक और वितरक (सह लेखक-डॉ. बी.के. मिश्रा), २०१५.।

**डॉ. सागरिका मिश्रा**

- दिनांक १३-१४ फरवरी २०१६ को लोक प्रशासन, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और ग्राहक अध्ययन केंद्र, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ग्राहक, न्याय, बाजार और भूमंडलीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपभोक्ता मामला विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में भूमंडलीकरण की दौरा में जनजाति बाजार : समस्ययें, विरोधाभास और संभावनायें पर एक पेपर पेश किया ( सह लेखक- डॉ. ए.के. मिश्रा)।
- दिनांक १४-१५ नवम्बर २०१५ के दौरान समाज विज्ञान विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित विकास का पुनसंरचना और भारत के संदर्भ में : समस्ययें, विरोधाभास और संभावनाओं पर आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सामाजिक पूंजी और जल प्रबंधन में संस्कार : ओडिशा में एक अध्ययन पर एक पेपर पेश किया।
- दिनांक १४-१५ नवम्बर २०१५ के दौरान समाज विज्ञान विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित विकास का पुनसंरचना और भारत के संदर्भ में : समस्ययें, विरोधाभास और संभावनाओं पर आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में साप्ताहिक बाजार और विकास : एक समाजशास्त्रीय जांच पर एक पेपर पेश किया ( सह लेखक डॉ. एस.मिश्रा और डी.नायक)।
- दिनांक ७-८ नवम्बर, २०१५ को शिक्षा विकास समिति, ओडिशा द्वारा आयोजित रिसर्जेंट भारत के लिए शिक्षा पर नयी राष्ट्रीय नीति दृष्टिकोण पर ९वें राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षा और विकास : समावेशी शिक्षा को लगे रखना पर एक पेपर पेश किया (सह लेखक-डॉ. एस. मिश्रा)।
- दिनांक २३-२४ अगस्त २०१५ को मानव विज्ञान विभाग, बीजेबी स्वायत्तशासी महाविद्यालय द्वारा आयोजित जेंडर एसीमेट्री इन कंटेम्पोरारी अर्बन इंडिया पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आर्थनीति गर्वनेश में महिला एसएचजी का दृश्यमान होना : सामाजिक पूंजी फ्रेमवर्क लगे रहना पर एक पेपर पेश किया (सह लेखक-डॉ. एस.मिश्रा)।

**प्रकाशन**

- अनुसंधान लेख का शीर्षक : स्कूली शिक्षा में समग्रता रिकनफिगुरिंग : रोमांच, कल्पना या वास्तविकता ? ह्वेर्नल ऑफ पेडागोगी ऑफ लर्निंग, खंड-१, ०४, (सह-लेखक डॉ. एस. मिश्रा और डी नायक), २०१५।
- पुस्तक का एक अध्याय : आर्थनीति गर्वनेश में महिला एसएचजी का दृश्यमान होना : संपाकद इतिश्री पाढ़ी (संपादक) लिंग, समाज और संस्कृति. दिल्ली : मंगलम पब्लिकेशनस (सह लेखक डॉ. बी के मिश्रा) २०१६।

**अर्थशास्त्र विभाग**

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना २०११ में हुई थी। चार वर्षों के अंदर यह विभाग ओडिशा राज्य में स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में एक प्रमुख विभाग बन चुका है। यह विभाग स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र में कई उभरे, अनुसंधान अभिमुखित, गाणितिक और इकोनोमेट्रिक आधारित वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाता है। छात्रों में अनुसंधान कौशल को भरने के लिए और रोजगार के लिए विभिन्न उपायों से उन्हें विभाग अनुसंधान विधि और शोध प्रबंध पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। इस विभाग में ३० छात्र पढ रहे हैं।

**विजन**

- सर्वोच्च मानक के लिए अपने अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रम को बढ़ाने और जिससे विश्वविद्यालय और देश की प्रतिष्ठा बढ़े,
- सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक अनुसंधान करने के लिए छात्रों को बताना और उत्कृष्टता अर्थशास्त्रियों का उत्पादन करना,
- छात्रों और संकायों और अन्य सभों के विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना,
- नए शैक्षणिक और शोध कार्यक्रम जैसे कि अर्थशास्त्र में एकीकृत प्रायोगिक एम.ए./एम. एससी., एम.फील, पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल कार्यक्रम का आरंभ आने वाले वर्षों में करना।

**विभाग**

१. मुख्य का नाम
२. संपर्क विवरण
३. शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षणिक योग्यताएं
४. विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

- श्री प्रशांत कुमार बेहेरा**, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी  
अर्थशास्त्र विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, सुनाबेड़ा, कोरापुट - ७६४०२३
१. श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, एम.ए., एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी
  २. श्री बिस्वजित भोई, एम.ए., , यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर
  ३. श्रीमती मिनती साहु, एम.ए., एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर
- अर्थशास्त्र में दो वर्षीय एम. ए.



### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- एम ए बैच २०१४-१६ से दो छात्रों ने अर्थशास्त्र में यूजीसी-नेट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं।
- कई छात्रों ने एनसीडीएस, भुवनेश्वर, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और सीवाईएसडी, भुवनेश्वर के इंटरशीप और प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है।
- दिनांक ७ अक्टूबर को बोर्ड ऑफ स्टडीज बैठक विभाग ने पहली बार आयोजित किया है। बोओएस ने एम.ए. अर्थशास्त्र के मौजूदा पाठ्यक्रम में सुधार लाया है और २०१५-१६ से सीबीसीएस आधारित पाठ्यक्रम को स्वीकार किया है।
- दिनांक १६ अक्टूबर २०१५ को विभाग ने पहली संगोष्ठी व्याख्यान का आयोजन किया है। प्रो. सुधाकर पण्डा (सेवानिवृत्त), अर्थशास्त्र विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने भारत में उच्च शिक्षा और समस्याएँ और आशाएँ पर एक व्याख्यान रखा।
- प्रो. सुधाकर पण्डा (सेवानिवृत्त), अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने दिनांक १२.१०.२०१५ से १६.१०.२०१५ तक विभाग का परिदर्शन संकाय रखा है।
- प्रो. जगन्नाथ लेंका, अर्थशास्त्र विभाग, उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय, बारिपदा ने ०६.१०.२०१५ से ०८.१०.२०१५ तक विभाग का परिदर्शन संकाय रखा है।
- डॉ. मिताली चिनारा, एसोसिएट प्रोफेसर, अनुप्रयुक्त तथा अर्थशास्त्र विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने इस विभाग का परिदर्शन संकाय दिनांक १६.११.२०१५ से २०.११.२०१५ तक रखा है।
- विभाग ने कोरापुट जिले के कुंडुली ग्रामपंचायत में दिनांक २५ नवम्बर, २०१५ को एक क्षेत्र सर्वेक्षण का आयोजन किया था। सर्वे का शीर्षक था कृषि उत्पादों में लागत, पद्धतियाँ और प्राप्ति : कोरापुट के कुंडुली ग्रामपंचायत एक अध्ययन।
- विभाग ने दिनांक १८ मार्च २०१६ को भारतीय अर्थनीति तथा आरबीआई द्वारा मुद्रा नीति का संचालन : मुददे तथा चुनौतियों पर दूसरी संगोष्ठी का आयोजन किया और इस संगोष्ठी में डॉ. अमरेश सामंतराय, अर्थशास्त्र विभाग, पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी ने वक्तव्य प्रदान किया।

### संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### श्री प्रशांत कुमार बेहेरा

- दिनांक ११ जून से ८ जुलाई २०१५ के दौरान मानव संसाधन विकास केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में ९२वें अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- भुवनेश्वर में दिनांक १५ नवम्बर २०१५ को १४वें शैक्षणिक परिषद की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक २४-२५ मई २०१५ को केंद्रापडा स्वायत्त महाविद्यालय, केंद्रापडा, ओडिशा में आयोजित भारतीय अर्थनीति, कार्य निष्पादन, चुनौतियाँ और अपेक्षाएँ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोजगार एवं आर्थिक विकास पर मनरेगा का प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक २३ नवम्बर २०१५ को आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम, आंध्र प्रदेश में ओडिशा कोरापुट जिले के कुसुमी ग्राम में किसानों की समस्या का एक विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- गितम विश्वविद्यालय, विशाखापटनम, आंध्र प्रदेश में दिनांक ६-७ फरवरी, २०१६ को अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र और वित्त २वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बाल मजदूरी के लिए जिम्मेदार जोखिम : ओडिशा के कटक शहर में एक अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिनांक १३-१४ फरवरी, २०१६ को जीआईटी, रायगडा, ओडिशा में ओडिशा इकोनोमिक्स एसोसिएशन के ४८वें वार्षिक सम्मेलन में भारत में कृषि विकास में क्षेत्रीय विसर्गितियों का विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

#### प्रकाशन

- शोध निबंध कोरापुट जिले के जयपुर ब्लॉक में सर्व शिक्षा अभियान का प्रभाव निर्धारण : इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स एंड सोसिएल साइंसेस, खंड-२, (अंक-६) (आईएसएसएन २३४९-४०८५), (सह-लेखक एस जेना), जून २०१५।
- शोध निबंध स्थानीय जनता पर औद्योगिकीकरण और खनन का सामाजिक आर्थिक प्रभाव : नाल्को औद्योगिक क्षेत्र, कोरापुट का एक मामला का अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स एंड मैनेजमेंट साइंसेस, खंड-४, (अंक-८) डआईएसएसएन: २१६२-६३५९, जुलाई, २०१५।

### डॉ. मिनती साहू

- ओडिशा के केंडुझर जिले के निवासियों के आजीविका और खाद्य सुरक्षा पर आइरन ओर खनन का प्रभाव पर शोध निबंध पर पीएच डी की उपाधि मार्च २०१६ में रेवेसा विश्वविद्यालय, कटक से अर्थशास्त्र में मिली।
- दिनांक २४-२५ मई २०१५ को केंद्रापडा स्वायत्त महाविद्यालय, केंद्रापडा, ओडिशा में आयोजित भारतीय अर्थनीति, कार्य निष्पादन, चुनौतियाँ और अपेक्षाएँ पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में खाद्य स्फीति की समस्या : एक प्रवृत्ति का विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत की।
- दिनांक १४-१५ नवम्बर २०१५ के दौरान समाज विज्ञान विभाग, रेवेसा विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित विकास का पुनर्संरचना और भारत के संदर्भ में : समस्याएँ, विरोधाभास और संभावनाओं पर आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्थानीय लोगों की सामाजिक पूंजी पर खनन का प्रभाव : ओडिशा के केंडुझर जिला एक विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिनांक १३-१४ फरवरी २०१६ को गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी, गुणपुर, ओडिशा में ओडिशा इकोनोमिक्स एसोसिएशन के ४८वें वार्षिक सम्मेलन में खाद्य तथा पोषण सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पीडीएस की प्रभावकारित की भूमिका : ओडिशा के विशेष संदर्भ में एक अंतःराज्य विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

- दिनांक १५-१६ फरवरी २०१६ को समाजशास्त्र विभाग, बाबा साहेब भिमराव अंबेदकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में भूमलीकरण, पर्यावरण और सामाजिक न्याय : अपेक्षाएं, मुद्दे और चिंताएं पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ओडिशा के आदिवासी जिलों में खनन गतिविधियों की लैंगिक निष्पक्षता का एक विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत की ।
- दिनांक १-२ मार्च २०१६ को सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आइएसइसी), बेगालूर, कर्णाटक के सहयोग से क्रास्ट विश्वविद्यालय में आयोजित वातावरण, अर्थनीति और मानव भलाई पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में खनन के कारण स्थानीय समुदाय पर वन की कटाई का प्रभाव : ओडिशा के केंड्रर जिला का एक विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत की ।

### श्री विश्वजित भोई

- कला, विज्ञान तथा वाणिज्य महाविद्यालय, अंडे ताल, विक्रमगड, जिला पालघर-४०१६०५, महाराष्ट्र द्वारा कोल्हापुर में दिनांक ३० जनवरी २०१६ को २१वीं शदी में साहित्य, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान पर एक दिवसीय अंतःविषयक राष्ट्रीय सम्मेलन के राष्ट्रीय सलहाकार समिति के एक सदस्य के रूप में काम किया है ।
- दिनांक ६-०७ फरवरी, २०१६ को गीतम विश्वविद्यालय, विशाखापटनम के अनुपयुक्त अर्थशास्त्र और वित्त पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में समय उपयोगी विश्लेषण : एक लैंगिक दृष्टि से पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- दिनांक १३-१४ फरवरी २०१६ को गांधी इस्टीमेट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी, गुणपुर, ओडिशा में ओडिशा इकोनोमिक्स एसोसिएशन के ४८वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया ।

### प्रकाशन

- शोध निबंध का शीर्षक : ओडिशा की कृषि संरचना का एक अनुभव सिद्ध विश्लेषण, इपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनोमिक एंड बिजनेस रिव्यू, अप्रैल, २०१५, खंड-३, पृ. ६४-७५, ई-आईएसएसएन : २३४७-९६७१, २०१५ ।
- शोध निबंध का शीर्षक : समय उपयोगी विश्लेषण : एक लैंगिक दृष्टि से , इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेस खंड-५ (५), पृ. १२-२५, ई-आईएसएसएन: २२४९-२४९६ (सह लेखक- एम. कौतूल) , २०१५ ।
- शोध निबंध का शीर्षक : मजदूरों का प्रवास : गंजाम जिले में एक आर्थिक मूल्यांकन, इपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनोमिक एंड बिजनेस रिव्यू, खंड ३ (१२), पृ. १८२-१९०, ई-आईएसएसएन : २३४७-९६७१, (सह लेखक- एस सामंतराय), २०१५ ।
- शोध निबंध का शीर्षक : भारत में विकास का विरोधाभास : भारतीय अर्थनीति के विकास प्रक्षेपक, साउथ एशियन जर्नल ऑफ अंतःविषयक अध्ययन, खंड-३(२), पृ. १०५-१०७. आईएसएसएन: २३४९-७८५८, २०१६ ।

## शिक्षा एवं शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ

### पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र की शुरुआत वर्ष २००९ में हुई। तीन सालों से कम समय में एक प्रमुख पत्रकारिता विभाग के रूप में ओडिशा राज्य में स्वयं को चिह्नित किया है। केंद्र में मल्टि मिडिया प्रयोगशाला सहित इंटरनेट कनेक्शन और अंतिम सॉफ्टवेयर सुविधा उपलब्ध है। केंद्र के पास अंतिम स्टिल तथा विडियो कैमरा उपलब्ध हैं। छात्रों को समग्र देश के अग्रणी मिडिया हाऊसों में एक महीने का कठोर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और उनमें से कई छात्रों को अग्रणी समाचार पत्र, टेलीविजन चैनलों, जन संपर्क संगठनों, एनजीओ आदि में नियुक्ति मिली है। केंद्र ने शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से पत्रकारिता तथा जन संचार में एम.फिल तथा पीएच.डी. कार्यक्रम को शुरू किया है। भविष्य में अल्पावधि पाठ्यक्रम चालू करने की योजना है।

### पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र का लक्ष्य

- मिडिया शिक्षा तथा पेशेवर प्रशिक्षण दिलाना।
- कोरापुट के साथ साथ ओडिशा राज्य के अविभाज्य विकास के लिए संपर्क साधन और पारम्परिक साधनों का अध्ययन करना तथा उपयोग करना।
- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय संचरण के लिए कोरापुट सहित ओडिशा के परिपूर्ण संस्कृति तथा विरासत पर दृश्य तथा श्रव्य कार्यक्रमों और सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन के उत्पादन के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में काम करना ।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से मिडिया संसाधन एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करना ।
- विभिन्न स्तरों में काम करने के लिए एक उत्कृष्ट पेशेवर बनाने के लिए पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा तथा प्रशिक्षण देना ।
- कार्यरत संवाददाताओं को शिक्षा प्रदान करना और प्रशिक्षण दिलाना और पारम्परिक, जन के साथ साथ नयी मिडिया के लिए पेशेवर तौर पर योग्य मानवशक्ति प्रदान करना।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उत्कृष्ट अनुसंधान लेखों का प्रकाशन करना ।

### विभाग

- १ मुख्य का नाम
- २ संपर्क विवरण
- ३ शिक्षकगण तथा उनकी योग्यताएँ

### डॉ. प्रदोश कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी

पत्रकारिता तथा जन संचार विभाग , केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा  
लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२१, ओडिशा, ई-मेल : pradoshrath@gmail.com

१. डॉ. प्रदोश कुमार रथ, एम. ए. (अर्थ.), जे. एम. सी में एम. ए., पीएच.डी.,  
(यूजीसी एनइटी-जेआरएफ) सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी

२. श्री सौरभ गुप्ता, जे एम सी में एम.ए., यूजीसी-नेट, सहायक प्रोफेसर
  ३. सुश्री सोनी पारही, जे एम सी में एम.ए., यूजीसी-नेट (जे.आर.एफ), व्याख्याता, ठेके पर,
  ४. श्री सुजित कुमार मोहांति, संचार में एम.ए., यूजीसी-नेट, व्याख्याता, ठेके पर
  ५. सुश्री तलत जहान बेगम, जे एम सी में एम.ए., व्याख्याता, ठेके पर
- पत्रकारिता तथा जन संचार में दो वर्षीय एम.ए. एक वर्षीय एम.फील. तथा पीएच.डी.

४ विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

#### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- बारह छात्रों ने पत्रकारिता तथा जनसंचार में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में उत्तीर्ण हुए, श्री अनिरुद्ध जेना ने प्रथम स्थान पर रहा और स्वर्ण पदक जीता ।
- चार छात्रों ने पत्रकारिता तथा जनसंचार में एमफील डिग्री उत्तीर्ण हुई और एमफील पत्रकारिता तथा जनसंचार में वे ओडिशा में प्रथम डिग्रीधारक है (क्योंकि सीयूओ ने पत्रकारिता तथा जनसंचार में एमफील ओडिशा में शुरू किया है) ।
- सुश्री नजनील सुलताना, एमफील छात्रा, पत्रकारिता तथा जनसंचार में यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण हुई है ।
- दिनांक ११ सितम्बर, २०१५ को जर्मन का एक छात्रदल सांस्कृतिक बदलाव कार्यक्रम के तहत विभाग का परिदर्शन किया था ।
- विभाग ने दिनांक १६ नवम्बर, २०१५ को राष्ट्रीय प्रेस दिवस का आयोजन किया था । प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित किया था ।
- प्रो. सुनिलकांत बेहेरा, प्रोफेसर, पत्रकारिता तथा जनसंचार विभाग, बहापुर विश्वविद्यालय, ने दिनांक १ सितम्बर, २०१५ को विभाग का परिदर्शन किया था और छात्रों से विचार विमर्श किया ।
- डॉ. शहिद अल्ली, एसोसिएट प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता तथा जनसंचार विभाग, केटीयूजेएम, रायपुर ने दिनांक ५ अक्टूबर, २०१५ को विभाग का परिदर्शन किया और ग्रामीण पत्रकारिता और भारत में इसकी आवश्यकता पर एक व्याख्यान प्रदान किया ।
- दिनांक २७ से २९ नवम्बर, २०१५ को श्री अभिजित मंडल, डिजिटॉल मुख्य, संगवाद प्रतिदिन ने मिडिया के लिए संपादकी एडीटिंग पर कार्यशाला लिया ।
- दिनांक ७ से ९ मार्च २०१६ को श्री मलय मिश्रा, आईएफएस (सेवा निवृत्त), भूतपूर्व राष्ट्रदूत, हंगेरी ने विभाग का परिदर्शन किया और मिडिया और गणतंत्र पर एक व्याख्यान रखा ।
- राकेश कुमार दुबे, शोध छात्र ने शोध संचयन में भारत के परिप्रेक्ष्य में महिला तथा समवाय आंदोलन पर एक शोध निबंध प्रकाशित किया, खंड XXXI No. 12, जुलाई - नवम्बर २०१५. ।
- राकेश कुमार दुबे, शोध छात्र ने जनसंचार और भाषा पर एक शोध निबंध प्रकाशित किया है, आईएसबीएन पुस्तक, सितम्बर, २०१५ में स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित ।
- राकेश कुमार दुबे, शोध छात्र ने मिडिया और विरोध आंदोलन : ओडिशा का एक अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया, दिनांक १७-१८ दिसम्बर, २०१६ को राजकीय महाविद्यालय, जैथारी, अनूपूर, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ।
- राकेश कुमार दुबे, शोध छात्र ने दिनांक १९-२० फरवरी २०१६ को गांधी स्टडी सर्किल, आदिती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, दक्षिण अफ्रीका में गांधी के आंदोलन और भारतीय मीडिया पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- राकेश कुमार दुबे, शोध छात्र ने दिनांक ५-६ मार्च २०१६ को हिंदी विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. राम मनोहर लोहिया के चिंतन में राम की अवधारणा पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- राकेश कुमार दुबे, शोध छात्र ने दिनांक १४-१५ मार्च २०१६ को डॉ. भीम राव अंबेदकर कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित जनसंचार माध्यमों में सामाजिक आंदोलन और दिव्यांगता के मुद्दे पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- नीलेश पांडे, पीएडी छात्र ने दिनांक २१-२२ जनवरी, २०१६ को भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर, उत्तराखंड द्वारा आयोजित जन नीति और सरकार में उत्कर्षता केंद्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन में महिला और बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका : वाराणसी एक अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- नीलेश पांडे, पीएचडी छात्र ने दिनांक ११-१२ फरवरी २०१६ को सोसल इनक्लूजन एंड इनक्लूजीव पॉलिसी केंद्र, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित गणतंत्र और राज्य राष्ट्र: भारत इक्वीसवी सदी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में गणतंत्र के चौथा स्तंभ मीडिया है और प्रकृति में इसकी भूमिका पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- नीलेश पांडे, पीएडी छात्र ने दिनांक ११-१२ मार्च को अर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत की विकास की संभावना और भारत की बजट २०१६-१७, पर राष्ट्रीय सम्मेलन में बजट २०१६: मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए कोई प्रावधान नहीं पर एक पेपर प्रस्तुत किया है ।
- नीलेश पांडे, पीएचडी छात्र ने दिनांक २०-२१ फरवरी २०१६ को अर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आधुनिक भारत और उभरते हुए विश्व : पुराने मुद्दे और नयी चुनौतियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में ग्रामीण विकास में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- नीलेश पांडे, पीएचडी छात्र का भारत में फिल्म एवं मीडिया उद्योग की संभाव्य वृद्धि और अवसर पर एक शोध निबंध जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स एंड कर्मस में प्रकाशित हुआ है, एक समान लेखक द्वारा समीक्षित पत्रिका, खंड-७, संख्या-०१, जनवरी-जून २०१६, आईएसएसएन-०९७६-९५२८. ।
- नीलेश पांडे, पीएचडी छात्र का महिलाओं की स्वास्थ्य में भूमंडलीकरण की भूमिका : एक मुख्य मुद्दा पर शोध निबंध सोसल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनॉरी एंड आलाइड स्टडजीज में प्रकाशित हुआ है, खंड-३, संख्या-२ (२०१६), आईएसएसएन २३९४-३३६. ।
- मुहम्मद अमिर पाशा, एक पीएचडी छात्र ने दिनांक ९-१९ दिसम्बर, २०१५ को संस्कृति, मीडिया और गर्वनेंस केंद्र (सीसीएमजी), जामिआ मिलिआ इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संचार अध्ययन तथा सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान विधि कार्यक्रम पर दस दिवसीय आईसीएसएसआर में भाग लिया था ।

- मुहम्मद अमिर पाशा, एक पीएचडी छात्र का एक शोध निबंध जन नाट्य मंच का इतिहास : लोगों की भूमिका (जन नाट्य मंच इतिहास पुस्तक की समीक्षा : लोगों की भूमिका, अर्जुन घोष द्वारा लिखित, सेज पब्लिकेशन भारत ) जनकृति (विमर्श केंद्रित अंतरराष्ट्रीय ई पत्रिका), आईएसएसएन २४५४-२७२५, १, ११।
- मुहम्मद अमिर पाशा, एक पीएचडी छात्र का एक शोध निबंध सोसिएल मीडिया और विज्ञान पर प्रकाशित हुआ है, मीडिया पथ-आईएसएसएन - २४५४-२७२५, खंड ३, पृष्ठ संख्या- ४-७।
- मानस कुमार कांजीलाल, एमफील छात्र ने दिनांक १९-२० अक्टूबर २०१५ को काउंसिल ऑफ सोसल एक्सन(पदर्र), ब्रह्मपुर द्वारा आयोजित मौसम परिवर्तन, कृषि और खाद्य सुरक्षा : मुद्दे तथा चुनौतियाँ पर राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में आईसीटी का अनुप्रयोग : नवरंगपुर जिलके राइघर ब्लॉक का एक अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- अनिरुद्ध जेना, एम फील छात्र ने दिनांक ३० मार्च ४ अप्रैल २०१६ को शिक्षा विभाग, गुरु घासिदास विश्वविद्यालय, विलासपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित अनुसंधान विधि (अनुसंधान अभिकल्पना तथा एकाडेमिक लेखन) पर दस दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया।
- अनिरुद्ध जेना, एम फील छात्र ने दिनांक ८ मार्च २०१६ को मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रिंट मीडिया में कोरापुट जिले की महिला पोटरायल पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।

### संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### डॉ. प्रदोष कुमार रथ

- कुशाभाई ठाकरे पत्रकारिता तथा जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, जन संचार विभाग में, बीओएस का सदस्य नियुक्त।
- मई २०१५ के दौरान पी जी डिप्लोमा इन जे एम सी (दूर शिक्षा), संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर में परिदर्शन संकाय।
- दिनांक ३१ मार्च -१ अप्रैल २०१५ को रामानुज कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित साहित्य तथा सीनेमा में समाज और संस्कृति का प्रतिबिंब पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंदी सिनेमा एवं साहित्य शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिनांक १९-२० अक्टूबर २०१५ को काउंसिल ऑफ सोसल एक्सन(पदर्र), ब्रह्मपुर द्वारा आयोजित मौसम परिवर्तन, कृषि और खाद्य सुरक्षा : मुद्दे तथा चुनौतियाँ पर राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में आईसीटी का अनुप्रयोग : नवरंगपुर जिलके राइघर ब्लॉक का एक अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया (सह लेखक-एम. कांजीलाल)।
- दिनांक १७-१८ दिसम्बर, २०१५ को सरकारी डिग्री कॉलेज, जैथारी, अनुपुर जिला, मध्य प्रदेशद्वारा आयोजित हिंदी पत्रकारिता तथा अपेक्षाएं तथा चुनौतियाँ पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ओडिशा में हिंदी पत्रकारिता शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिनांक १४-१५ मार्च को उई केयार फिल्म फेस्टिवल एंव डॉ. भिमराव अंवेदकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सिनेमा एवं दिव्यांगों के विभिन्न आयामों पर संगोष्ठी में भारतीय सिनेमा में अशक्तता पर सामाजिक मुद्दे : अंतरराष्ट्रीय सीनेमा उत्सव में अशक्तता मुद्दे पर परिवर्तन प्रवृत्तियाँ पर एक पेपर पेश किया।

#### सौरभ गुप्ता

- अगस्त २०१५ को सेल्ट लेक परिसर में रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संसाधन व्यक्ति सप्ताह में जन संचार एवं फाइन आर्ट्स पर अनुसंधान विधि : एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक अंतःविषयक दृष्टिकोण पर एक आमंत्रित वार्ता प्रदान किया।
- अक्टूबर २०१५ में एसइआरए, इग्नू और इनक्वेस्ट जर्नल, खडगपुर, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित यूजीसी द्वारा प्रायोजित मीडिया दलित का प्रतिनिधित्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय मीडिया में दलितों का पोर्टेयल - एक अध्ययन पर आमंत्रित वार्ता प्रदान किया।
- दिसम्बर २०१५ के दौरान जनसंचार विभाग तथा पत्रकारिता विभाग, विजयग्रह ज्योतिष रॉय कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित यूजीसी द्वारा प्रायोजित मीडिया नियम तथा आचारपर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित वार्ता प्रदान किया।

#### प्रकाशन

- शोध निबंध : संगीत, संकेत तके नृत्य : रविन्द्र नाट्य यात्रा बिखान, दुर्देइबा, दसरा अंक, पृ. १४-१८, आईएसएसएन २३९४-९०९० जुलाई २०१५।
- शोध निबंध : स्वास्थ्य ओ ज्ञापन : संभावना ओ प्रतिकूलता, योजना बेंगली, प्रकाशन विभाग, सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पृ. ३२-३६; आईएसएसएन ०९७१-८४३५); फरवरी २०१६।
- शोध निबंध - ज्ञापन ततवेर आलोक थीएटर- एकती पथ"; पर्व;खंड २ अंक १; पृ. २९-३२; आईएसएसएन २३९५-५९७; फरवरी २०१६।
- पुस्तक में अनुच्छेद : मीडिया विधि तथा आचार के शिक्षण में वैज्ञानिकी दृष्टिकोण के प्रति : एक नया अवलोकन, मीडिया शिक्षण ; प्रकाशन : रूपाली प्रकाशन, पृ. २९२-२९८; आईएसबीएन ९७८-९३-८१६६९-८४-६; अक्टूबर २०१५।
- पुस्तक में अनुच्छेद : नाटकों से फिल्मों के ग्रहण में स्क्रीन राइटिंग का विश्लेषण करना- बंगाली सीनेमा में एक अध्ययन, स्क्रीन लेखन की संरचना और दिशाएँ :ओडिएल का एक पहल; प्रकाशक : मानविकी विद्यापीठ, नेताजी सुबाश मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता, पृ. ४८-५९; आईएसबीएन ९७८-९३-८२११२-१८-१; २०१६।

#### सोनी पारही

- दिनांक २३-२४ अगस्त २०१५ को मानव विज्ञान विभाग, बीजेबी महाविद्यालय में आयोजित समसामयिक शहरी भारत में लिंग विषमता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में जनजाति महिलाओं की आवाज-कोरापुट जिले में सामुदायिक रेडियो स्टेशन एक अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिनांक २६-२७ मार्च २०१६ को महिला अध्ययन विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित लिंग तथा लोक संस्कृति पर आयोजित सम्मेलन में पुराने सबसे बेहतर है : भूमंडलिकरण के समय में लोक मीडिया की प्रासंगिकता पर एक पेपर प्रस्तुत किया है।



### प्रकाशन

- पुस्तक में अनुच्छेद : जनजाति महिलाओं की आवाज-कोरापुट जिले में सामुदायिक रेडियो स्टेशन एक अध्ययन, सोसाइटी और कल्चर (इतीश्री पाठी द्वारा संपादित), नई दिल्ली, मंगलम पब्लिशर्स, २०१६; पृ. सं. ३३-४०. (आईएसबीएन ९७८-९३-८२९८३-८९-७) ।
- पुस्तक का अनुच्छेद : कृषि कार्यक्रम और टीवी : मानव और मशीन : एग्रिकल्चर इनोवेशनस एंड मास मिडिया एप्रोच (संपादित जी . अनिता) नई दिल्ली, कनिष्का पब्लिशर्स, २०१४; पृ. सं. १८४-१९७; आईएसबीएन ९७८-८१-८४५७-६१६-०. ।

### शिक्षक शिक्षा विभाग

अध्यापक शिक्षा केंद्र वर्ष २०१३ में शुरू हुआ है। इस केंद्र का लक्ष्य है आवश्यक कौशल तथा योग्यतायें प्रदान करके और अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के अद्यतन तत्वों को देकर हमारे देश के लिए दूरदर्शी अध्यापक तैयार करना। जैसा कि यह केंद्र दूरदर्शी अध्यापकों को तैयार करता है, इसलिए केंद्र मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, समाज विज्ञान केंद्र, विज्ञान तथा गणित विज्ञान संसाधन केंद्र से सुसज्जित है।

### दिव्यदृष्टि

- अनुसंधान उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण आयामों में से एक है। इस विभाग का लक्ष्य है भविष्य में शिक्षा में मास्टर डिग्री, एमफील और पीएच.डी. कार्यक्रम को प्रारंभ करना है। अनुसंधान कार्यक्रम शिक्षण एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा।
- सूचना तथा संचार तकनीकी संसाधन केंद्र, पाठ्यक्रम संसाधन केंद्र, विज्ञान संसाधन केंद्र, कला तथा शिल्प संसाधन केंद्र, शारीरिक शिक्षा संसाधन केंद्र, मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, कंप्यूटर प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय और विभागीय प्लेसमेंट कक्ष की स्थापना करना है।
- शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में वार्षिक सम्मेलन/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन किया।
- व्यक्तिगत रूप से या संयुक्त रूप से अनुसंधान करने के लिए देश अथवा विदेश में अन्य विभागों के संस्थानों के समझौता करना।
- पूरे शैक्षणिक सत्र में शिक्षक शिक्षा में प्रतिष्ठित प्रोफेसर्स को आमंत्रित करना।
- प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के छात्रों को दोनों शिक्षण अभ्यास और प्लेसमेंट के लिए आस पास के विद्यालयों से समझौता ज्ञान हस्ताक्षरित करना।

१ अधिष्ठाता तथा मुख्य का नाम

श्री रमेश कुमार पाटी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी

२ संपर्क के लिए विवरण

अध्यापक, शिक्षा केंद्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा

सुनाबेड़ा, कोरापुट-७६४०२३, ओडिशा, ई-मेल : ramendraparhi@gmail.com

३. शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यता

१. श्री रमेश कुमार पाटी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, एम.ए., एम.एड., एम.फील, पीजीडीजीसी (एनसीआरटी), यूजीसी-नेट

२. डॉ. आर. पूर्णिमा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.एड., पीएच.डी., यूजीसी-नेट (जून, २०१६ के दौरान विश्वविद्यालय छोड़ दिया है)

३. श्री संतोष जेना, एम.ए. एम.एड., यूजीसी-नेट, ठेके पर शिक्षक

४. डॉ. आर.एस.एस. नेहरू, एम.एससी., एम.एड., पीएच.डी., ठेके पर शिक्षक

५. श्री के. वी. नरसिंह राव, एम.ए. (अंग्रेजी), एम.इडी, व्याख्याता, ठेके पर

६. श्री अक्षय कुमार भोई, एमए. एमफील, यूजीसी-नेट, व्याख्याता, ठेके पर

७. डॉ. शिशिर कुमार बेज, एम.ए., एम. इडी, पीएचडी., व्याख्याता, ठेके पर

८. श्री पी. विलियम बनर्जी, एम एससी, एमइडी, एमफील, व्याख्याता, ठेके पर

९. सुश्री बी सोरेन, एम ए, स्थापत्य (दृश्य कला), व्याख्याता, ठेके पर

४ विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

शिक्षा में स्नातक (बी.एड) (दो वर्षीय)

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- एनसीईटी मार्गदर्शिका के अनुसार दो वर्षीय बीएड. पाठ्यक्रम को संशोधित करने, परिवर्तन करने और विकसित करने के लिए ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में ९ जुलाई २०१५ को शिक्षक शिक्षा विभाग के बीएड. कार्यक्रम के अध्ययन बोर्ड की बैठक हुई।
- कोरापुट जिले में अवस्थित के अलग अलग शिक्षाशास्त्र और शिक्षण केंद्रों में शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षण शिक्षार्थियों के आरंभिक स्कूल अनुभव कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- विभाग द्वारा स्वच्छ भारत अभियान आयोजित किया गया और विश्वविद्यालय के आसपास के पाँच गांवों को दत्तक के रूप में स्वीकार किया गया, वे गांव हैं चिकापार, राजपालाम। इस कार्यक्रम के दौरान, इस विभाग के छात्रों ने स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता पर कई गतिविधियों को प्रदर्शन किया। इस विभाग के छात्रों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर रैली नुक्कड़ नाटक और अन्य गतिविधियों का आयोजित किया।
- यह विभाग विश्वविद्यालय द्वारा चकरिलपुट, नुआगुडा और राजपालाम अपनाये गये गांवों में १६, २१, तथा २२ जनवरी २०१६ को शिक्षा पर स्वास्थ्य तथा स्वच्छता और स्लोगान लेखन के संबंध में कला तथा शिल्प, स्वच्छता जागरूकता संबंधित गतिविधियों को आयोजित किया।
- दिनांक २ फरवरी २०१६ को सुनाबेड़ा परिसर में विभाग द्वारा एक शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति द्वारा उद्घाटन हुआ था।



- विभाग ने सीयूओ के मुख्य परिसर में डिजिटॉल भारत : शिक्षाशास्त्र की तकनीकी का एकीकरण शीर्षक पर एक व्याख्यान का आयोजन किया था, प्रो. सचिदानंद मोहंति, कुलपति ने इस कार्यक्रम का उदघाटन किया था। इस संगोष्ठी में प्रो. धनेश्वर हरिचंदन, आईडीओएल, शिक्षा विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय ने व्याख्यान प्रदान किया था।

### संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### डॉ. रमेश कुमार पारही

- दिनांक ६ जून २०१५ से १२ जून २०१५ के दौरान राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आवासिक कार्यक्रम में प्रेरित शिक्षकों में भाग लिया और वर्ष २०१५ के लिए मान्यवर राष्ट्रपति के प्रेरित शिक्षक के रूप में चयन हुए।
- दिनांक ८.८.२०१५ से ११.८.२०१५ तक आरइआईई, भुवनेश्वर, एनसीआरटी द्वारा संचालित केबीके जिलाओं के जनजाति छात्रों की पढ़ाई पर अनुसंधान अध्ययन के लिए आंकड़े संग्रहण कार्यशाला को अंतिम रूप देने तथा उपकरण के विकास के लिए कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- इन्सू क्षेत्रीय केंद्र, कोरापुट में दिनांक २४ सितम्बर, २०१५ को आयोजित ओडिएल क्षेत्र में नयी शिक्षा नीति के गठन के लिए संदेह दूर सत्र में भाग लिया।

#### प्रकाशन

- शोध निबंध : किशोरों के लिए अध्ययन अभ्यास सामान के निर्माण, जर्नल ऑफ कंटेम्पोररी एजुकेशनॉल रिसर्च एंड इनोवेशन्स, खंड-५, २०१५ (आईएसएसएन २२४९-९६३६(ऑनलाइन) और आईएसएसएन २२५०-०६१८ (प्रिंट)।

#### डॉ. आर. एस. एस. नेहरू

#### प्रकाशन

- पुस्तक में अनुच्छेद : ओडिशा के कोरापुट जिले के जनजातियों के पौधे उत्पाद स्थायी विकास का अभ्यास और पौधों में मूल्य संबंधन में उभरती प्रवृत्तियाँ। संपादित पुस्तकें : आईएसबीएन ९७८-९३-८२१२६-२६-९७-३.पीपी अगस्त (२०१५)।
- शोध निबंध : भारत तथा विएतनाम में तुलनात्मक चयन आधारित क्रेडिट सिस्टम शीर्षक पिर : शिक्षा तथा शिक्षक शिक्षा की बेहतर अभ्यास तथा सीमाएं। इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ एकाडेमिक रिसर्च, बुद्धिजीवियों की आवाज- प्रिंट प्रभाव कारक : ३.०७५(आईजेएआर-खंड-३, अंक (२)१, फरवरी, २०१६. आईएसएसएन: २३४८-७६६६, पृ. २६-३४.।
- शोध निबंध : कर्पोरेट सोशिएल रेसपनसबिलिटी (सीएसआर) तथा सतत विकास के लिए शिक्षा। इंटरनेशनॉल रिसर्च जर्नल इंजीनियरिंग, आईटी एंड साइंटिफिक रिसर्च, ऑनलाइन प्रभाव कारक : ३.६०५ (आईआरजेआईएसआर-खंड-६, अंक-३), इंडोनेशिया जर्नल . आईएसएसएन : २४५४-२२६१, पृ.: ११२-१२५, मार्च-२०१६.।

#### श्री संतोष जेना

- शोध निबंध : ओडिशा के कोरापुट जिले के जयपुर ब्लॉक में सर्व शिक्षा अभियान के प्रभाव मूल्यांकन, इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोसेस एंड सोशियल साइसेंस (आईएसएसएन - २३४९४०८५) जून, २०१५.।
- सरकारी महिला महाविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में कक्षा में सहयोग की शिक्षा : एक परिदृश्य पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

## मौलिक विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ

### गणित विभाग

केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा के मौलिक एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत गणित विभाग ने शैक्षिक वर्ष २०११-१२ से पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर विज्ञान पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है।

#### विजन

- गणित में निमन्त्रित विशिष्ट प्राध्यापकों का प्रवेश।
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, अनुरूप संगणन प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- गणित एवं सांख्यिकी में एमफिल/पीएचडी/स्नातकोत्तर(विज्ञान) जैसे नए पाठ्यक्रमों को लागू करना।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना।
- निम्न सूचित को शुरू करना: चूँकि २१ वीं सदी गणितीय विज्ञान का युग बनने जा रहा है ऐसे में शोध कार्य के संदर्भ में जीनोमिक्स, जीव विज्ञान एवं पारिस्थितिकी जैसे विविध क्षेत्रों में गणित/ सांख्यिकी का प्रयोग।

१ प्रभारी प्रमुख का नाम

श्री ज्योतिष्क दत्त, सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी प्रमुख

२ संपर्क विवरण

गणित विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा  
सुनाबेड़ा, कोरापुट-७६४०२३, ओडिशा, ई-मेल:jyotiska.datta@gmail.com

३. शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता

१. ज्योतिष्क दत्त, एम.एससी, एमफिल, सहायक प्राध्यापक
२. श्री रमेश चंद्र मैती, एमसीए, यूजीसी-नेट, व्याख्याता, ठेके पर
३. बासुआ देवानंद, एम.एससी. (गणित विज्ञान), व्याख्याता, ठेके पर



४. डॉ. सुभेदुमोहन श्रीचंदन, एम.एस.सी., पी.एच.डी., अतिथि व्याख्याता
५. सुश्री कृष्णा मलिक, एकीकृत एम.एससी. (गणित विज्ञान), व्याख्याता ठेके पर
६. सुश्री सुभशिमता दास, एम.एससी, एम.फिल, व्याख्याता, ठेके पर
७. श्री सत्यव्रत साहु, एम.एससी(गणित विज्ञान), व्याख्याता, ठेके पर गणित में एम.एससी.(पाँच वर्षीय एकीकृत)
४. विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:

### कंप्यूटर विज्ञान विभाग

आरंभ में गणित विज्ञान विभाग के तहत कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए) कार्यक्रम आरंभ किया गया था। प्रो. सचिदानंद मोहाति कुलपति के रूप में नियुक्ति के बाद, नवगठित कंप्यूटर विज्ञान विभाग के तहत बीसीए कार्यक्रम जारी किया जा रहा है। हाल ही में यह विभाग दूसरे बैच के छात्रों के साथ काम कर रहा है।

### विजन

विभाग का निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- पूरे शैक्षणिक वर्ष के लिए कंप्यूटर विज्ञान में प्रसिद्ध प्रोफेसरों को आमंत्रित करना है ;
- विभागीय प्लेसमेंट सेल, कंप्यूटर प्रयोगशाला, पैरालाल कंप्यूटिंग प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि स्थापित करना है ;
- कंप्यूटर विज्ञान में नये कार्यक्रम जैसे कि एमसीए/एमटेक/पीएचडी आदि कार्यक्रमों को आरंभ करना है और
- वार्षिक संगोष्ठियाँ, कार्यशाला और सम्मेलन आयोजन करना है।

### विभाग

- १ मुख्य का नाम श्री शुसांत कुमार, अतिथि व्याख्याता तथा विभागीय मुख्य प्रभारी
- २ संपर्क विवरण कंप्यूटर विज्ञान विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा  
सुनाबेड़ा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशा, ई-मेल: kumar333sushant@gmail.com
३. शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता १. श्री सुशांत कुमार, एम.एससी.(सीएस), एम.टेक.(सीएसइ), गेट, यूजीसी-नेट, अतिथि व्याख्याता तथा विभागीय मुख्य प्रभारी  
२. श्री पतितपाबन रथ, एमसीए, एमटेक (सीएसई) एमटेक (सीएसइ) अतिथि व्याख्याता बीसीए (तीन वर्ष)
४. विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक २१-१३ नवम्बर २०१५ को बीसीए कार्यक्रम का अध्ययन बोर्ड की दो दिवसीय बैठकें आयोजित की गयीं।
- ग्रीष्मऋतु २०१५ के दौरान विभिन्न संस्थानों में बीसीए के तीसरे सेमेस्टर के छात्रों को प्रशिक्षण दिलाया गया।

### संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### श्री पतित पाबन रथ

- दिनांक २-४ नवम्बर २०१५ को आईइइइ द्वारा आयोजित कंप्यूटर ग्राफिक्स, विजन एंड छवि पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन सचिव है।
- आदम विश्वविद्यालय, कोलकाता का संकाय चयन समिति का सदस्य है।
- केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर का क्वालिटी एश्युरेंस टीम का सक्रिय सदस्य है।

## जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ

### जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

कोरापुट स्थित ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग अध्ययन एवं समझने के लिए देश के भीतर तथा बाहर लाखों छात्रों के लिए प्रवेश द्वार खोल दिया है और जैव विविधता के गूढ़ रहस्य को समझने के लिए एवं समाज की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आउटपुट प्रदान करती है। ओड़िशा एक समृद्ध एवं यहाँ जैवविविधता के साथ विभिन्न अनुसंधान के लिए अपार क्षमता है। इस पृष्ठभूमि के साथ विभाग निम्नलिखित लक्ष्य रखता है :

- कोरापुट एवं राज्य के निकटस्थ जिलों के जैव विविधता का अध्ययन करना,
- जैव विविधता क्षेत्र का मैपिंग करना एवं खतरे एवं स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण के लिए उपाय सुझाना ,
- कोरापुट के आस-पास इलाके वनों की कार्बन जब्ती क्षमता की निगरानी करना,
- इस क्षेत्र की मौजूदा वनस्पतियों और जीव से कैरोटीन जैसे जैवसक्रिय पदार्थ निकालना और आजीविका उन्नयन कार्यक्रमों के साथ जोड़ना
- इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए तटीय समुदायों के लिए मछली खाद्य को विकसित करना,
- जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट प्रजातियों के वृक्षारोपण कार्यक्रम आरंभ करना।

यह विभाग जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में मास्टर डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम विकास सलाहकार समिति ने मास्टर कार्यक्रम के लिए एक अभिनव और रचनात्मक आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम संरचना निकाला है। शैक्षणिक सत्र २०१४-१५ से विभाग में अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फील तथा पीएच.डी.) का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

**विभाग**

१	विभागीय मुख्य तथा अधिष्ठाता का नाम	<b>डॉ. शरत कुमार पालित</b> , एसोसिएट प्रोफेसर तथा मुख्य, डीबीसीएनआर एवं अधिष्ठाता बीसीएनआर विद्यापीठ
२	संपर्क विवरण	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विकास, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा लांडिगुडा, कोरापुट-७६४०२१, ओडिशा, ई-मेल: <a href="mailto:skpalita@gmail.com">skpalita@gmail.com</a>
३.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	१. डॉ. शरत कुमार पालित, एम.एससी., पीएच.डी., विभागीय मुख्य २. डॉ. काकोली बनर्जी, एम.एससी., पीएच. डी., सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. देवब्रत पंडा, एम.एससी., एम.फील, पीएच.डी., यूजीसी-नेट, सहायक प्रोफेसर
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी. ( दो वर्ष ), एम.फील (एक वर्ष) और बीसीएनआर में पीएच.डी.

**विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ**

- इस अवधि के दौरान बीसीएनआर में दस छात्रों को एमफील डिग्री मिली ।
- श्वेताश्री पुरोहित, पीएच.डी. छात्रा ने जैवविविधता में यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण हुई ।
- सत्र २०१४-१५ में २२ छात्रों ने मास्टर डिग्री पूरी की . सुश्री अर्चना स्नेहासिनी तुरूक ने अब्बल पर रही और स्वर्ण पदक जीती ।
- प्रो. मलय कुमार मिश्रा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, पी.जी. वनस्पति विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, ब्रह्मपुर, ओडिशा ने दिनांक १३ जुलाई २०१५ को विभाग में शैक्षणिक सलाहकार के रूप में योगदान दिया ।
- डॉ. मुकुंद देब बेहेरा, एसोसिएट प्रोफेसर, समुद्र, नदी, पर्यावरण और जमीन विज्ञान, आईआईटी, खडगपुर, और डॉ. (श्रीमती) गीतांजलि मिश्रा, रीडर, प्राणिविज्ञान पी.जी. विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, ने विभाग का परिदर्शन किया और एक वार्ता प्रदान किया ।
- डॉ. एच.के. पात्र, एमेरिटस प्रोफेसर (सीएसआईआर), वनस्पति विज्ञान पी.जी. विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने अनुसंधान कार्यक्रम के लिए साक्षात्कार में भाग लिया ।
- प्रो. जी.बी.एन. चैनी, भूतपूर्व प्रोफेसर , प्राणिविज्ञान पी.जी. विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और प्रो. निरंजन बेहेरा, एमेरिटस प्रोफेसर, जीव विज्ञान विद्यापी। संबलपुर विश्वविद्यालय, ने क्रमानुसार दिनांक १३-१४ जुलाई २०१५ को आयोजित डॉक्टरॉल स्कलार रिसर्च समिति (डीआरएस) और विभाग के बोर्ड ऑफ स्टडीज में सदस्यों के रूप में भाग लिया था ।
- प्रो. उत्कल कुमार दे, भूतपूर्व प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, प्रो. चरण सूर्यकांत मिश्रा, प्राणिविज्ञान विभाग, मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय, औयूएटी, भुवनेश्वर और प्रो. शांतिलला मिश्रा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने दिनांक २३ से २८ सितम्बर २०१५ को प्रथम वर्ष एम.फील. छात्रों के साक्षात्कार के संबंध में विभाग का परिदर्शन किया था ।
- प्रो. उत्कल कुमार दे ने दिनांक २३ से २८ सितम्बर २०१५ के दौरान मौसम परिवर्तन पर एक वार्ता प्रदान किया, प्रो. सी.एस.के. मिश्रा और प्रो. एस.मिश्रा ने क्रमानुसार दिनांक २८ सितम्बर २०१५ को पर्यावरण सफाई में केंचुआओं की भूमिका और परिसर विविधता पर वार्ता प्रदान किया ।
- प्रो. शैलबाला पाठी, निदेशक, पर्यावरण अध्ययन, ओडिशा सरकार ने दिनांक १० फरवरी २०१६ को जैवविविधता और संरक्षण पर एक वार्ता रखा और विभाग का परिदर्शन किया ।
- जैवविविधता सर्वेक्षण के लिए एम.एससी. छात्रों के लिए एक क्षेत्र भ्रमण का आयोजन दिनांक १३ फरवरी २०१६ को कॉफी बोर्ड, भारत सरकार, कोरापुट और जयपुर वन विभाजन के तहत गुप्तेश्वर वन में किया गया था ।
- श्री सुब्रत देवता, रिसर्च स्कलॉर ने दिनांक २२ मई २०१५ को भुवनेश्वर में ओडिशा जैवविविधता बोर्ड द्वारा आयोजित ओडिशा में सतत विकास के लिए जैवविविधता के संरक्षण पर सम्मेलन में चमगादड : ओडिशा में जैवविविधता का भूला हुआ हिस्सा पर एक वार्ता प्रदान किया ।
- श्री सुब्रत देवता दिनांक ८-११ सितम्बर २०१५ को भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर द्वारा आयोजित संरक्षण विज्ञान में छात्रों का सम्मेलन में ईश्वर की जगह में चमगादड, गुप्तेश्वर के पवित्र गुंफों में , दक्षिण ओडिशा और पूर्वी घाटियों में चमगादड शीर्षक पर एक वार्ता प्रदान किया । निर्णायकों द्वारा सुब्रत देवता को बेहतर फिल्ड फोटोग्राफी पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।
- श्री सुब्रत देवता ने दिनांक २०-२१ नवम्बर, २०१५ को उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय, बारिपदा द्वारा आयोजित यूजीसी-एसएसपी द्वारा प्रायोजित सरीसृप के विशेष संदर्भ में जैवविविधता संरक्षण की चुनौतियाँ और व्यवहार पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ओडिशा में काइरोटेरान अनुसंधान पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- श्री सुब्रत देवता ने दिनांक १७-२० जनवरी २०१६ को आमिती विश्वविद्यालय, नाएडा द्वारा आयोजित यंग इकोलोजिस्ट्स टक एंड इंटरआक्ट (वाईईटीआई) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ओडिशा में पूर्वी घाट के साथ चमगादड की विविधता और वितरण : एक जैव भौगोलिक दृष्टिकोण पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया ।
- श्री सुब्रत देवता ने दिनांक १८-१९ मार्च २०१६ को उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय, बारिपदा द्वारा आयोजित जैवविविधता मूल्यांकन और वन्यजीव प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ओडिशा में चमगादड की स्थिति और संरक्षण : एक समीक्षा पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- श्री सुब्रत देवता ने दिनांक १७-१८ अप्रैल २०१६ को उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्वी घाट के संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ओडिशा में पूर्वी घाट के चमगादड पशुवर्ग : विविधता, भय और संरक्षण पर एक पेपर प्रस्तुत किया । श्री देवता को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था ।
- सुश्री श्वेताश्री पुरोहित ने दिनांक ८ तथा ११ सितम्बर २०१५ को भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर, भारत में आयोजित संरक्षण विज्ञान पर छात्र सम्मेलन, बेंगलूर में भाग लिया था ।

- सुश्री श्वेताश्री पुरोहित ने २७ सितम्बर २०१५ और ११ अक्टूबर २०१५ को उत्तर-पूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय, शिलांग, प्राणिविज्ञान विभाग में आयोजित पक्षी प्राणिविज्ञान में तीसरे एसइआरबी स्कूल में भाग ली ।
- सुश्री श्वेताश्री पुरोहित ने वन्यजीव तथा रिमोट सेंसिंग, उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय, बारिपदा द्वारा आयोजित दिनांक १८-१९ मार्च २०१५ को जैवविविधता मूल्यांकन तथा वन्यजीव प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में कोरापुट का एवीफौना : एक परिदृश्य पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- श्री राकेश पाउल, पीएच.डी. छात्र और खितिश चंद्र महारणा , एम.फील छात्र ने २८-२९ नवम्बर २०१५ को बीआरसीएम इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी, बहाल, भिवानी, हरियाणा द्वारा आयोजित सिविल तथा पर्यावरण यांत्रिकी में हाल ही की प्रगति पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । श्री राकेश पाउल को मृतिका संसाधन मानचित्रण और जीआईएस तकनीका का उपयोग करते हुए ओडिशा के कोरापुट जिले के दो ब्लॉकों में मिट्टी के पुष्टिकर तत्व पर छात्र के वर्ग में बेहत पोस्टर पुरस्कार मिला ।
- श्री गोपाल राज खेंमुंडु, श्री राकेश पाउल और श्री गोबिंद बल, पीएच. डी. छात्रों ने दिनांक १५-१८ मार्च २०१५ को टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय, यूएसए के सहयोग से एआईएसइसीटी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित जल, पर्यावरण, ऊर्जा और समाज (आईसीडब्ल्यूइएस) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### डॉ. एस.के. पालित

- दिनांक १५ नवम्बर, २०१५ को एक सदस्य के रूप में भुवनेश्वर में सीयूओ के शैक्षणिक परिषद की बैठक में भाग लिया ।
- दिनांक १० फरवरी २०१६ को जीव विज्ञान विद्यापीठ, संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहार, वुर्ला में साक्षात्कार के लिए बाह्य सदस्य के रूप में भाग लिया और जीव विज्ञान विद्यापीठ के तीन एमफील शोधनिबंध के मूल्यांकन के लिए नियुक्त हुआ ।
- दिनांक १६ अप्रैल २०१५ को गांधीनगर, गुजरात में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कौशल आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए चएस बेस क्रेडिट सिस्टम पर अभिमुखिकीकरण कार्यशाला में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया ।
- ओडिशा विविधता बोर्ड द्वारा दिनांक २२ मई २०१५ को होटल न्यू मॉरियन, भुवनेश्वर में आयोजित ओडिशा में जैवविविधता संरक्षण और स्थायी विकास पर सम्मेलन में देउमाली पहाड़, पूर्वी घाटी, ओडिशा, भारत की निम्न केशुरुकी और अकेशुरुकी का प्राथमिक मूल्यांकन शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- दिनांक १८-१९ मार्च, २०१६ को वन्यजीव और सुदूर संवेदन विद्यापीठ, उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय, बारिपदा द्वारा आयोजित जैवविविधता मूल्यांकन पर सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में ओडिशा में मडस्कपर विविधता एक परिदृश्य शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक हैं जैसे कि जर्नल ऑफ थ्रेटेड टाक्सा (जेओटीटी), भारत, जर्नल ऑफ मेराइन बायोलॉजिकल एसोसिएशन (जेएमबीए), यूके, जर्नल ऑफ फरेस्ट्री रिसर्च, स्पिंगर (चाइना), जर्नल ऑफ बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड रिपोर्ट्स (डोव मेडिकल प्रेस जर्नल) आदि ।
- दिनांक २२ अप्रैल २०१५ को मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएनयूयू), हैदराबाद की २१वीं कार्यकारिणी परिषद में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) के सदस्य के रूप में भाग लिया ।
- ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की १४वीं वित्त समिति की दिनांक ३० जून २०१५ को सीयूओ के अस्थायी कार्यालय, भुवनेश्वर में एक सदस्य के रूप में भाग लिया ।
- विश्वविद्यालय के अस्थायी परिसर, भुवनेश्वर में दिनांक ३० जून २०१५ को आयोजित विश्वविद्यालय की २२वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया ।
- विश्वविद्यालय के अस्थायी परिसर, भुवनेश्वर में दिनांक १७ नवम्बर २०१५ को आयोजित विश्वविद्यालय की २३वीं कार्यकारी परिषद की बैठक और १४वीं वित्त समिति में एक सदस्य के रूप में भाग लिया ।
- ओडिशा जैवविविधता बोर्ड, भुवनेश्वर की वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना जैवविविधता संरक्षण और स्थायी विकास पर सम्मेलन में देउमाली पहाड़, पूर्वी घाटी, ओडिशा, भारत की निम्न केशुरुकी और अकेशुरुकी के जीव विविधता के आकलन का प्रधान अन्वेषक हैं ।
- बीसीएनआर में एमफील डिग्री के पाँच छात्रों का मार्गदर्शन किया ।

#### प्रकाशन

- शोध निबंध- पूर्वी भारत ओडिशा में कांठोर के लिफ नोजड बैट *Hipposideros galeritus* कांठर १८४६ (Mammalia: Chiroptera: Hipposideridae) । जर्नल ऑफ थ्रेटेड टाक्सा (2015), 7(8): 7477-7479; <http://dx.doi.org/10.11609/JoTT.04247.7477-9>. आईएसएसएन ०९७४-७८९३ (प्रिंट) आईएसएसएन ०९७४-७९०७ (ऑनलाइन) (सहलेखकगण : एस. देवता, एच.एस. पलेई और पी पी महापात्र) ।
- शोध निबंध- धान के बीज अंकुरण और अंकुरण विगार पर औद्योगिक कचरे का प्रभाव (*Oryza sativa L*) और कृषि में इसके स्थायी प्रयोग : एनवारोनेमेंट और इकोलॉजी, २०१६, ३४(१): १५५-१५९.आईएसएसएन ०९७०-०४२०. NASS: (सह -लेखकगण - एस बाग और डी पंडा) ।
- ओडिशा, कोरापुट के अलग अलग निवासियों के साथ ओडोनेट विविधता पर एक शोध निबंध । जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जुलॉजी स्टडीज (२०१६), ४(३): ४०-४७. ई-आईएसएसएन: २३२०-७०७८; पी-आईएसएसएन: २३४९-६८००. (सह -लेखकगण - एस जेना और एस. देवता) ।

#### डॉ. काकोली बनर्जी

- वर्ष २०१५ के दौरान चार अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं की समीक्षा की, जिसमें शामिल है *वेटलेड इकोलोजी मैनेजमेंट*, *एसटीएम जर्नल*, *एग्रिकलचर एंड फरेस्ट मेट्रोलोजी एंड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रिकलचर एंड सएल साइंस* ।
- वर्ष २०१५ में पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य जैसे कि जर्नल ऑफ साइंस, टेक्नोलोजी एंड डेवलपमेंट एंड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आक्वाकल्चर एंड फिसेरी साइंस ।

- इंटर जर्नल ऑफ बायोडाइवरसिटी साइंस के विशेष अंक के अतिथि संपादक और वर्ष २०१६ में इकोसीस्टम सर्विसेस एंड मैनेजमेंट में अतिथि संपादक।
- सांठिआगो डे कंपोस्टेला विश्वविद्यालय, स्पेन द्वार वित्त पोषित यूफ्रेटस परियोजना के सीयूओ समन्वयक (२०१३-२०१७)।
- प्राकृतिक संसाधन डाटा प्रबंधन प्रणाली द्वारा प्रायोजित, विज्ञान तथा तकनीकी विभाग, विज्ञान तथा तकनीकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजितक और भू-सूचना विज्ञान और भवन तकनीकी अनुसंधान केंद्र, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, चितकारा विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश द्वारा २१ जुलाई से १० अगस्त २०१५ के दौरान आयोजित कार्यक्रम को पूरा किया।
- डॉ.काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, बीसीएनआर विभाग ने फरवरी २०१६ में एक महीने के लिए सांठिआगो डे कंपोस्टेला, स्पेन विश्वविद्यालय में अनुसंधान तथा शिक्षण के लिए शिक्षण कर्मचारी वर्ग में छत्रवृत्ति (२५०० यूरा) प्राप्त किया है महीने में।
- अनुसंधान परियोजना -इसरो-एनसीपी-वीसीपी-चरण-२-कार्बन परियोजना एनआरएससी, हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित परियोजना का प्रधान अन्वेषक है, धनराशि रु. १४.५९ लाख (२०१५-२०१८)।
- बीसीएनआर में एमफील डिग्री के तीन छात्रों का मार्गदर्शन किया।

#### प्रकाशन

- शोध निबंध : मेग्राव बायोमास तथा लवणता : क्या यह स्वर्ग में बनता है ? "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलोजिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग, २०१५, खंड.०६ (०१), पृ. ४५ - ५४. डीओएजे, यूएसए आईएसएसएन : ०९७६-१५१९ (सह लेखक- ए. मित्रा )।
- शोध निबंध : भारतीय सबअर्बनों में दो प्रमुख एस्टुआरी में पोषक स्तर के डिफेडल वेरिएशन ; जर्नल ऑफ बायोलोजिकल साइंस, २०१५, खंड.०८ (०३), पृ. २३१-२३६. आईएसएसएन: १९९५-६६७३. (सह लेखक- ए मित्रा, एस त्रिवेदी, एस जमन पी. परमाणिक, एस चक्रवर्ती, एन पाल और एफ पार्डिस)।
- शोध निबंध : मौसम परिवर्तन उत्प्रेरित परिवर्तन में सार्वभौमिक रिसाइलेंस को प्रदर्शन को सभी मानग्रोव प्रजातियाँ होती है : इकोनोमोलॉजी जर्नल, २०१५, खंड. वी वर्ष छ्द, पृ. ४५ - ६२. (सह लेखक- ए.मित्रा और गति आर सी)।
- शोध निबंध : भारत के मेरिटाइम अवस्थाओं के मुख्य इंटरटाइडल क्षेत्रों में माक्राबैथिक मोलुस्कान विविधता ; जर्नल ऑफ एनवारोनमेंटल साइंस एंड पल्युशन रिसर्च, २०१५, खंड. १(१):८ - ११. (सह लेखकगण- एस चक्रवर्ती, आर पाउल, जी ब, एस जमन, पी. परमाणिक, जी अमीन, पी पाजिल और ए. मित्रा)।
- शोध निबंध : जीआईएस तकनीकी का उपयोग करते हुए कोरापुट जिले के दो ब्लॉकों में मृत्तिका संसाधन का मानचित्रण इसके पोषक स्थितियाँ : भगल, भिवानी, हरियाणा में दिनांक २८-२९ नवम्बर २०१५ को आयोजित सिविल तथा इंजीनियरिंग में हाल ही विकास प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवृत्त , अर्थ पब्लिकेशन , गुडगांव द्वारा प्रकाशित २०१५, पृ. २६- ३०. (आईएसबीएन : ९७८-९३-८४९२२-१३-९) (सह लेखकगण- आर पाउल और बी बी दाश)।
- शोध निबंध : जीआईएस और रिमोट सेसिंग तकनीकी का उपयोग करते हुए भितरकनिका राष्ट्रीय पार्क का पूरी तरह से परिवर्तित मानग्रोव जंगल का निगरानी " ; भगल, भिवानी, हरियाणा में दिनांक २८-२९ नवम्बर २०१५ को आयोजित सिविल तथा इंजीनियरिंग में हाल ही विकास प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवृत्त , अर्थ पब्लिकेशन , गुडगांव द्वारा प्रकाशित २०१५, पृ.३१- ३६. (आईएसबीएन ९७८-९३-८४९२२-१३-९) (सह लेखकगण- जी बल और के सी महारणा )।
- शोध निबंध : कोरापुट के वृक्ष पर कार्बन स्टोरेज : बाई अफसेट स्थानीय स्तर कार्बन डायअक्साइड स्तर में एक पहल : सुरक्षा कवच : ए जर्नल ऑफ सेफटी, हेल्थ एंड एनवारोनमेंट, नाल्को, २०१६, खंड. २१, पृ. ४५-४७. (सह लेखकगण- आर. पाउल और ए. मानसिंह)।
- एक्सकोएरसिया आगलोछा पर शोध निबंध : अधिक लवण क्षेत्र में कार्बन स्टोरेज संदर्भ में मानग्रोव प्रजातियों का क्षमता : जर्नल ऑफ एनवारोनमेंटल साइंस, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी, २०१६, खंड. ५ (२), पृ. ११५-१२०. ई-आईएसएसएन : २२७८-१७९९. आईएफ ५.०४८. (सह लेखकगण - जी अमीन, पी. पाजिल, पी प्रमाणिक, एस. जमान और ए मित्रा)।
- घंगा डेल्टा क्षेत्र में और चारो ओर दो खाने योग्य शेष प्रजातियों के मसल में ह, प्ल और इं के संकेद्रण पर शोध निबंध ; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंस एंड फार्मा रिसर्च, २०१६, खंड. (३), पृ. २१४-२२२. घएः २२५०-०४८०. (सह लेखकगण- एस चक्रवर्ती, एस बिश्वास और ए मित्रा)।

#### डॉ. देवब्रत पंडा

##### शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक १३ नवम्बर से ३ दिसम्बर २०१५ को यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय में जीव विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- अंतरराष्ट्रीय पत्रिका आक्टा फिजिओगिया प्लांटाम एंड राइस इन स्पिंगरलिक में दो समीक्षित पेपर समीक्षा की।
- दिनांक १५ मार्च २०१५ को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में नवाचार उत्सव-२०१६ में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया और सीयूओ की गतिविधियों में पेपर प्रस्तुत किया।
- मेघालय में मॉ क्लोन की प्रिपोटेसी को पहचानने के लिए हाफ-सिब प्रोजेनीस के मूल्यांकन पर एक पेपर प्रस्तुत किया , दिनांक १७-१८ दिसम्बर २०१५ को खाद्य सुरक्षा तथा उचित पर्यावरण के लिए स्थिर कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन में , कोलकाता पृष्ठ १०-११. (सह लेखक- यू चंद्र, एम.जे. रेजू, आर पी सिंह, के माइदीन, पी खोयामथम और जी दास)।
- बीसीएनआर में एमफील डिग्री उपाधि के लिए दो छात्रों का मार्गदर्शन किया।

**प्रकाशन**

- शोध निबंध फाइटोरिमेडियेशन के लिए क्रोमियम तनाव के तहत भारतीय जंगली धान की ऑक्सिकारक प्रतिक्रिया ; जर्नल एनवारोनमेंटल साइंस एंड पल्यूशन रिसर्च, २०१६, २(१): १३७-१४०. ( सह-लेखक- एस.एस. मिश्रा, एस एस बिसोई और जे. बारिक) ।
- ओडिशा, भारत के कोरापुट जिले की जनजाति लोगों द्वारा जंगल कंद प्रजाति विविधता पर शोध निबंध ; जर्नल नाचुरॉल प्रोडक्ट एंड रिसर्च, २०१६, २(१): ३३-३६. (सह लेखक- बी. प्रधान ) ।
- धान के बीज अंकुरण और अंकुरण विगर पर औद्योगिक कचरे का प्रभाव (*Oryza sativa L*) और कृषि में इसके स्थायी प्रयोग : एनवारोनमेंट और इकोलॉजी , २०१६, ३४(१): १५५-१५९. (सह -लेखक - एस बाग और एस के पालित) ।
- स्थायी फाइटोरिमेडियेशन ऑफ मेटाल कंटांमिटेड बारेन लैंड पर शोध निबंध: सुरक्षा कवच, २०१६, २१:६७-७०. (सह लेखक- एस एस मिश्रा और प्रफुल बेहेरा ) ।
- स्थायी फाइटोरेस्टोरेशन के लिए फ्लाइ आश डिपोजिट पर प्राकृतिक रूप से कोलोनाइज्ड पौधे के मात्रात्मक मूल्यांकन पर शोध निबंध; यूरोपियन जर्नल ऑफ एनवारोनमेंटल इकोलॉजी, २०१५, २(४):१७९-१८५. (लेखक- एस पाणिग्राही और एस एस बिसोई) ।
- ओडिशा, भारत के कोरापुट जिले की जनजाति लोगों द्वारा जंगल कंद प्रजाति विविधता पर शोध निबंध ; जर्नल नाचुरॉल प्रोडक्ट एंड रिसर्च, रिसर्च जर्नल ऑफ एग्रिकल्चर एंड फरेस्ट्री साइंसेस, २०१५, ३:१-१०. ( सह लेखक - बी प्रधान ) ।
- कृषि में फलाइ आश और औद्योगिक अपशिष्ट का स्थायी उपयोग : एक मामला का अध्ययन , पर शोध निबंध, सुरक्षा कवच, २०१५, २०:८४-८७. (सह लेखक- पी तिकादर और एस बाग) ।
- भारत, ओडिशा के कोरापुट जिले के साक्रेड ग्रोवस में एथनो मेडिसिनॉल प्लांट प्रेजेंट पर शोध निबंध , आक्टा बायोमेडिका साइंटिया, २०१५, २(२): ३९-४२. (सह-लेखक-एस एस बिसोई) ।
- धान के बीज अंकुरण और अंकुरण विगर पर औद्योगिक कचरे का प्रभाव (कृषि) और कृषि में इसके स्थायी प्रयोग : कोरापुट, ओडिशा, भारत, यूरोपियन जर्नल ऑफ एनवारोनमेंटल इकोलॉजी, २०१५, २(१): २०-२३. (सह लेखक-बी.एस.मौनिक) ।
- मेघालय गारो चोटियों में कृषि परीक्षण पर निश्चित क्लोनो के प्रारंभिक वृद्धि कार्य निष्पादन पर शोध निबंध, रबर साइंस २०१५, २८(३): २७५-२८०. (सह लेखक- यू चंद्र, आर पी सिंह, एम जे रेजू, पी. खोयामेथम, जी दास और के. माइदिन) ।
- भारत, ओडिशा के कोरापुट जिले के अप्रयुक्त कंद प्रजाति के जातीय औषधीय सर्वेक्षण पर शोध निबंध, इन आडिशा एनवारोनमेंटल कांग्रेस, भुवनेश्वर (संपादक ए बेहेरा आदि), २०१५, इस्: ११३-१२२. (सह लेखक-बी प्रधान ) ।
- शोध निबंध फाइटोरिमेडियेशन के लिए क्रोमियम तनाव के तहत भारतीय जंगली धान की ऑक्सिकारक प्रतिक्रिया ; ओडिशा एनवारोनमेंटल कांग्रेस, भुवनेश्वर (संपादक ए बेहेरा आदि), २०१५, इस्: २३५-२३९. (सह लेखक- एस मिश्रा और जे बारिक) ।

**वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ**

**व्यवसाय प्रबंधन विभाग**

व्यवसाय प्रबंधन विभाग का आरंभ शैक्षणिक सत्र २०१४-१५ से हुआ है जिसका लक्ष्य है अविभाजित कोरापुट जिले की रोजगार की जरूरतों को पूरा करना है ।

**विजन**

- रोजगार एवं उद्यमिता के विकास करते हुए गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए एक उत्कृष्ट विभाग होना ।
  - युवा उद्यमियों और प्रबंधकों सृजन करना और प्रशिक्षण देना है जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में राष्ट्र तथा राज्य के विकास में योगदान देगा और सेवा करेगा ।
- |                                   |  |
|-----------------------------------|--|
| १. मुख्य का नाम                   | <b>डॉ. ए. मोहन मुरलीधर, अतिथि व्याख्याता तथा विभागीय मुख्य प्रभारी</b>   |
| २. संपर्क विवरण                   | व्यापार प्रबंधन विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा<br>सुनाबेड़ा, कोरापुट - ७६४०२३, ओडिशा, ई-मेल: <a href="mailto:bbsrmohan@yahoo.co.in">bbsrmohan@yahoo.co.in</a>   |
| ३. शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता  | १. डॉ. ए. मोहन मुरलीधर, एम.ए. व्यवसाय प्रबंधन (एमबीए), पीएचडी (प्रबंधन), यूजीसी-नेट (प्रबंधन), अतिथि व्याख्याता तथा विभागीय मुख्य प्रभारी<br>२. श्री प्रीतिश बेहेरा, एमबीए, एमएफएम, यूजीसी-नेट (प्रबंधन), अतिथि व्याख्याता |
| ४ विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम: | दो वर्षीय एम.बी.ए. विशेष रूप से वित्त, मानव संसाधन और विपणन में  |

**विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ**

- दिनांक १६ अक्टूबर २०१५ को विकास के लिए संचार का प्रबंधन पर श्री देवीलाल मिश्रा ने विशेषज्ञ वार्ता प्रदान किया ।
- दिनांक १४ जनवरी २०१६ को विभाग में व्यापार अनुसंधान में मात्रात्मक तकनीकियों का अनुप्रयोग करना पर प्रो. मालबिका देओ ने वार्ता प्रदान किया ।
- दिनांक ०३ मार्च २०१६ को संजात पर डॉ. सत्य स्वरूप देवाशिष ने विशेष कक्षा ली।

## अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

### सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी विभाग की स्थापना वर्ष २०१५-१६ को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ के तत्वावधान में हुआ है। इस विभाग का लक्ष्य है छात्रों को सांख्यिकी के उन क्षेत्रों के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है जो न केवल उनमें बोलना प्रारंभ करेंगे बल्कि उनको उद्योगों, अनुसंधान संगठनों और शैक्षणिक आदि जैसे क्षेत्रों में उनके रोजगार के लिए कौशल बढ़ाएगा। यह विभाग शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ से अनुप्रयुक्त सांख्यिकी तथा सूचना विज्ञान में एम.एससी. कार्यक्रम का आरंभ किया है।

### विजन

- राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरती तकनीकी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मजबूत सांख्यिकीय / गणितीय पृष्ठभूमि प्रदान करना है।
- छात्रों को अन्तिम विश्लेषणात्मक उपकरणों से प्रशिक्षित कराना है जैसे कि एसएस, आर एवं मतलब आदि। जो दोनों विश्लेषणात्मक के साथ साथ फार्मासियूटिकॉल क्षेत्रों में एनएनसी रोजगार के लिए अतिआवश्यक है।
- राष्ट्रीय स्तर के परीक्षाएं जैसे कि आईएसआई, आईएसएस, डीआरडीओ आदि में उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को उचित मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण प्रदान करना है।
- उन छात्रों को अंतर विषयक पाठ्यक्रमों के प्रति उत्साहित करना है जो राष्ट्र के लिए आवश्यक है।
- डीएसटी-एफआइएसटी, यूजीसी-एसएपी कार्यक्रम के लिए आवेदन करना।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में गुणवत्ता अनुसंधान लेखों को उत्पन्न करना।

### विभाग

१. मुख्य का नाम	डॉ. महेश कुमार पंडा, सहायक प्रोफेसर तथा विभाग मुख्य प्रभारी
२. संपर्क विवरण	सांख्यिकी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा सुनाबेड़ा, कोरापुट - ७६४०२३, ओडिशा, ई-मेल: mahesh2123ster@gmail.com
३. शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	१. डॉ. महेश कुमार पंडा, एम.एसएसी, एम.फील, पीएचडी, सहायक प्रोफेसर तथा विभाग मुख्य प्रभारी २. ऋषि प्रसाद साहु, एमएससी., अतिथि व्याख्याता
४. विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी तथा सूचना विज्ञान में एम.एससी (दो वर्ष)

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक १ अक्टूबर २०१५ को आयोजित आज के विश्व में गणित विज्ञान और सांख्यिकी के महत्व पर एक संगोष्ठी। प्रो. एस. पटनायक, भूतपूर्व निदेशक, आईएमए, भुवनेश्वर और प्रो. एस.बाग, सेवानिवृत्त सांख्यिकी विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय संगोष्ठी के वक्ता थे।
- दिनांक १० अक्टूबर २०१५ को आयोजित विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज बैठक में एम.एस. कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम की तैयारी हुई।
- प्रो. एस. पटनायक ने दिनांक ११.१०.२०१५ को आयोजित वास्तविक विश्लेषण शीर्षक पर विस्तार से व्याख्यान की माला प्रदान किया।

### संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

#### डॉ. महेश कुमार पंडा

- सांख्यिकी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, में दिनांक २८-३१ दिसम्बर को संभावनायें तथा सांख्यिकीय पर ९वें अंतरराष्ट्रीय ट्रेनिंग परिसंवाद में ब्रेकर क्वार्टिक मिक्चर मॉडल के साथ स्पैलिन के लिए डी ऑप्टिमल डिजाइन शीर्षक पर एक पेपर पेश किया।
- यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय, में दिनांक २३ जून - १३ जुलाई तक आयोजित ग्रीष्मकालीन विद्यालय में भाग लिया तथा सफतापूर्वक पूरा किया।
- एरामूस मुंडुस यूफारेटस परियोजना के तहत गणितीय सांख्यिकी विभाग, विलिनस विश्वविद्यालय में एक महीने तक अध्ययन के लिए कर्मचारी बदलाव के चयन हुआ था।



## केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक तथा अनुसंधान गतिविधियों के लिए सूचना सहायता प्रदान करने केंद्रीय सुविधाओं में से एक है। पुस्तकालय की स्थापना वर्ष २००९ में हुई थी और वर्तमान दो परिसरों में काम कर रहा है ( एक लांडीगुडा परिसर में और दूसरा मुख्य परिसर, सुनाबेढा में है)। पुस्तकालय का स्वचालन ओपन सोर्स एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर कोहा की सहायता किया जा रहा है। पुस्तकालय का प्रबंधन एक सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष से किया जा रहा है उन्हें एक जेपीए और छः सहायक कार्मिक दिया गया है। पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों में सुबह ९.०० बजे से शाम ६.०० बजे तक खुला रहता है।

### पुस्तकालय संग्रहण

यद्यपि पुस्तकालय सात सालों की पुरानी है तथापि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी तथा संकायों के अनुरूप है। पुस्तकालय ने २४६८६ पुस्तकें, ९०००६ई-पत्रिका ई-सिंधु (उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधन का एक कन्सोरटियम) के माध्यम से पठनीय, संदर्भ पुस्तकें, सीरियल्स, शोधग्रंथ और शोधनिबंध और पत्रिकाओं के पुराने अंक आदि खरीदा है। वित्तीय वर्ष २०१५-१६ के दौरान पुस्तकालय ने ६२११ नयी पुस्तकें खरीदी है। पुस्तकालय ने कैलेंडर वर्ष २०१६ के लिए ९७ प्रिंट पत्रिकाओं खरीदने के लिए नवीकरण किया है।

### वातानुकूलित वाचनालय

केंद्रीय पुस्तकालय पूरी तरह से वातानुकूलित है ताकि पुस्तकालय के पाठकों के लिए आराम से पढ़ने के साथ साथ दस्तावेजों को अधिक समय तक संरक्षण रखा जा सके। वाचनालय में १३० तक विद्यार्थी बैठ सकते हैं, इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है।

### पाठकों की सेवा

वर्ष २०१५-१६ के दौरान १,५४,२३२ पुस्तकें वितरण की गयी है जिसमें शामिल हैं जारी, नवीकरण और वापस। संकाय और छात्रों के लिए आंतरिक पुस्तकालय लेन-देन के माध्यम से बाहर से लगभग २२० पत्रिकायें इंतजाम की गयी हैं। पुस्तकालय सेवा, संसाधन और नियमों के बारे में परिचित कराने के लिए नये छात्रों के लिए पुस्तकालय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

### सदस्यता शक्ति

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अपने दो परिसरों में काम कर रहा है इसके पास छात्र, शोधार्थी, संकाय सदस्य और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मिलाकर कुल ८६० उपयोगकर्ता को सेवा प्रदान करता है हैं। अपने सदस्यों के अलावा, पुस्तकालय भी अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के विद्वानों और दर्शकों की जरूरतों पूरा करता है।

### कार्य समय

विविध जरूरतों और अपने उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, विश्वविद्यालय का पुस्तकालय सभी कार्य दिवस पर सुबह ०९:३० से अप. १८:०० बजे तक खुला रहता है।

यूजीसी इनफोने डीएल कंसोर्टियम के माध्यम से प्राप्त ई-संसाधन की सूची (आईपी आधारित)

केंद्रीय पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों को प्राप्त कर सकता है और जिसे सीयूओ के लांडीगुडा परिसर में प्राप्त किया जा सकता है

### पूर्ण पाठ डाटाबेस

(सीयूओ के लांडीगुडा परिसर में प्रोक्सी के माध्यम से पहुंच)

(किसी अन्य अंक की प्रति के लिए कृपया संपर्क करें [ncsipradhan@gmail.com](mailto:ncsipradhan@gmail.com))

क्रमांक	उत्पाद	यूआरएल	फर्मट
१.	केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस	<a href="http://journals.cambridge.org/">http://journals.cambridge.org/</a>	ऑनलाइन
२.	इकोनोमिक एंड पलिटिकॉल विकली	<a href="http://epw.in/">http://epw.in/</a>	ऑनलाइन
३.	एमराल्ड	<a href="http://www.emeraldinsight.com/">http://www.emeraldinsight.com/</a>	ऑनलाइन
४.	इंस्टीच्यूट ऑफ फिजिक्स	<a href="http://iopscience.iop.org/journals">http://iopscience.iop.org/journals</a>	ऑनलाइन
५.	आईएसआईडी	<a href="http://isid.org.in/">http://isid.org.in/</a>	ऑनलाइन
६.	जेसीसीसी	<a href="http://jgateplus.com/search">http://jgateplus.com/search</a>	ऑनलाइन
७.	जेएसटीओआर	<a href="http://www.jstor.org/">http://www.jstor.org/</a>	ऑनलाइन



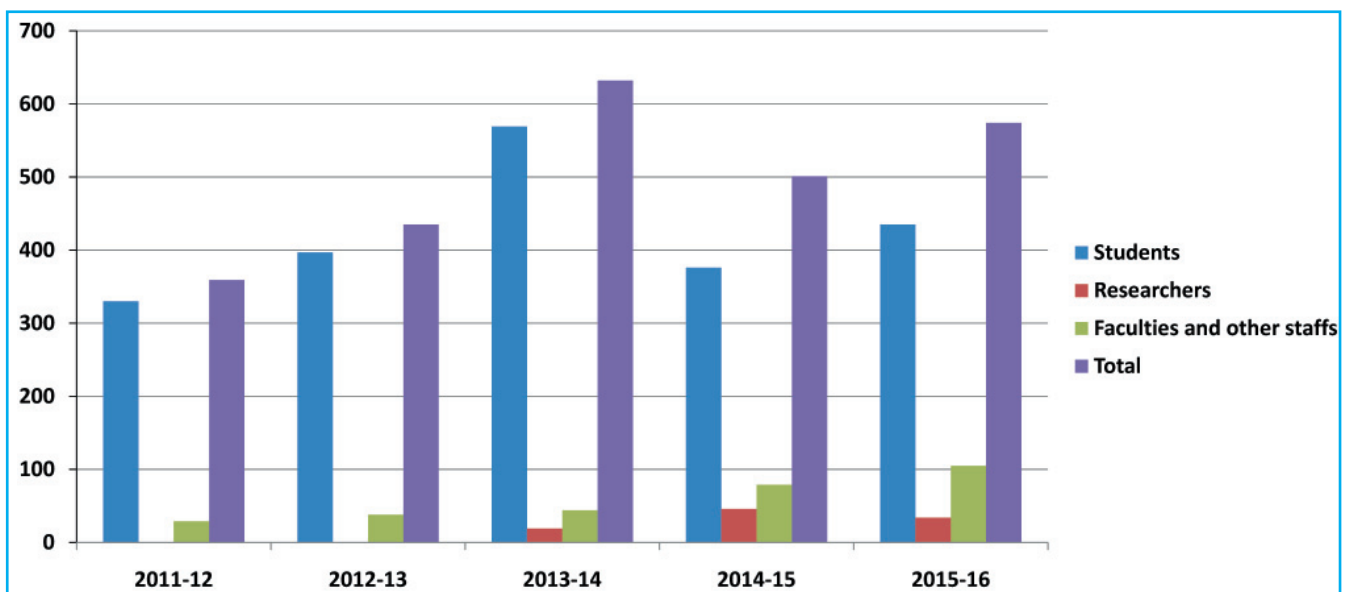
८.	मैथसाइंसनेट	<a href="http://www.ams.org/mathscinet/">http://www.ams.org/mathscinet/</a>	ऑनलाइन
९.	ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय प्रेस	<a href="http://www.oxfordjournals.org/">http://www.oxfordjournals.org/</a>	ऑनलाइन
१०.	प्रोजेक्ट म्युज	<a href="http://muse.jhu.edu/journals">http://muse.jhu.edu/journals</a>	ऑनलाइन
११.	साइंस डाइरेक्ट (दस विषयों पर संगृहित)	<a href="http://www.sciencedirect.com/">http://www.sciencedirect.com/</a>	ऑनलाइन
१२.	स्प्रिंगर लिंक	<a href="http://www.springerlink.com/">http://www.springerlink.com/</a>	ऑनलाइन
१३.	टेलर एंड फ्रांसिस	<a href="http://www.tandfonline.com/">http://www.tandfonline.com/</a>	ऑनलाइन
१४.	विले-ब्लॉकवेल	<a href="http://onlinelibrary.wiley.com/">http://onlinelibrary.wiley.com/</a>	ऑनलाइन

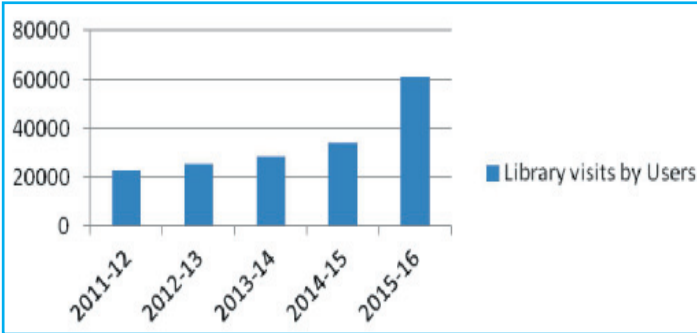
### भविष्य की योजनायें

आने वाले दिनों में, विश्वविद्यालय का पुस्तकालय सुनाबेढा स्थित परिसर में अलग भवन जाएगा और उसमें सभी प्रकार की आधुनिक सुविधायें रहेंगी। केंद्रीय पुस्तकालय में चौबिस घंटे पढ़ने की सुविधा रहेगी, उपयोगकर्ताओं के लिए सभी आधुनिक सुविधायें रहेंगी, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक टर्किंग प्रयोगशाला स्थापित होगी और यूजीसी-इनफोनेट डिजिटल लाइब्रेरी कॉन्सोर्टियम के माध्यम से इ-संसाधन पहुंचने के लिए विशेष इंटरनेट प्रयोगशाला की स्थापना होगी।

### सांख्यिकी एक नजर में वर्ष वार पुस्तकालयों की सदस्यता

सदस्यता	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
विद्यार्थी	330	397	569	376	435
अनुसंधानकर्ता	-	-	19	46	34
संकायसदस्यगण तथा अन्य कर्मचारीगण	29	38	44	79	105
कुल	359	435	632	501	574





उपयोगकर्ताओं का परिदर्शन (वर्ष वार)

सुरक्षा गेट सांख्यिकी

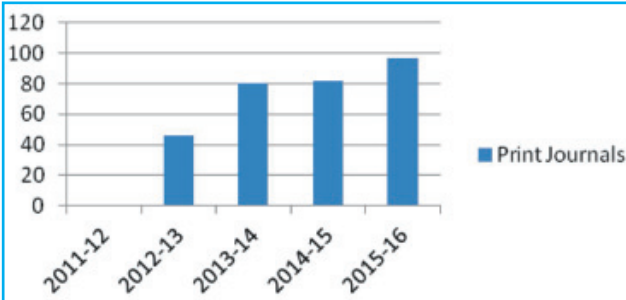
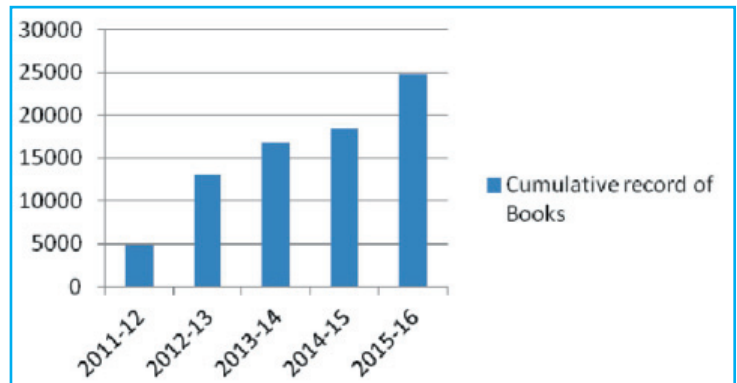
उपयोगकर्ताओं द्वारा पुस्तकालय का परिदर्शन

2011-12	22993
2012-13	25546
2013-14	28712
2014-15	34311
2015-16	61237

पुस्तकालय संग्रहण

क. पुस्तकें

वर्ष	पुस्तकों की संचयी रिकार्ड
2011-12	4929
2012-13	13075
2013-14	16780
2014-15	18475
2015-16	24686



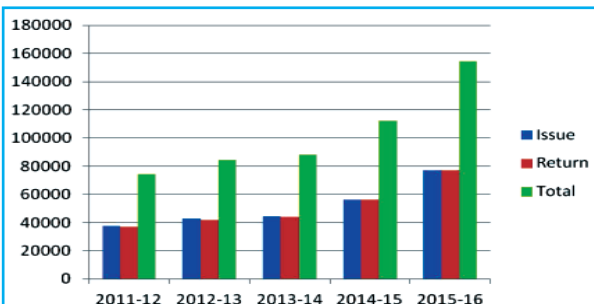
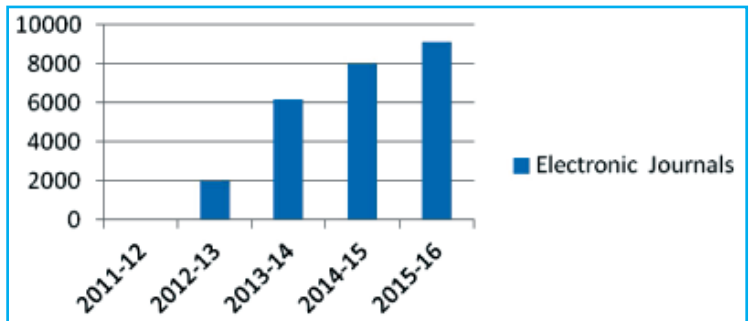
ख. पत्रिकायें (प्रिंट - ८२, इलेक्ट्रॉनिक- ८५००)

वर्ष वार पत्रिकाओं का अभिदान

वर्ष	प्रिंट पत्रिकायें
2011-12	0
2012-13	46
2013-14	80
2014-15	82
2015-16	97

वर्ष वार इलेक्ट्रॉनिक्स पत्रिकाओं का अभिदान

वर्ष	इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकायें
2011-12	0
2012-13	2000
2013-14	6200
2014-15	8000
2015-16	9100



ग. वितरण

जारी तथा वापस	जारी	वापस	कुल
2011-12	37465	36793	74258
2012-13	42629	41826	84455
2013-14	44208	43896	88104
2014-15	56237	55983	112220
2015-16	77133	77099	154232

## लोक संपर्क कार्यालय

लोक संपर्क अधिकारी के रूप में डॉ. फगुनाथ भोई की नियुक्ति के बाद ही विश्वविद्यालय में पूर्ण लोक संपर्क विभाग का आरंभ वर्ष २०११ में हुआ था। उनके नेतृत्व में लोक संपर्क विभाग विश्वविद्यालय के प्रवक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य संपादित करता है। यह विभाग सतत मीडिया संपर्क और विश्व मीडिया के साथ सुसंपर्क रखा है। यह विभाग विश्वविद्यालय के विभिन्न समारोहों पर प्रेस विज्ञापित जारी करता है और प्रकाशन के लिए विभिन्न मीडिया और समाचार पत्र को भेजता है। यह विभाग मीडिया परिदर्शन के लिए सुविधा प्रदान करता है।

लोक संपर्क विभाग विश्वविद्यालय का न्यूजलेटर, वार्षिक प्रतिवेदन, डाएरी और कैलेंडर तैयार करता है। विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण इस विभाग द्वारा बनाया जा रहा है। यह विभाग विश्वविद्यालय के विभिन्न हितधारकों से संपर्क करता है जैसे कि क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क, निर्वाचित प्रतिनिधि, स्थानीय नेताओं, विशिष्ट शिक्षाविदों और देश के विद्वानों, उद्योगों, मीडिया और अन्य शैक्षणिक संस्थानों आदि। यह विभाग छात्र कार्य व्यापार का देखभाल करता है।

यह कार्यालय कुलपति के कार्यालय से जुड़ा हुआ है और कुलपति के विभिन्न कार्यक्रमों से समन्वय बनाता रहता है। लोक संपर्क कार्यालय को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है जैसे कि एमएचआरडी कॉन्फर्ट पोर्टल एमएचआरडी के विश्वविद्यालय पोर्टल और लोक शिकायत के लिए नोडल अधिकारी। विश्वविद्यालय का वेबसाइट लोक संपर्क विभाग के तत्वावधान में चलता है। यह विभाग अग्रणी उद्योगों से समझौता हस्ताक्षर करने के लिए पहल करता है।

शैक्षणिक वर्ष २०१५-१६ के दौरान लोक संपर्क विभाग ने अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया था और अनेक क्षेत्रीय भाषा के समाचार पत्रों के साथ साथ अंग्रेजी, हिंदी और तेलुगू समाचार पत्रों और राज्य के विभिन्न वेबसाइटों पर प्रकाशित हुआ था। उन कार्यक्रमों में शामिल है अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-२०१५, विश्वविद्यालय में पुस्तक प्रदर्शन, स्वतंत्रता दिवस समारोह-२०१५, स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन, वृक्षरोपण, ७वें स्थापना दिवस समारोह, परिसर में विश्वविद्यालय को जर्मनी छात्रों का परिदर्शन, उन्नत भारत अभियान के तहत पाँच गांवों को अपनाना, गांधी जयंती और अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह-२०१५, सरदार बल्लभभाई पटेल के १२५वें जन्म दिवस, अंबेदकर जयंती पर विशेष व्याख्यान, स्वामी विवेकानंद जन्म दिवस, एनएएसी कक्ष का उद्घाटन, नया शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन, जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण पर संगोष्ठी, कला तथा शिल्प प्रदर्शनी, हॉस्टेल प्रीमियर लीग, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, मीडिया तथा गणतंत्र और टैगोर तथा महिला पर विशेष व्याख्यान। लोक संपर्क विभाग एचएएल, सुनाबेढा के सहयोग से भूमंडलीकरण और समसामयिक अंतरराष्ट्रीय संबंध और सीता की खोज तथा पुराण का पुनर्अवलोकन पर सीयूओ-एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान का आयोजन किया।

इस शैक्षणिक सत्र में, विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को अनेक प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, और वेबसाइट पर स्थान दिया है। २०३३.४२ वर्ग मीटर ३१ स्थापित सबसे अधिक वितरित समाचार पत्रों में स्थान मिला है। यदि उसी को विज्ञापन के रूप में प्रकाशित किया जाता तो उसकी लागत लगभग एक करोड़ रुपया होगा। इस साल लगभग ३० कार्यक्रमों को समाचार पत्रों में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय ने लोक संपर्क अधिकारी के माध्यम से २८ विज्ञापनों को प्रकाशित किया है।

## परीक्षा अनुभाग

### विषय वार परिणाम का विश्लेषण २०१४-१५

क्रमांक	चौथे सेमेस्टर का विषय	कुल उपस्थिति	कुल उत्तीर्ण	उत्तीर्ण की प्रतिशतता
१	ओडिया में एम.ए.	२३	२३	१००
२	अंग्रेजी में एम.ए.	२५	२३	९२
३	मानव विज्ञान में एम.ए./एम.एससी.	८	८	१००
४	समाज विज्ञान में एम.ए.	३६	३६	१००
५	पत्रकारिता तथा जनसंचार में एम.ए.	१२	१२	१००
६	एकीकृत गणित विज्ञान में एम.एससी.	कार्यक्रम का पहला बैच मई २०१६ में पूरा किया		
७	अर्थशास्त्र में एम.ए.	२१	२१	१००
८	जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी.	२१	२१	१००
९	शिक्षक शिक्षा (बी.एड.)	९५	८९	९३

### शैक्षणिक सत्र २०१४-१५ (अंतिम सेमेस्टर-२०१५) के लिए विभाग वार अब्बलों की सूची

१. सोनाली साहु, एम.ए. ओडिया	२. सुरत गिरि तथा सना परवीन, एम.ए. अंग्रेजी
३. रोजी नायक, एमएससी मानव विज्ञान में	४. बंदिता परिडा, एम. ए. समाजविज्ञान
५. अनिरुद्ध जेना, एम.ए. जेएम एंड सी	६. अक्षय कुमार मोहांति, एम.ए.अर्थशास्त्र
७. अर्चना एस. तुर्कु, एमएससी जैव विविधता	८. तनुश्री मोहांति और पूजार्चना मूंड, शिक्षक शिक्षा (बी.एड)



विषय वार परिणाम का विश्लेषण - २०१४-१५

क्रमांक	विषय	कुल उपस्थिती	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण का प्रतिशत
१	ओडिया	५	५	१००
२	मानव विज्ञान	५	५	१००
३	समाज विज्ञान	३	२	१००
४	पत्रकारिता तथा जन संचार	४	४	१००
५	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	१०	१०	१००

छात्रावास

इस ऐतिहासिक विश्वविद्यालय की स्थापना से ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय दोनों पुरुष और महिला विद्यार्थियों को हॉस्टल प्रदान करता है। हॉस्टल में आधुनिक संरचना और खेलकूद सुविधाओं के साथ साथ स्वच्छ मेस सुविधा उपलब्ध है। निम्नलिखित सारणी शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के दौरान हॉस्टलों में दाखिले वर्ग वार छात्रों को दर्शाता है।

लिंग तथा वर्ग वार सिट आबंटन की सूची

क्र.	छात्रावास	अन्तेवासी वर्ग					कुल	मुख्य वार्डेन : डॉ. कपिल खेमंडु छात्रों के लिए छात्रावास का वाडेन : डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा छात्रों के लिए छात्रावास का वाडेन : डॉ. सागरिका मिश्रा
		सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	पीडब्ल्यूडी		
१	छात्रों के लिए छात्रावास	४६	५१	३६	१३		१४६	
२	छात्राओं के लिए छात्रावास	७३	४२	११	९	३	१३८	
	कुल	११९	९३	४७	२२	३	२८४	

राष्ट्रीय फेलोशिप के विजेतागण

क्रमांक	नाम	शैक्षणिक सत्र	कार्यक्रम	विभाग	फेलोशिप का नाम
१.	लक्ष्मीप्रिया पात्र	२०१३-१४	पीएचडी	ओडिया	यूजीसी-जेआरएफ
२.	इरसाद खान	२०१३-१४	पीएचडी	मानव विज्ञान	एमएएनएफ
३.	राजेश्वर महारणा	२०१३-१४	पीएचडी	मानव विज्ञान	आईसीएसएसआर-डॉक्टरॉल छात्रवृत्ति
४.	नीलेश पांडे	२०१३-१४	पीएचडी	जे एंड एमसी	आईसीएसएसआर-डॉक्टरॉल छात्रवृत्ति
५.	रश्मि पूजा निकुंज	२०१३-१४	पीएचडी	जे एंड एमसी	आरजीएनएफ
६.	दिपक तिकी	२०१३-१४	एम.फील	मानव विज्ञान	आरजीएनएफ
७.	जे. रंजिता	२०१३-१४	एम.फील	मानव विज्ञान	आरजीएनएफ
८.	रजनि पादल	२०१४-१५	पीएचडी	मानव विज्ञान	आरजीएनएफ
९.	सिलि राउत	२०१४-१५	पीएचडी	मानव विज्ञान	राष्ट्रीय ओबीवी छात्रवृत्ति
१०.	मानस कुमार कांजीलाल	२०१४-१५	एम.फील	जे एंड एमसी	आरजीएनएफ
११.	नर्जनिन सुलताना	२०१४-१५	एम.फील	जे एंड एमसी	राष्ट्रीय ओबीवी छात्रवृत्ति
१२.	मुहम्मद अमिर पाशा	२०१४-१५	पीएचडी	जे एंड एमसी	एमएएनएफ
१३.	गोविंद बल	२०१४-१५	एम.फील	बीसीएनआर	आरजीएनएफ
१४.	कल्पना पात्र	२०१४-१५	एम.फील	बीसीएनआर	आरजीएनएफ
१५.	गोपाल राज खेमंडु	२०१४-१५	पीएचडी	बीसीएनआर	आरजीएनएफ
१६.	पॉली टिकादार	२०१४-१५	पीएचडी	बीसीएनआर	आरजीएनएफ
१७.	राकेश पाउल	२०१४-१५	पीएचडी	बीसीएनआर	डीएसटी-इनस्पायर
१८.	जलधर दाश	२०१५-१६	एम.फील	ओडिया	यूजीसी-जेआरएफ
१९.	रुद्र प्रताप सिंह	२०१४-१५	एम.फील	जे एंड एमसी	राष्ट्रीय ओबीवी छात्रवृत्ति

### शैक्षणिक केलेण्डर (२०१५-२०१६)

घटनाएँ	मानसून सत्रांत	शीतकालीन सत्रांत
पंजीकरण	१३-१४ जुलाई, २०१५ (सोमवार-बुधवार)(३,५, ७ <sup>१</sup> ९ सत्रांत)	४-५ जनवरी, २०१६ (सोमवार-बुधवार)सभी सेमेस्टर
विलम्ब शुल्क सहित पंजीकरण	२०-२१ जुलाई, २०१५ (सोमवार-बुधवार) (३,५, ७ <sup>१</sup> ९ सत्रांत)	११-१२ जनवरी, २०१६ (सोमवार-बुधवार)
कक्षा शुरु	१३ जुलाई, २०१५ (सोमवार)	४ जनवरी, २०१६ (सोमवार)
१ मध्य-सेमे. ड	१०-१४ अगस्त, २०१५ (सोमवार-शुक्रवार)	८-१२ फरवरी २०१६ (सोमवार-शुक्रवार)
२ मध्य-सेमे ड	२८-३० सितम्बर <sup>१</sup> १ अक्टूबर, २०१५ (सोमवार-बृहस्पतिवार) (बुधवार)	१४-१८ मार्च, २०१६ (सोमवार-शुक्रवार)
मध्य-सेमे अवकाश	१९-३० अक्टूबर, २०१५(सोमवार-शुक्रवार)	-----
अंतिम सेमे., परीक्षा होनी है	७-११ दिसंबर, २०१५ (सोमवार-शुक्रवार)	४-१० मई, २०१६ (बुधवार- बृहस्पतिवार)
परिणाम की घोषण	१८ दिसंबर, २०१५ (शुक्रवार)	१३ मई, २०१६ (शुक्रवार)
अवकाश	२१ दिसंबर, २०१५(सोमवार) १ जनवरी, २०१६ (शुक्रवार)	१६ मई (सोमवार) - ८ जुलाई, २०१६ (शुक्रवार)

- मध्यावधि परीक्षा पूरा होने के बाद बाकी के समय की कक्षाएं समय-सारणी के अनुसार जारी रहेंगी.

टिप्पणी : बी.एड छात्रों के लिए स्कूल आधारित इंटर्नशिप गतिविधियों के दौरान शनिवारों को शिक्षण दिवस के माना जा सकता है.



### छात्रों का नामांकन

शैक्षणिक सत्र २०१५ - १६ के लिए दाखिल छात्र- छात्राओं का वर्ग वार विवरण

क्र.	विभाग	सामान्य			एससी			एसटा			ओबीसी			पी.एच.			कुल छात्र छात्राएं	प्रवेश की संख्या	अभ्युक्ति
		पु	म	तृ	पु	म	तृ	पु	म	तृ	पु	म	तृ	पु	म	तृ			
१	अंग्रेजी में एम. ए.	३	४	०	५	१	०	३	१	०	४	३	०	०	०	०	२४	३०	
२	ओड़िया में एम. ए.	१	७	०	४	४	०	२	२	०	१	९	०	०	०	०	३०	३०	
३	समाज विज्ञान में एम. ए.	४	६	०	८	१	०	१	१	०	१	८	०	०	०	०	३०	३०	
४	जे. एम.सी में एम.ए.	८	८	०	४	३	०	०	२	०	०	३	०	०	०	०	२८	३०	
५	नृविज्ञान में एम. ए. /एम. एससी.	३	११	०	३	२	०	१	२	०	२	३	०	०	०	०	२७	३०	
६	अर्थशास्त्र में एम.ए.	१०	६	०	१	४	०	०	२	०	३	४	०	०	०	०	३०	३०	
७	जैव विविधता में एम.एससी	४	१४	०	२	३	०	०	१	०	२	३	०	०	०	०	२९	३०	
८	गणित विज्ञान में एम.एससी	७	७	०	४	१	०	२	०	०	५	४	०	०	०	०	३०	३०	
९	बी. एड (शिक्षक शिक्षा)	१४	२६	०	१३	६	०	३	४	०	२०	१२	०	०	२	०	१००	१००	सामान्य (पीएच) -०२
१०	हिंदी में एम. ए	१	०	०	१	०	०	३	१	०	१	०	०	०	०	०	७	३०	
११	संस्कृत में एम. ए	०	३	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	४	३०	
१२	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी तथा सूचना विज्ञान में एमएससी	९	४	०	०	१	०	०	२	०	६	३	०	०	०	०	२५	३०	
१३	एमबीए	९	४	०	४	१	०	१	१	०	४	५	०	०	०	०	२९	३०	
१४	एमएससी	३	२	०	२	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	८	३०	
१५	ओड़िया में एम. फील	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	०	०	१	०	०	३	५	सामान्य (पीएच) ०१
१६	ओड़िया में पीएच.डी.	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	५	
१७	नृविज्ञान में एम.फील.	१	२	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	५	
१८	नृविज्ञान में पीएच. डी.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	५	
१९	समाज विज्ञान में एम. फील.	१	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	५	
२०	समाज विज्ञान में पीएच. डी.	१	१	०	०	०	०	०	०	०	१	१	०	०	०	०	४	५	
२१	जेएमसी में एम. फील	१	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	५	
२२	जेएमसी में पी.एचडी.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	
२३	जैव विविधता में एम.फील	१	४	०	०	१	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	८	१०	
२४	जैव विविधता में पीएचडी	१	१	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	५	
२५	अंग्रेजी में एम.फील	१	२	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	४	५	
	उप-कुल	८४	११५	०	५४	२९	०	१८	१९	०	५५	५८	०	१	२	०	४३५	५५०	
	कुल		१९९		८३			३७			११३			३			४३५		

शैक्षणिक सत्र २०१४ - १५ के लिए दाखिल छात्र- छात्राओं का वर्ग वार विवरण

क्र.	विभाग	सामान्य		एससी		एसटी		ओबीसी		कुल छात्र छात्राएं	प्रवेश की संख्या	अभ्युक्ति
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला			
१	अंग्रेजी में एम. ए.	३	११	५	३	१	१	०	६	३०	३०	
२	ओड़िया में एम. ए.	१	१०	४	८	१	४	१	३	३२	४०	पीडब्ल्यूडी १ महिला
३	समाज विज्ञान में एम. ए.	३	१३	९	७	३	४	३	७	४९	५०	
४	जे. एम.सी में एम.ए.	५	७	३	२	१	१	३	२	२४	३०	
५	नृविज्ञान में एम. ए. /एम. एससी.	२	१	१	१	१	२	०	०	८	३०	
६	अर्थशास्त्र में एम.ए.	६	१४	५	२	२	२	५	४	४०	५०	
७	जैव विविधता में एम.एससी	४	८	२	५	१	२	३	४	२९	३०	पीडब्ल्यूडी १ महिला
८	गणित विज्ञान में एम.एससी	७	४	२	०	१	०	१	३	१८	३०	
९	बी. एड (शिक्षक शिक्षा)	१८	१७	१७	२	६	३	३०	७	१००	१००	पीडब्ल्यूडी २ पुरुष
१०	ओड़िया में एम. फील	१	०	०	१	१	०	०	२	५	१०	
११	ओड़िया में पीएच.डी.	०	०	१	०	०	०	०	०	१	५	
१२	नृविज्ञान में एम.फील.	२	०	१	०	१	०	१	०	५	१०	
१३	नृविज्ञान में पीएच. डी.	१	०	०	१	०	०	०	१	३	५	
१४	समाज विज्ञान में एम. फील.	१	२	०	१	०	०	०	१	५	१०	
१५	समाज विज्ञान में पीएच. डी.	०	०	०	०	१	०	०	०	१	५	
१६	जेएमसी में एम. फील	२	०	१	०	०	०	१	१	५	१०	
१७	जेएमसी में पी.एचडी.	१	१	०	०	०	०	०	०	२	५	
१८	जैव विविधता में एम.फील	५	२	१	०	०	१	१	०	१०	१०	
१९	जैव विविधता में पीएचडी	२	४	१	१	०	०	०	१	९	१५	
उप-कुल		६४	९४	५३	३४	२०	२०	४९	४२	३७६		
कुल		१५८		८७		४०		९१		३७६	४७५	



## वित्त

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, के तहत संसद के अधिनियम २००९ द्वारा स्थापित है। यह एक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते, यूजीसी के माध्यम से मानव संसाधन विभाग द्वारा वित्त पोषित है। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट से कार्य करना शुरू किया है। विश्वविद्यालय सामान्य विकास सहायता (जीडीए) के रूप में योजना ब्लॉक अनुदान के रूप में केंद्र सरकार से प्राप्त करता रहा है, सामुदायिक महाविद्यालय योजना और बी. वोकेशनल कार्यक्रम के लिए प्रावधान रखा गया है। तीन शीर्षकों तहत मुख्य रूप से निधि को उपयोग किया जाता है : अनुदान राशि ( आवर्ती व्यय), अनुदान राशि (वेतन) और अनुदान राशि (पूँजीगत अस्तियों की सृजन)।

सामान्य विकास सहायता (जीडीए) में भवन का निर्माण और नवीकरण ( जिसमें शामिल है विरासत इमारतों का मरम्मत सहित), परिसर विकास, कर्मचारी, पुस्तकें और पत्रिकाएँ, प्रयोगशाला, उपकरण तथा संरचना, वार्षिक अनुरक्षण ठेका, नवाचार अनुसंधान गतिविधियाँ, विश्वविद्यालय उद्योग संबंध, विस्तारण गतिविधियाँ, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, आईसीटी के विकास, स्वास्थ्य सेवा, छात्रों के लिए सुविधायें जिसमें शामिल हैं हॉस्टेलों, छात्रों को नॉन-एनईटी छात्रवृत्ति, यात्रा अनुदान, सम्मेलन/संगोष्ठी/परिसंवाद/ कार्यशाला, प्रकाशन अनुदान, परिदर्शन प्रोफेसर/विजिटिंग फेलों की नियुक्ति और कैरियर की स्थापना और काउंसिलिंग कक्ष, डे केयर सेंटर, महिलाओं के लिए मौलिक सुविधायें, और संकाय विकास कार्यक्रम आदि।

योजना अनुदान के अलावा, विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं को चलाने के लिए विश्वविद्यालय केंद्र तथा राज्य सरकार के निकायों से प्राप्त करता है जैसे कि ओड़िशा जैव विविधता बोर्ड, नाल्को फाउंडेशन, नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, हैदराबाद और विदेशी संस्थानों ( अर्थात् सेंटिगो डे कंपोस्टा विश्वविद्यालय, स्पेन)।

विश्वविद्यालय के लेखे का लेखा परीक्षण भारत के महा लेखा परीक्षण एवं नियंत्रक की ओर से शाखा कार्यालय, भुवनेश्वर, ओड़िशा के जरिये प्रधान लेखा परीक्षा निदेशक (केंद्रीय) हैदराबाद द्वारा होती है। जैसे कि अधिनियम में बताया गया है, वर्ष २०१५-१६ के लिए लेखा परीक्षित लेखा विवरण के साथ अलग से लेखा परीक्षक (एसएआर) और विश्वविद्यालय का उतर मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के जरिये को भारतीय संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखा गया था।

वित्तीय वर्ष २०१५-१६ के लिए विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखा लेखांकन मानकों में निर्धारित के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित प्रारूप के अनुसार उपचय आधार पर निर्धारित समय अनुसूची के अनुसार बनायी गयी है। वार्षिक लेखा (२०१५-१६) क्रमानुसार २९.०६.२०१६ को हुई बैठक में विश्वविद्यालय की वित्त समिति द्वारा अनुमोदित हो चुकी है।

अनुमोदिन वार्षिक लेखे (२०१५-१६) की लेखा परीक्षा प्रमाणन के लिए उप-निदेशक लेखा परीक्षक (केंद्रीय) भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा लेखा परीक्षा की गयी है। सांविधिक लेखा परीक्षक ने वार्षिक लेखे पर मसौदा अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी कर चुका है। मौसादा अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट को विश्वविद्यालय ने जारी कर दिया है।

अंतिम अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) प्राप्त करने पर, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखे के साथ अंतिम एसएआर और उसके साथ विश्वविद्यालय का उत्तर को वितरण द्वारा अगली बैठक में उनके अनुमोदन तथा विचार के लिए विश्वविद्यालय की वित्त समिति तथा कार्यकारी समिति के सामने रखा जाएगा। यह अनुमोदन हो जाने पर, उसी को संसद के दोनों पटलों पर पेश करने के लिए एमएचआरडी को भेजा जाएगा।

### वर्ष २०१५-१६ के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान का विवरण (राशि लाख रु में)

०१/०४/२०१५ अंत शेष	२०१५-१६ के दौरान प्राप्त			२०१५-१६ के दौरान प्रयुक्त राशि	३१/०३/२०१६ की स्थिति के अनुसार अंत शेष
	यूजीसी	आंतरिक एकाडेमिक प्राप्तियाँ (ब्याज आदि)	कुल		
९६६०.६३	१९८९.४९	८५९.६२	२८४९.११	१७७६.४५	१०७३३.२९



वित्तीय वर्ष २०१५-१६ के लिए विभिन्न प्रायोजित परियोजना लेखा पर  
प्राप्तियाँ एवं भुगतान विवरण निम्नप्रकार हैं :

राशि रु. में

क्र.	परियोजना का नाम	आदि शेष		वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ एवं वसूला	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	अंत शेष
		क्रेडिट	डेबिट				
१.	एथुरेटस परियोजना	१६८३१९			१६८३१९	८५०५९	८३२६०
२.	ओड़िशा जैव विविधता	९१२५८		७९२००	१७०४५८	३२०००	१३८४५८
३.	नेशनॉल कार्बन परियोजना			५८४५००	५८४५००	१४५२९०	४३९२१०
	<b>कुल</b>	<b>२५९५७७</b>		<b>६६३७००</b>	<b>९२३२७७</b>	<b>२६२३४९</b>	<b>६६०९२८</b>

३१ मार्च , २०१६ तक की तुलन पत्र

राशि रु. में

निधियों का स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष (२०१५-१६)	पूर्व वर्ष (२०१४-१५)
कर्पस/पूंजीगत निधि	१	८५,३८,०७,३५५.४४	६५,२५,२७,४५१.२१
नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	२	२५,००,०००.००	—
चालू देयतायें और प्रावधान	३	१,९९,९४,००,४०४.००	९९,१३,३४,८८९.४५
<b>कुल</b>		<b>२,८५,५७,०७,७५९.४४</b>	<b>१,६४,३८,६२,३४०.६६</b>
निधियों का प्रयोग	अनुसूची		
<b>स्थिर अस्तियाँ</b>	<b>४</b>		
मूर्त अस्तियाँ		१३,०३,१९,९७९.३८	१०,८३,७४,२८०.७४
अमूर्त अस्तियाँ		३,४१९.२०	५०,९६४.६०
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		६०,१०,७२,३४७.००	५०,६४,२६,३४६.००
<b>निर्धारित / बंदोबस्ती निधियों से निवेश</b>	<b>५</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
दीर्घावधि			
अल्पावधि			
<b>निवेश-दूसरों से</b>	<b>६</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
<b>चालू अस्तियाँ</b>	<b>७</b>	<b>१,४८,७८,१३,९२८.३२</b>	<b>९६,६०,६२,६९८.३२</b>
<b>ऋण, अग्रिम तथा जमा</b>	<b>८</b>	<b>६३,६४,९८,०८५.५४</b>	<b>६,२९,४८,०५१.००</b>
<b>कुल</b>		<b>२,८५,५७,०७,७५९.४४</b>	<b>१,६४,३८,६२,३४०.६६</b>
<b>महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ</b>	<b>२३</b>	<b>(०.००)</b>	<b>(०.००)</b>
<b>आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां</b>	<b>२४</b>		<b>२८५५८७४८४७</b>
			<b>२८५५८७४८४७</b>



३१ मार्च २०१६ को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखा

(राशि रु. में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष २०१५-१६	पिछला वर्ष २०१४-१५
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियाँ	९	६३,३२,५३२.००	६२,१६,३७५.००
अनुदान/सबसिडी	१०	१०,३५,०७,४०५.००	६,७६,५५,९५४.८९
निवेश से आय	११	-	
प्राप्त ब्याज	१२	७,६८,४५,३१२.००	५,३०,१४,९१२.८७
अन्य आय	१३	१५,५७,५७७.००	३८,५५६.००
पूर्व समय आय	१४	-	-
कुल (क)		१८,८२,४२,८२६.००	१२,६९,२५,७९८.७६
व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान/लाभ (स्थापना व्यय)	१५	४,८५,५३,२६७.००	३,७२,१८,८४८.००
शैक्षणिक व्यय	१६	७१,९६,०७१.००	३०,०८,०४०.००
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	१७	२,४५,७९,६३४.००	१,५६,६४,०८६.००
परिवहन व्यय	१८	१,३१,४५,५२४.००	८३,३७,८९२.००
मरम्मत तथा अनुरक्षण	१९	४५,३८,९६५.००	२४,८८,५३६.००
वित्तीय लागत	२०	२४,०९१.००	९,२३०.८९
अवमूल्यन	४	१,११,५६,०८६.७७	८३,८९,००७.१८
अन्य आय	२१	-	-
समय से पहले आय	२२	५४,६९,५२४.००	९,२९,३२२.००
कुल (ख)		११,४६,६३,१६२.७७	७,६०,४४,९६२.०७
व्यय पर अधिक आय शेष (क-ख) निर्दिष्ट निधि से स्थानांतरण		७,३५,७९,६६३.२३	५,०८,८०,८३६.६९
भवन निधि			
दूसरा बतायें			
अधिक शेष को (कमी) जिसे पूंजीगत निधि को स्थानांतरित किया गया		७,३५,७९,६६३.२३	५,०८,८०,८३६.६९
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	२३		
आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां	२४		

३१ मार्च २०१६ तक की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ  
३१ मार्च २०१६ को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ तथा भुगतान लेखा

राशि रु. में

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2015-16	पूर्व वर्ष 2014-15	भुगतान	चालू वर्ष 2015-16	पूर्व वर्ष 2014-15
घ. आदि शेष	-	-	घ. व्यय	-	-
क) शेष रोकड़	-	-	क) स्थापना व्यय	4,39,17,933.00	3,37,64,606.00
ख) बैंक में शेष	-	-	ख) शैक्षणिक व्यय	63,88,685.00	20,33,724.00
i. बचत खाता में संख्या.30877205145	23,27,40,934.87	19,98,71,438.00	ग) प्रशासनिक व्यय	1,60,48,481.00	1,35,12,559.00
ii. बचत खाता में संख्या.450502050000228	3,41,11,372.45	3,21,90,102.34	घ) परिवहन व्यय	1,17,44,710.00	73,41,726.00
iii. बचत खाता में संख्या.31694717652	68,91,37,326.00	2,82,46,551.00	ङ) अनुरक्षण तथा मरम्मत	41,10,421.00	8,33,918.00



प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2015-16	पूर्व वर्ष 2014-15	भुगतान	चालू वर्ष 2015-16	पूर्व वर्ष 2014-15
iv. बचत खाता में संख्या.33106758052	97,98,647.00	28,54,167.00	च) पूर्व अवधि के खर्च	53,59,071.00	5,99,770.00
v. बचत खाता में संख्या.33156750382	2,74,418.00	52,397.00	छ) वित्तीय लागत	24,091.00	9,230.89
II. प्राप्त अनुदान	-	-	II. विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधियों से भुगतान	-	-
क) भारत सरकार से	19,89,49,000.00	77,58,25,000.00	विश्वविद्यालय अनुसंधान परियोजना	-	-
ख) राज्य सरकार से	-	-	एथुरेट्स परियोजना	85,059.00	66,511.00
ग) दूसरों से	-	-	ओड़िशा जैव विविधता बोर्ड	32,000.00	7,742.00
(पूँजीगत एवं राजस्व व्यय के लिए अनुदान यदि उपलब्ध हो तो अलग से दिखाया जाएगा)	-	-	नाल्को फाउंडेशन	85,000.00	-
			नेशनल कार्बन परियोजना	1,45,290.00	-
III. शैक्षणिक प्राप्तियाँ	-	15,37,125.00	III. प्रायोजित परियोजना/योजनाओं के लिए भुगतान	-	-
IV. निर्धारित /बंदोबस्ती निधियों से प्राप्तियाँ	-	-	IV. प्रायोजित छात्रवृत्ति /फेलोशिप के लिए भुगतान	4,29,105.00	-
V. प्रायोजित परियोजनाएं /योजनाओं के लिए प्राप्तियाँ	11,13,700.00	3,33,830.00	V. निवेश एवं जमा किया		
			क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों में से	-	-
			ख) निजी निधियों में से (निवेश-अन्य )	-	-
VI. प्रायोजित छात्रवृत्ति/फेलोशिप से प्राप्तियाँ	2,44,000.00	-	VI. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	-	-
VII. निवेश पर आय	-	-	VII. स्थिर अस्तियाँ और कार्य प्रगति पर व्यय	-	-
क) निर्धारित /बंदोबस्ती निधि से	-	-	क) स्थिर अस्तियों की खरीद	89,64,120.00	30,28,270.00
ख) अन्य आय से	-	-	ख) पूँजीगत कार्य प्रगति पर	6,99,82,311.00	-
VIII. ब्याज प्राप्त किया	-	-	VIII. अन्य भुगतान (बतायें)	-	-
क) बैंक जमाओं से	-	26,02,651.00	i. कर्मचारियों के व्यय के लिए अग्रिम	17,74,675.00	24,56,237.00
ख) टीडीआर लेखा से	7,54,141.00	-	ii. व्यय के अग्रिम (दूसरों के लिए )	9,26,472.00	7,24,520.00
घ) एफएफडी लेखा से	7,60,91,171.00	5,08,29,286.87	iii. विविध ऋणकर्ता	7,83,697.00	-
IX. निवेश नकदीकरण किया गया	-	-	IX. अनुदान की वापसी	-	-
X. एसबीआई, मुख्य शाखा, भुवनेश्वर में सावधि जमा	-	-	X. जमा एवं अग्रिम	-	5,82,01,689.00
XI. इंडियन बैंक, भुवनेश्वर में सावधि जमा	-	-	XI. अन्य आय	68,44,267.00	1,14,93,137.00
XII. जमा और अग्रिम	-	10,75,944.00	XII. शेष नगद	-	-
			क) हाथ में रोकड़	-	-
XIII. वैधानिक प्राप्तियों को मिलाकर विविध प्राप्तियाँ	12,80,618.00	25,021.00	ख) बैंक में शेष	-	-
XIV. किसी अन्य प्रकार की प्राप्तियाँ	15,304.00	-	i. बचत खाता में, संख्या .33106758052	1,77,46,944.00	97,98,647.00
क) प्रवेश शुल्क (छात्र )	1,69,205.00	34,61,440.00	ii. बचत खाता में संख्या.33156750382	6,98,136.00	2,74,418.00
ख) आवेदन शुल्क(नियुक्ति)	1,10,550.00	6,250.00	iii. बचत खाता में, संख्या.30877205145	25,25,07,512.87	23,27,40,934.87
ग) वार्षिक परीक्षा शुल्क	34,99,910.00	2,90,900.00	iv. बचत खाता में, संख्या.450502050000228	3,63,85,843.45	3,41,11,372.45
घ) हास्टेल शुल्क	9,61,430.00	7,47,860.00	v. बचत खाता में, संख्या.31694717652	76,59,89,563.00	68,91,37,326.00
ङ) पंजीकरण शुल्क	87,000.00	75,200.00	vi. चालू खाता में, संख्या.33105489656	732.00	-
च) परिवहन शुल्क	3,07,600.00	67,690.00			
ज) खेलकूद शुल्क	40,200.00	36,200.00			
झ) निविदा प्रपत्र की बिक्री	20,000.00	7,000.00			
ii) आरटीआई आवेदन शुल्क	950.00	285.00			
XV. किसी अन्य प्राप्तियाँ ( विवरण दें)	7,10,142.00	-			
i) चिकित्सा शुल्क	59,600.00	-			
ii) परिचय पत्र शुल्क	20,100.00	-			
iii) ट्यूशन शुल्क	4,76,800.00	-			
<b>कुल</b>	<b>1,250,974,119.32</b>	<b>1,100,136,338.21</b>	<b>कुल</b>	<b>1,250,974,119.32</b>	<b>1,100,136,338.21</b>



## कंप्यूटर केंद्र

### आईटी सेवा प्रबंधन

वर्तमान उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए दो प्रॉक्सी सर्वर का उपयोग किया जा रहा है। इंटरनेट उपयोग के लिए लॉग इन / पास वर्ड तैयारी करने के लिए तथा अप्रामाणिक पहुंच तथा वायरससे नेटवर्क को सुरक्षित रखने के लिए एक फायरवाल का प्रस्ताव रखा गया है। प्रत्येक उपयोगकर्ता को लॉग इन आईडी और पासवर्ड प्रदान करने के लिए एक विंडोज सर्वर का प्रस्ताव रखा गया है और प्रयोगशालाओं का कंप्यूटर सिस्टम को चलाने और सर्वर में उनकी आंकड़ों को सर्वर सुरक्षित रखने के लिए इस सर्वर काम में आएगा।

### सूचना सुरक्षा

एक फायरवाल खरीदने की प्रक्रिया में है। इसके बाद कंप्यूटर सिस्टम वायरस और अप्रामाणिक पहुंच से सुरक्षित रहेगा और इस के साथ साथ अधिक सुरक्षित एवं रोबस्ट रहेगा।

### जोरिखम प्रबंधन

वर्तमान हम किसी प्रकार की क्रांतिक मिशन सिस्टम का उपयोग नहीं करते हैं इसलिए हमें करेंट सेटअप के लिए कोई उन्नत जोरिखम प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकता नहीं है। यदि कंप्यूटर सिस्टम/सर्वर में कोई समस्या आती है तो मौलिक प्रक्रिया के रूप में बेकअप या रिइनस्टालेशन किया जाता है। भविष्य में जोरिखम प्रबंधन हम खरीद सकते हैं।

### सॉफ्टवेयर सामग्री प्रबंधन

वर्तमान संपत्ति का प्रबंधन हाथ से किया जाता है। हम वर्तमान आईआईटी, कानपुर द्वारा विकसित वृहस्पति ३ सॉफ्टवेयर खरीदने जा रहे हैं जिसमें लेखा प्रबंधन, हार्वेस्ट प्रबंधन और सामान प्रबंधन के लिए अलग अलग मॉड्यूलस रहे हैं।

### ओपन सोर्स संसाधन

ओपन ऑफिस, उबुंटू, ऑपरिंटिंग सिस्टम, फेडोरा ऑपरिंटिंग सिस्टम, जावा, सी आदि जैसे कंप्यूटर प्रयोगशाला में विभिन्न ओपन संसाधन सॉफ्टवेयरों का उपयोग किया जाता है।

### ग्रीन कंप्यूटिंग

अधिकांश कंप्यूटर सिस्टम और प्रिंटर एनर्जी स्टार के हैं। एक शैक्षणिक संस्थान होने के नाते पेपरहीन कंप्यूटिंग में शामिल होना और वातावरण के महत्व के बारे में सब को सचेतन होना चाहिए। एक नया विश्वविद्यालय होने के नाते, हमारे पास इलेक्ट्रॉनिक कचरे को विनाश करने के लिए कोई सामान नहीं है।

### संरचना

क्रमांक	मद	निर्माता	परिणाम
१	स्वीच	डीलिंग, सिसको २४ पोर्ट	०८
२.	रुटर	डी लिंग डीएल ६०० जूनिपेरर एम १०१	०२०१
३.	इपीएबीएक्स सिस्टम	कोराल डीएक्स, २०००, चालिस उपयोगकर्ता तक	०१
४.	कंप्यूटर	एचसीएल, एचपी, लेनेवो	१९४
५.	यूपीएस ५ केवीए ऑनलाइन	आपआलब-०१, एसीइ-०५	०६
६.	यूपीएस ६ केवीए ऑनलाइन	एपीसी	०१
७.	यूपीएस १० केवीए ऑनलाइन	एपीइ	०१
८.	यूपीएस ६५० वीए	एपीसी	१६
	यूपीएस ५०० वीए	एपीसी, बीआईटीइएसी, एएमआरइएक्स	०३
	यूपीएस १.१ केवीए	एपीसा	१०
	यूपीएस १ केवीए	एसीइ	१६
९.	स्कानर	एचपी जी २४१० एचपी स्केनजेट २००	१३०३
१०.	प्रिंटर	एचपी लेजरजेट/काननएचपी इंकजेटरिको लेजरजेटसमसंग कोलार	३७०१०२०१
११.	विडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण	पॉलिकॉम एचडीएक्स ७०००	०१

कंप्यूटर छात्रों का अनुपात : ९२/८९३.१०

### समर्पित कंप्यूटर सेवाएं

जेएमसी, गणित विज्ञान, जैवविविधता एवं बीसीए विभाग के छात्रों को समर्पित कंप्यूटर सेवा प्रदान की जाती हैं।

### एलएएन सेवा

पुराने परिसर के सभी कंप्यूटरों को लोकल एरिया नेटवर्क सुविधा से जोड़ा गया है। नये परिसर में केवल पुस्तकालय ब्लॉक को एलएएन सुविधा से जोड़ा गया है।

### मालिकाना सॉफ्टवेयर

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इस्तेमाल किये जा रहे प्रोपाइटरी सॉफ्टवेयर की सूची इस प्रकार है :

क्रमांक	साफ्टवेयर का नाम	विभाग
१.	टॉली साफ्टवेयर	वित्त विभाग
२.	आर्कजीआईएस	जैव विविधता विभाग
३.	इराडस एएमजीएस	जैव विविधता विभाग
४.	आईबीएम एसपीएसस	जैव विविधता विभाग
५.	विडो ऑपरटिंग सिस्टम्स	विश्वविद्यालय
६.	ओपन ऑफिस/यूबंट/फेडोरा ऑपरटिंग सिस्टम्स / मोजिता /ऑपेरा ब्राउजर /विनॉर /गुगल अर्थ आदि (ओपन सोर्स)	विश्वविद्यालय

### इंटरनेट सेवा सहित नोड और कंप्यूटरों की संख्या

इंटरनेट सेवा सहित १६३ ( एक सौ तिरसठ) कंप्यूटर हैं। सभी कंप्यूटरों को इंटरनेट सेवा से जोड़ने के लिए काम चल रहा है।

### आईटी संरचना के तैनाती और उन्नयन के लिए संस्थागत योजनायें और रणनीतियाँ

- वर्तमान पाँच कंप्यूटर प्रयोगशाला कार्यरत हैं। बेहतर नेटवर्क प्रबंधन और सूचना सुरक्षा के लिए, हम फायरवाल खरीदने की योजना बना रहे हैं। पूरे परिसर को वाईफाई सेवा से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय सूचना केंद्र सेवा इंक (ऽण्णए) काम कर रहा है।
- माइक्रो एक्सेल जैसे मौलिक सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए कंप्यूटरों और सहायक उपकरणों को काम चलाया जा रहा है। आईआईटी कानपुर द्वारा निर्मित बृहस्पति ३ सॉफ्टवेयर खरीदने की प्रक्रिया में हम चला रहे हैं। जो मालसूची बनाये रखने के लिए कई माडूल रखा है।
- दो कंप्यूटर प्रयोगशालाओं को एनकेएन से जोड़ा गया है। परिसर को वाईफाई से जोड़ने के लिए एनआईसीएसआई के माध्यम से प्रक्रिया जारी है और इस संबंध में एनआईसीएसआई और कुलपति, सीयूओ के बीच एक समझौता हस्ताक्षरित हो चुका है।

## मुख्य परिसर का संरचनात्मक और विकास

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा की स्थापना संसद की अधिनियम , २००९ के तहत स्थापना हुई है। परिसर में कई संरचनात्मक विकास के का सारांश इस प्रकार है ;

### भवन

- राज्य सरकार द्वारा आबंटित ४३०.३७ एकड़ जमीन की चारों ओर लंबाई की दीवार बनाई गई।
- २,९५७ वर्ग मीटर पर तीन मंजिल वाला एक अतिथि भवन का निर्माण हुआ है जिसमें ३२ कमरे हैं और ८ सूट है जिसमें लिफ्ट का प्रावधान है।
- ७,७३५ वर्ग मीटर पर छात्रों के लिए तीन मंजिल वाला छात्रावास का निर्माण हुआ है जिसमें कमरों हैं प्रत्येक का आकार १०५ वर्गफुट है। (।
- १,७०० वर्ग मीटर पर शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण हुआ है जिसमें १६ कमरों हैं।
- मौजूदा शैक्षणिक ब्लॉक के समान एक अतिरिक्त शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण हुआ है।
- पुस्तकालय ब्लॉक ७७५ वर्ग मीटर पर निर्माण हुआ है।
- परिसर में एक कैटीन का निर्माण हुआ है। एक विस्तारित छत बड़ा स्थान के लिए प्रदान किया गया है।
- सड़कों और इमारतों के लिए वास्तुशिल्प डिजाइन के साथ परिसर का मास्टर प्लान प्रगति पर है।



### जल आपूर्ति

- स्रोत से परिसर तक जल आपूर्ति सुनाबेढा जलाशय तक सभी दृष्टि से पूरा हो चुका है यह कार्य ओडिशा सरकार के (पीएचडी विभाग) के माध्यम से हुआ है।
- हिलटॉप जलाशय से सम्प तक जल पंपिंग के लिए आंतरिक जल आपूर्ति का काम प्रत्येक भवन में पूरा हो चुका है। छात्रों के लिए छात्रावास और छात्राओं के लिए छात्रावास में एक एक संप का निर्माण हो चुका है जिसमें एक लाख लीटर तक जल रहता है। २ एचपी का सेंट्रीफ्यूगल पंप के अलावा सबमर्सिबल पंप दिया गया है। उपर्युक्त कार्य पी एच के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय की निधियों से लिया गया है।
- भवनों में निर्मित टैपों तक जल आपूर्ति स्रोत आपूर्ति से जल आपूर्ति परियोजना का ऑपरेशन तथा अनुरक्षण का काम केवल छ: महीने के लिए राज्य पी एच. डिविजन को सौंपा गया है

### बिजली

- राज्य सरकार द्वारा सब-स्टेशन से परिसर तक बाह्य ११ केवी बिजली की आपूर्ति का काम पूरा हो चुका है। विश्वविद्यालय साउथको से ७५० केवीए बिजली प्राप्त करता है।
- विश्वविद्यालय का आंतरिक बिजली आपूर्ति के लिए, विश्वविद्यालय ने फीडर लाइन, सप्लाय लाइन, फोर पोलस पैनल, ट्रांसफरमर, इंटरनॉल विंग और फिटिंग्स आदि का निर्माण किया है।
- विश्वविद्यालय द्वारा परिसर में २५० केवीए उच्च क्षमता वाला चार ट्रांसफरमर प्रदान किया गया है और पीएच डिविजन द्वारा प्रदत्त जल को ऊपर उठाने के लिए १०० केवीए का एक ट्रांसफरमर लगाया गया है।
- परिसर में स्ट्रीट लाइट की उचित व्यवस्था के लिए प्रवेश द्वारा से अंतिम प्रवेश द्वारा और सभी सड़कों के साथ हिल टॉप जलाशय तक प्रावधान रखा गया है।
- केलोनिवि के माध्यम से अतिथि भवन में लिफ्ट प्रावधान रखा गया है।
- हॉस्टेल की चारो तरफ हाई मांस लाइट, लॉन लाइट का प्रावधान बनाया गया है और इसका निर्माण कार्य प्रगति पर है।

### पहुंच मार्ग

- एन. एच. से मुख्य परिसर को एक पहुंच मार्ग राज्य सरकार (निर्माण विभाग) द्वारा बनाया गया है। रोड निर्माण कार्य में २.२ की.मी. एक पैच पर निर्माण किया गया है।
- सड़क पार्श्व की लाइट परिसर तक एप्रोच सड़क तक भी स्ट्रीट लाइट स्थानीय नगरपालिका परिषद द्वारा प्रदान किया गया है।
- आंतरिक सड़कें विश्वविद्यालय द्वारा बनायी जा रही हैं। प्रवेश द्वारा से छात्रावास के बाद गांव के पास प्रवेश द्वारा तक सड़क निर्माण का कार्य प्रगति पर है।
- शड़क पार्श्व का ड्रेन का काम के साथ सड़क आर आर काम का प्रस्ताव रखा गया है।
- छात्रों के लिए छात्रावास की दीवारों की ऊंचाई तीन मीटर तक बढ़ाई गयी है और ग्रिल गेट और सुरक्षा कर्मियों का कमरा प्रगति पर है।
- छात्रों के लिए छात्रावास की दीवार का काम हो रहा है जिसके साथ सीमा की दीवारों पर चेन लिंकेज विनिर्दिष्ट के अनुसार बनाया गया है।
- अलग अलग जगहों पर रोड साइड लाइटिंग, हाई मास्ट लाइटिंग की सुविधा, का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- परिसर की चारो ओर मृत्तिका संरक्षण, झाड़ी सफाई का काम स्थानीय मजदूरों और मशीनारी की सहायता से पूरा हो चुका है।

### वृक्षरोपण

- पाँच हेक्टर जमीन पर वन विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा लगभग ८००० पौधे लगाये गये हैं। वर्ष १६-१७ के दौरान आगे का वृक्षरोपण का काम प्रगति हो चुकी है।

### बागबानी

- विश्वविद्यालय ने केलोनिवि के माध्यम से हॉस्टेल, शैक्षणिक ब्लॉक और अतिथि भवन के परिसर के अंदर बागबानी का काम हाथ को लिया है।

### इंटरनेट सुविधा

- इंटरनेट सुविधा प्रदान के लिए विश्वविद्यालय ने १ जीबी का कनेक्सन बीएसएनएल लिया है। एक रूटर की खरीद एनआईसी के जरिये किया गया है और एक सर्वर कमरा काम करने लगा है। पुस्तकालय भवन में अवस्थित दो कंप्यूटर प्रयोगशाला को इंटरनेट सुविधा पहुँचाया गया है।
- पूरे परिसर को इंटरनेट सल्युशन और वाई-फाई प्रदान के लिए सर्वेक्षण का काम प्रगति पर है।

### जमीन

- ओडिशा सरकार ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए मुफ्त में ४३०.३७ एकड़ जमीन विश्वविद्यालय के नाम में आंबटित किया है।
- लीज डीड जिलापाल, कोरापुट और कुलपति, सीयूओ के बीच में हुआ है। जमीन की मालाकाना का बदलाव का काम प्रगति पर है।

## विश्वविद्यालय समाचार

### अंतरराष्ट्रीय योग दिवस- २०१५ का आयोजन

विश्वविद्यालय ने दिनांक २१ जून २०१५ को प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बताने के लिए अपने लांडीगुडा, कोरपुट परिसर में बड़ी धूमधाम से प्रथम वार्षिक अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया। विश्वविद्यालय द्वारा प्राचीन भारतीय विषय योग का आधुनिक समारोह आयोजित किया। प्रो. तलत अहमद, कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का संदेश को सूचित किया। यथानुसार प्रो. किशोर चंद्र राउत, अधिष्ठाता, विश्वविद्यालय शैक्षणिक विभाग के तत्वावधान में योग अभ्यास किया गया। यह कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायक था।

### प्रो. मुहम्मद मियाँ को विदाई देने के लिए और प्रो. तलत मुहम्मद, नये कुलपति को स्वागत करने के लिए कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने दिनांक ०४ जुलाई २०१५ को अपने लांडीगुडा परिसर में भूतपूर्व कुलपति प्रो. मुहम्मद मिया को विदाई दी। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दूसरे कुलपति प्रो. मुहम्मद मियाँ का कार्यकाल जून २०१५ को समाप्त हो गया। प्रो. तलत अहमद, कुलपति, जामिया मिलिया इस्लामिया को पुष्पगुच्छ दिया गया। प्रो मियाँ को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की ओर एक स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

### पुस्तक प्रदर्शन

भारत में पुस्तकालय विज्ञान के पिता डॉ. एस. असा. रंगनाथन के १२२ जन्म दिवस के अवसर पर दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शन विश्वविद्यालय के सुनाबेढा, कोरापुट स्थित स्थायी परिसर में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर दिनांक १२-१३ अगस्त को आयोजित किया गया था। प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में सफलता पूर्वक पुस्तक प्रदर्शनी के लिए हार्दिक शुभेच्छा दी।



## The President | Shri Pranab Mukherjee of India



भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों का परिदर्शक वर्ष के दौरान दो बार भारत के सभी उच्चतर शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के छात्रों, संकायों और कर्मचारियों को संबोधन किया है।

उनका प्रथम संबोधन दिनांक १० अगस्त २०१५ को " भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को मजबूत करना " शीर्षक पर

उनका दूसरा संबोधन दिनांक १९ जनवरी २०१६ को " युवा और राष्ट्र निर्माण " शीर्षक पर।

दोनों संबोधन नेशनल नलेज नेटवर्क (एनकेएन), भारत सरकार द्वारा आयोजित विडियो कनफरेंसिंग के माध्यम से आयोजित हुआ था। विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विडियो कनफरेंस स्टुडियो में उपस्थित थे।

### केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा में ६९वें स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, दो स्वास्थ्य केंद्रों का शुभारंभ हुआ और वृक्ष रोपण किया गया

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट ने दिनांक १५ अगस्त, २०१५ को धूमधाम से ६९वें स्वतंत्रता दिवस मनाया। प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने लांडीगुडा, कोरापुट स्थित विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा फहराया और कर्मचारियों, छात्रों और आसपास के गांवों के स्कूल बच्चों को संबोधन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दोनों परिसरों में दो स्वास्थ्य सेवा केंद्रों का उद्घाटन किया। छात्रों को निःशुल्क औषध वितरण किया जाएगा। वन विभाग, कोरापुट की सहायता से दोनों परिसरों में वृक्षरोपण किया गया।

### ७वें स्थापना दिवस कार्यक्रम

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट ने दिनांक २९ अगस्त, २०१५ को कोरापुट में लांडीगुडा परिसर में अपना ७वें प्रतिष्ठा दिवस कार्यक्रम मनाया। इस समारोह में कुलपति प्रो. (डॉ.) सचिदानंद मोहांति ने अध्यक्षता की, और विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए प्रवेश और समानता जैसे दो मंत्रों को अनुपालन करने पर जोर दिया। उन्होंने आसपास गांवों के साथ भागीदारी दृष्टिकोण पर जोर दिया है ताकि विश्वविद्यालय इस क्षेत्र के विकास को सहायता कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने गांवों के विकास के लिए ग्राम विकास परिषद का आरंभ किया जिसके लिए विश्वविद्यालय प्राथमिक चरण में विश्वविद्यालय कई ग्रामों को ग्रहण करेगा।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय झंडा फहराकर कार्यक्रम आरंभ हुआ। स्थापना दिवस व्याख्यान श्री मलय दे, महाप्रबंधक, हिंदुस्तान एरोनेटिकॉल लिमिटेड, सुनाबेढा ने दिया। उन्होंने बताया कि परिवर्तन के दूतों की भूमिका छात्रों को निभाना है। उन्होंने जोर दिया कि जीवन की सफलता पाने के लिए डिजिटल एरा में अद्यतन होने की जरूरत है। छात्रों को केवल परीक्षा में अंक पाने के लिए पढ़ना नहीं चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि छात्रों में कौशल विकास की आवश्यकता है और उन्होंने कहा कि छात्रों में तकनीकी विकास होना चाहिए। उन्हें उच्च स्तर तक पहुँचाने के लिए छात्रों को डिजिटल संचार प्रक्रिया को अपनाना चाहिए।

मुख्य अतिथि ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल राजिव सिंह चौहान ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

इस अवसर पर छात्रों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो स्पष्ट रूप से सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता को दर्शाता है।



केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट की स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम-२००९ के तहत स्थापित की गयी थी। विश्वविद्यालय भारत में उच्च शिक्षा और शिक्षण के एक प्रमुख संस्थान बन चुका है।

### युवा बदलाव कार्यक्रम के तहत जर्मन के छात्रों ने ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिदर्शन किया

जर्मन से छात्रों के प्रतिनिधियों ने दिनांक ११ सितम्बर, २०१५ को विभिन्न कार्यक्रमों में छात्रों को शिक्षण और दिये जा रहे प्रशिक्षण के उपायों और पद्धतियों के बारे में सीखने के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा का परिदर्शन किया। इस दल में आलब्रक्टस केइल विश्वविद्यालय, जर्मनी, होकसूल फूर आंगेवांडेट विसेनचाफटेन, हमबर्ग ऑफ जर्मन के १२ छात्र थे, जयपुर एवानजेलिकल लूथैरॉन चर्च द्वारा युवा बदलाव कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय का परिदर्शन किया। उनके भ्रमण के दौरान एक सम्मेलन में विश्वविद्यालय उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों के विभिन्न विभागों का परिदर्शन किया। उन्होंने लांडिगुडा और सुनाबेढा स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय आडिशा क जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य, शिक्षक शिक्षा, गणित विज्ञान और समाज विज्ञान विभाक के छात्रों से अपना अनुभव और विचारों द्वारा विचार विमर्श किया।

### कोरापुट में पाँच जनजाति गांवों को दत्तक ग्रहण किया

दिनांक २५ सितम्बर, २०१५ को केंद्रीय विश्वविद्यालय आडिशा, कोरापुट ने सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए विश्वविद्यालय के आसपास पाँच गांवों को दत्तक के रूप में ग्रहण किया है। यह पहल भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे उन्नत भारत अभियान के तहत लिया गया है, इसका लक्ष्य है समावेशी भारत की निर्माण में सहायता करने के लिए ज्ञान अर्जन संस्थानों द्वारा ग्रामीण विकास प्रक्रिया में बदलाव लाना है। सुनाबेढा का चिकपार गांव में आयोजित विश्वविद्यालय का उन्नत भारत अभियान का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति ने किया। विश्वविद्यालय के आसपास पाँच गांवों को चिकपार, चकरिलिपुट, राजपालमा, बालडा और नूआगुड गांवों को दत्तक के रूप में ग्रहण करने के लिए विश्वविद्यालय ने घोषणा की। कुलपति ने ग्रामीण लोगों के शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल शिक्षा, स्वच्छता और कौशल विकास पर जोर देने के लिए, ग्रामीण लोगों के विकास के लिए आवश्यकताओं पर जोर दिया है। विश्वविद्यालय गांव क सर्वेक्षण के लिए क्षेत्र कार्य पर कदम उठाएगा। १२ से २० वर्ष की उम्र वाले ग्रामीण छात्रों को शैक्षणिक और कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम के लिए गतिविधियाँ की जाएंगी। विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए गांव के छात्रों को कोचिंग दिया जाएगा और अंग्रेजी तथा गणित में प्रवीणता के लिए कोचिंग दिया जाएगा। अपनाये गये पाँच गांवों के लोगों ने उनके उत्साह को व्यक्त किया।

### गांधी जयंती तथा अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस आयोजन

विश्वविद्यालय ने अपने सुनाबेढा परिसर में दिनांक २ अक्टूबर २०१५ को राष्ट्र के पिता महात्मा गांधी जी के १४६वें जन्म वार्षिक को धूमधाम से गांधी जयंती तथा अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने महात्मा गांधी के मूर्ति पर पुष्पमाला देकर और द्वीप प्रज्वलित करके किया। इसके बाद गांधी जी के प्रिय गीत बैष्णव जन तो विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा गाया गया। गांधी शांति फाउंडेशन से प्राप्त शपथ कुलपति द्वारा दिलाया गया। कुलपति ने अपने संबोधन में गांधी जी के जीवन शैली, विचारधारा और गतिविधि और वर्तमान समाज पर जोर दिया। अहिंसा की भावना की प्रशंसा पूरे विश्व द्वारा प्रशंसित है और यून द्वारा मान्यताप्राप्त है। यून ने महात्मा गांधी के जन्म दिन २ अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में घोषित किया है। गांधी जयंती और अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर दिनांक ३० सितम्बर को परिवेश सचेतनता ओ गांधीजी ओडिया भाषा, पर्यावरणीय चेतना और गांधीजी हिंदी में और एनवारोनमेंटाल कनसियसनेस अंग्रेजी में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी, प्रत्येक वर्ग के विजेताओं को इस अवसर पर पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र कुलपति ने प्रदान किया गया।

### सर्दार बल्लभभाई पटेल के १४० वे जन्म दिवस का आयोजन

विश्वविद्यालय ने ३१ अक्टूबर २०१५ को बड़ी धूमधाम से कोरापुट परिसर में सरदार बल्लभभाई पटेल के १४०वें जन्म दिवस समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने सरदार बल्लभभाई पटेल की मूर्ति पर पुष्पमाला देकर और द्वीप प्रज्वलित करके किया जिनका जन्म ३१ अक्टूबर १८७५ को गुजरात राज्य के करमसंड में हुआ था। सफल कानून अभ्यास के साथ बैरिस्टर के रूप में, महात्मा गांधी के तहत भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया और महात्मा गांधी जी के अनुयायियों में से एक बन गये। गुजरात के खेद, बोरसद और बरडोली में किसान आंदोलन आयोजन करने में उनकी मुख्य भूमिका रही थी और अंग्रेज साम्राज्य के विरोध में भारत छोड़ आंदोलन को बढ़ाव दिया था।

### सतर्कता सप्ताह - २०१५ मनाया गया

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा ने एचएएल, सुनाबेढा के सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजन किया। विश्व विद्यालय के दोनों परिसरों में दिनांक १६ अक्टूबर २०१५ को भ्रष्टाचार की बुराई और भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए युवाओं की भूमिका पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी।

### भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेदकर के १२५ जन्म दिवस की याद में संविधान दिवस मनाया गया

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने स्थायी परिसर सुनाबेढा में भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेदकर के १२५ जन्म दिवस की याद में संविधान दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने डॉ. अंबेदकर की मूर्ति पर पुष्पमाला देकर और द्वीप प्रज्वलित करके किया जिनका। परिसर में १२५वें जन्म वार्षिकी के अवसर पर भारतीय संविधान के पिता, महान स्वतंत्रता सेनानी, दार्शनिक और प्रख्यात सामाजिक विचारक डॉ. अंबेदकर को श्रद्धांजलि प्रदान की गयी।



### एरासमुस मुंडुस कार्यक्रम की यूफ्राटस परियोजना पर कार्यक्रम

एरासमुस मुंडुस कार्यक्रम की यूफ्राटस परियोजना की संभावनाओं और गतिविधियों को प्रसार करने के लिए दिनांक २ दिसम्बर २०१५ को अपने नये परिसर में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट और सांटेएगो डे कोम्पोस्टेला विश्वविद्यालय, स्पेन के बीच हुई समझौता के साथ वर्ष २०१३ से हुई है। इस संबंध में तीसरा कॉल की घोषणा १७ नवम्बर २०१५ से ७ जनवरी २०१६ तक की गयी है। यह परियोजना मूलतः प्राकृतिक विज्ञान के छात्रों के लिए है और इसलिए यूरोपियन विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, गणित विज्ञान तथा सांख्यिक विज्ञान के छात्र प्रमुख हितधारक थे। इस बैठक की प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा की अध्यक्षता में हुई। डॉ. काकोली बनर्जी ने छात्रों को परियोजना के लक्ष्य तथा उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया।

### स्वामी विवेकानंद का जन्म वार्षिकी समारोह

विश्वविद्यालय ने दिनांक १२ जनवरी २०१६ को अपने सुनाबेदा परिसर में बड़े धूमधाम से स्वामी विवेकानंद के जन्म वार्षिकी और राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति पर पुष्पमाला देकर और द्वीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर आज के युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद जी शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रो. अमूल्य रंजन महापात्र, कोरापुट में रामकृष्ण आश्रम के प्रतिष्ठाता, प्रख्यात लेखक तथा सामाजिक विचारक इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे।

### नया शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन

विश्वविद्यालय में नया शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति ने दिनांक २२ जनवरी २०१६ को किया। एक विशेष कार्यक्रम नया शैक्षणिक ब्लॉक के उद्घाटन सत्र को मनाने के लिए आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय के सुनाबेदा परिसर में नये रूप से निर्मित शैक्षणिक ब्लॉक दूसरा शैक्षणिक ब्लॉक है।

### सीयूओ हॉस्टेल प्रीमियर लिग क्रिकेट टूर्नामेंट

सीयूओ हॉस्टेल प्रीमियर लिग क्रिकेट टूर्नामेंट २०१६ दिनांक २२-३० जनवरी २०१६ के दौरान छात्रावास के अंतेवासियों द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा ने किया था। पहला मैच टैस कुलपति ने फेंका। चैम्पियन ट्राॉफि को पाने के लिए चार दलों ने भाग लिया था, चार दलों के बीच छः लिग मैच खेला गया उन दलों का नाम है सुनाबेदा स्टार, सिमलिगुडा स्मार्ट, कोरापुट किंग और जयपुर जागुआर। अंतिम मैच दिनांक ३० जनवरी २०१६ को कोरापुट किंग और सुनाबेदा स्टार के बीच में खेला गया। सुनाबेदा स्टार दल टूर्नामेंट को जीता।

### राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) कक्ष का उद्घाटन

प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा ने दिनांक २२ जनवरी २०१६ को संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों की मौजूदगी में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद कक्ष का उद्घाटन किया। डॉ. एस के पातिल एनएएसी का अध्यक्ष है और एनएएसी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक स्वायत्त संस्थान है, से मान्यता की प्रक्रिया में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष (आईक्यूएसी) के निदेशक भी है। केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा की स्थापना संसद की अधिनियम २००९ के तहत स्थापित किया गया था और विश्वविद्यालय पहली बार मान्यता के लिए आवेदन कर रहा है। विश्वविद्यालय का एनएएसी कक्ष संचालन समितियों के सभी सदस्यों से पहले से ही परामर्शदात्री बैठकों की एक श्रृंखला पूरी कर ली है।

### शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन

शिक्षक शिक्षा विभाग ने दिनांक ३ फरवरी २०१६ को विश्वविद्यालय के सुनाबेदा स्थित स्थायी परिसर में एक क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. रमेश कुमार पारही, विभागाध्यक्ष प्रभारी, शिक्षक शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों की मौजूदगी में किया। शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रशिक्षित शिक्षकों ने पेपर शिल्प, सजावटी शिल्प, कार्यात्मक शिल्प और वस्त्र शिल्प पर प्रस्तुत किया और प्रदर्शित किया। सभी विभागों के संकाय सदस्यगण और कर्मचारियों ने क्राफ्ट प्रदर्शनी का परिभ्रमण किया और क्राफ्ट प्रदर्शनी के बारे में उनकी फीडबैक और टिप्पणी दिया।

### जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन पर आमंत्रित वार्ता

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संपदा विभाग द्वारा दिनांक १० फरवरी २०१६ को जैवविविधता एवं संरण पर एक आमंत्रित वार्ता आयोजन किया। प्रो. शैलबाला पाठी, निदेशक, वतावरण अध्ययन केंद्र, ओडिशा पर वार्ता प्रदान किया। प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने छात्रों तथा विद्यार्थियों से बताया कि जैवविविधता का अनुसंधान प्रयोगशालाओं के अंदर सीमित नहीं होनी चाहिए और इसका लाभ आम जनता के पास पहुंचना चाहिए और उनकी आजीविका में मदद होनी चाहिए और प्रकृति के संरक्षण होने चाहिए। इस संगोष्ठी में प्रो. मलय कुमार मिश्रा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर तथा वरिष्ठ परामर्शदाता, और डॉ. आर.के. पाणिग्राही, सेवानिवृत्त सीडीएमओ, कोरापुट उपस्थित थे।



### अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस- २०१६ का आयोजन

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस - २०१६ का आयोजन दिनांक ८ मार्च २०१६ को विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर सुनाबेढा में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया है। यह कार्यक्रम सीयूओ की अंतरिम शिकायत समिति (आईसीसी) द्वारा आयोजित हुई थी। प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी। सुश्री ललिता, नौवीं कक्षा की छात्रा, दिल्ली पब्लिक स्कूल, दामनजोडी को गुगल विज्ञान मेला के साइंटिफिक अमेरिकॉन कम्युनिटी इंपाक्ट प्रभाव को इस समिति के सम्मानित अतिथि प्रदान किया। डीपीसी, दामनजोडी की विज्ञान शिक्षयित्री श्रीमती पल्लबी महापात्र विशेष अतिथि थीं। सीयूओ छात्रों द्वारा स्वागत संगीत गान के बाद कुलपति और सम्मानित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया।

### मीडिया और सार्वजनिक कूटनीति पर संचार में विशेष व्याख्यान

विश्वविद्यालय ने दिनांक ९ मार्च २०१६ को मीडिया एवं सार्वजनिक कूटनीति पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। हंगेरी के भूतपूर्व राष्ट्रदूत श्री मलय मिश्रा, आईएफएस (सेवानिवृत्त) इस अवसर पर मुख्य वक्ता थे। प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने बताया कि कूटनीति एक कला है और जब असफल होती है तब युद्ध और रक्तपात होते हैं।

### शास्त्रीय ओडिया भाषा दिवस मनाया गया

दिनांक ११ मार्च २०१६ को केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, सुनाबेढा के सेमिनॉर हॉल में शास्त्रीय ओडिया भाषा दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय का ओडिया भाषा तथा साहित्य विभाग ने आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में प्रो. सचिदानंद मोहांति मुख्य अतिथि थे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात साहित्यिक और भाषाविद् प्रो. खगेश्वर महापात्र कार्यक्रम को संबोधित किया।

### सीयूओ-एचएएल सम्मानित व्याख्यान

#### भूमंडलीकरण और समसामयिक अंतरराष्ट्रीय संबंध

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा ने दिनांक २१ मार्च २०१६ को हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लिमिटेड के सहयोग से भंज मंडप, एचएएल टाउनशिप, सुनाबेढा में भूमंडलीकरण और समसामयिक अंतरराष्ट्रीय संबंध पर सीयूओ-एचएएल सम्मानित व्याख्यान आयोजित किया। प्रो. राजन जी. हर्षे, भूतपूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, और वर्तमान प्रोफेसर, साउथ एशिया विश्वविद्यालय, नईदिली ने शीतल युद्ध से पहले और शीतल युद्ध के बाद अवधि में भारत का समसामयिक अंतरराष्ट्रीय संबंध के बारे में विस्तृत रूप से बताया। श्री देवाशिष देब, महाप्रबंधक, हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लिमिटेड, सुनाबेढा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रोफेसर सचिदानंद मोहांति, कुलपति कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे।

### टागौर और महिला पर साहित्य में विशेष व्याख्यान

टागौर और महिला पर विशेष व्याख्यान दिनांक २८ मार्च २०१६ को सुनाबेढा स्थित परिसर में अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। प्रो. मालाश्री लाल, अधिष्ठाता तथा कॉलेज अधिष्ठाता, शैक्षणिक गतिविधियाँ और परियोजना, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया। प्रो. सचिदानंद मोहांति, सीयूओ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और उद्घाटन व्याख्यान प्रदान किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकायगण, छात्रगण, और कर्मचारीगण मौजूद थे।

### ‘सीता की खोज में : पुराण का पुनःअवलोकन’ पर सीयूओ-एचएएल दूसरा प्रतिष्ठित व्याख्यान

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा ने हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लिमिटेड के सहयोग से भंज मंडप, एचएएल टाउनशिप, सुनाबेढा में दिनांक २९ मार्च २०१६ को सीता की खोज : पुराण का पुनःअवलोकन पर सीयूओ-एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो. मालाश्री लाल, अधिष्ठाता तथा कॉलेज अधिष्ठाता, शैक्षणिक गतिविधियाँ और परियोजना, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया। प्रो. सचिदानंद मोहांति, सीयूओ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और उद्घाटन व्याख्यान प्रदान किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजीनियर देवाशिष देब, महाप्रबंधक, एचएएल, सुनाबेढा की थी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकायगण और कर्मचारीगण, एचएएल, सुनाबेढा के अधिकारीगण तथा उनके परिजनों आदि मौजूद थे।

## नयी पदधारी



**प्रो. तलत अहम्मद**  
**कुलपति - (अतिरिक्त प्रभार) ६.८.२०१५ तक**

प्रो. तलत अहम्मद, कुलपति, जामिआ मिलिआ इस्लामिया, नई दिल्ली को दिनांक ०५ मई २०१५ को केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट का कुलपति, अतिरिक्त प्रभारी के रूप में कार्यभार दिया गया है। परिदर्शक की हैसियत से भारत के राष्ट्रपति ने प्रो. तलत अहम्मद को नये कुलपति की नियुक्ति होने तक अंतरिम अवधि के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट का कुलपति के रूप में नियुक्त किया है। प्रो. तलत अहम्मद कश्मिर विश्वविद्यालय के कुलपति थे।



**प्रो. सचिदानंद मोहांति**  
**कुलपति, दिनांक ०७.०८.२०१५ से**

परिदर्शक की हैसियत से भारत के राष्ट्रपति ने प्रोफेसर सचिदानंद मोहांति को केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट के नये कुलपति के रूप में दिनांक ४ अगस्त २०१५ को नियुक्त किया। प्रो. मोहांति ने ७ अगस्त २०१५ को कुलपति का कार्यभार संभाला है। प्रो. सचिदानंद मोहांति हैदराबाद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी भाषा विभाग के विभागाध्यक्ष थे। उनको अनेक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिसमें शामिल हैं ब्रिटिश काउंसिल, सालजबर्ग, कथा एवं फूलब्राइट आदि। उन्होंने अंग्रेजी एवं ओड़िया भाषा में २९ पुस्तकें लिखी हैं।



नये सदस्यगण

क्रमांक	नाम तथा विभाग	क्रमांक	नाम तथा विभाग
१	प्रो. मलय कुमार मिश्रा, सलाहाकार जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	१५	डॉ. शिशिर कुमार बेज व्याख्याता (ठेके पर), शिक्षक शिक्षा विभाग
२	डॉ. ए. मोहन मुरलीधर, अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), व्यापार प्रबंधन विभाग	१६	सुश्री बी. सोरेन अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), शिक्षक शिक्षा विभाग
३	डॉ. मयूरी मिश्रा कनिष्ठ सलाहाकार (ठेके पर), हिंदी विभाग	१७	श्री अतिष कुमार सतपथी व्याख्याता (ठेके पर), शिक्षक शिक्षा विभाग
४	प्रो. निलाद्रि भूषण हरिचंदन सलाहाकार (ठेके पर), ओडिया विभाग	१८	श्री कीर्तिमान गोपनायक अतिथि व्याख्याता, (ठेके पर), डीओएस
५	श्री कुमुद प्रसाद आचार्य अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), संस्कृत विभाग	१९	श्री आकाश कुमार बलकार व्याख्याता (ठेके पर), अंग्रेजी विभाग
६	श्री शुसांत बेहेरा अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), व्यापार प्रबंधन विभाग	२०	श्री विधुभूषण मिश्रा अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), अंग्रेजी विभाग
७	डॉ. सताब्दी बेहेरा अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), हिंदी विभाग	२१	सुश्री सुश्री सोनालीप्रियदर्शिनी रिसेप्शननिस्ट (ठेके पर), प्रशासन
८	श्री प्रीतिष बेहेरा अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), व्यापार प्रबंधन विभाग	२२	श्री माइकेल टाक्री एपीआरओ (ठेकेपर), लोक संपर्क कार्यालय
९	श्री पतितपाबन रथ अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), कंप्यूटर विज्ञान विभाग	२३	डॉ. मधुसूदन महापात्र डॉक्टर (ठेके पर), प्रशासन
१०	सुश्री सुभस्मिता दास अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), गणित विज्ञान विभाग	२४	श्री राजीव लोचन महापात्र टेकनीकॉल सुपरवाइजर-विद्युत (ठेके पर), इंजीनियरिंग और अनुरक्षण
११	सुश्री कृष्णा मल्लिक व्याख्याता (ठेके पर), गणित विभाग	२५	श्री नितून पी सी टेकनिकॉल सुपर वाइजर-निर्माण (ठेके पर), इंजीनियरिंग और अनुरक्षण
१२	श्री के वेंकट एन राव अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), शिक्षक शिक्षा विभाग	२६	श्री अभिमन्यु प्रधान लाइब्रेरी ट्रेनी, पुस्तकालय
१३	श्री पी. डब्ल्यू. बनर्जी व्याख्याता (ठेके पर), शिक्षक शिक्षा विभाग	२७	श्री साईसंगीता नायक लाइब्रेरी ट्रेनी, पुस्तकालय
१४	श्री अक्षय कुमार भोई अतिथि व्याख्याता (ठेके पर), शिक्षक शिक्षा विभाग	२८	श्री सुदाम चरण साहु लाइब्रेरी ट्रेनी, पुस्तकालय

## सम्मान तथा पुरस्कार



डॉ. रमेश कुमार पारही, सहायक प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष प्रभारी, शिक्षक शिक्षा विभाग को दिनांक ६ जून से १२ जून २०१५ के दौरान राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में इनस्पयरड शिक्षक आवासिक कार्यक्रम में भाग लेने हेतु वर्ष २०१५ के लिए मान्यवर राष्ट्रपति का प्रेरित शिक्षक पुरस्कार प्राप्त हुआ है।



डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, बीसीएनआर विभाग ने फरवरी २०१६ में एक महीने के लिए सांठिआगो डे कंपोस्टेला, स्पेन विश्वविद्यालय में अनुसंधान तथा शिक्षण के लिए शिक्षण कर्मचारी वर्ग में EUPHRATES छात्रवृत्ति (२५०० यूरा) प्राप्त किया है महीने में।



श्री प्रदोशकुमार स्वाई, सहायक प्रोफेसर, ओडिआ भाषा तथा साहित्य विभाग, फरवरी २०१५ में उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा से “स्वाधीनतोर आधुनिक ओडिआ कविता कु नारी कविङ्क अबदान” शीर्षक पर ओडिआ में पीएचडी उपाधि मिली।



सुश्री शताब्दी बेहरा, अतिथि व्याख्याता, हिंदी विभाग को अक्टूबर २०१५ में हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना से विसवीं शताब्दी के अंतिम दसक के उपन्यासों में सामाजिक विसंगतियाँ शीर्षक पर हिंदी में पीएचडी उपाधि मिली।



सुश्री मिनती साहु, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग को मार्च २०१६ में रेवेन्सा विश्वविद्यालय, कटक से अर्थशास्त्र में पीएचडी उपाधि प्राप्त हुई है। उनका शोध ग्रंथ का शीर्षक है ओडिशा के केंउझर जिले के निवासियों की आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा पर आइरन ओर खनन का प्रभाव।

## विश्वविद्यालय की सांविधिक समितियों की बैठकें

### कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद की २१वीं बैठक २२ अप्रैल, २०१५ को आयोजित की गई।  
कार्यकारी परिषद की २२वीं बैठक ३० जून, २०१५ को आयोजित की गई।  
कार्यकारी परिषद की २३ वीं बैठक १७ नवम्बर, २०१५ को आयोजित की गई।



Members present at 23<sup>rd</sup> Executive Council meetings held on 17 November, 2015



Members present at 14<sup>th</sup> Academic Council meeting held on 15 November, 2015

### शैक्षणिक परिषद की बैठक

शैक्षणिक परिषद की १४वीं बैठक १५ नवम्बर, २०१५ को आयोजित की गयी।



### वित्त समिति की बैठक

वित्त समिति की १४वीं बैठक ३० जून, २०१४ को आयोजित की गयी।  
वित्त समिति की १५वीं बैठक १७ नवम्बर, २०१५ को आयोजित की गयी।



Members present at 15<sup>th</sup> Finance Committee meeting held on 17 Nov., 2015

### भवन निर्माण समिति की बैठक

भवन निर्माण समिति की २२ वीं बैठक १६ नवम्बर, २०१५ को आयोजित की गयी।



Members present at 22<sup>nd</sup> Building Committee meeting held on 16 Nov., 2015

## विधिक तथा गैर-विधिक समितियाँ

### कार्यकारी परिषद के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पदनाम
०१	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, लांडीगुडा, कोरापुट-७६४०२१, ओडिशा	अध्यक्ष
*०२	डॉ. श्रीकांत सुंदरराजन अध्यक्ष, ग्लोबल स्टेटेजी एंड टेक्नोलोजी पेरिसिस्टेंट सिस्टमस लि., बैंगलूर	सदस्य
*०३	एयार मार्शल (सेवानिवृत्त) ज्योतिनारायण बर्मा सदस्य, स्थल सेना न्यायधिकरण, वेस्ट ब्लॉक- VIII मोहन सिंह मार्केट के बगल में, सेक्टर-१, आर.के. पुरम, नई दिल्ली - ११००६६	सदस्य
*०४	प्रो. (डॉ.) सुधाकर पंडा निदेशक, भौतिकी संस्थान, सचिवालय मार्ग, भुवनेश्वर-७५१००५, ओडिशा	सदस्य
*०५	प्रो. ए. एम. जायण्णावर प्रोफेसर, भौतिकी संस्थान, सचिवालय मार्ग, भुवनेश्वर-७५१००, ओडिशा	सदस्य
०६	प्रो. वेद प्रकाश अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादूर शाह जाफर मार्ग, नई दिल्ली-११०००२	सदस्य
०७	सचिव मानव संसाधन मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली- ११०११५	सदस्य
०८	प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार, ओडिशा सचिवालय, भुवनेश्वर, ओडिशा	सदस्य
०९	डॉ. शरत कुमार पालिता एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, जैवविधिता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
१०	डॉ. कपिल खेमंडु मुख्य प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
११	रजिस्ट्रार, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा	पदेन सदस्य सचिव

\* अवधि मार्च २०१६ को पूरी हो चुकी है

शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम और उनका पता	पदनाम
०१	प्रो. सचिदानंद मोहांति कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
* ०२	प्रो. ए. एम. पठाण भूतपूर्व उप-कुलपति, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
* ०३	प्रो. रंजन एम. वेलूकर भूतपूर्व -कुलपति, बम्बे विश्वविद्यालय, मुंबई	सदस्य
* ०४	प्रो. सांतानु कुमार स्वाई शिक्षा के प्रोफेसर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - २२१ ०१०	सदस्य
* ०५	प्रो. प्रशांत कुमार साहु भूतपूर्व कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणि बिहार, भुवनेश्वर	सदस्य
* ०६	डॉ. संजय जोडपे निदेशक, पब्लिक हेल्थ एजुकेशन, आईआईपीएच, ४, इंस्टीच्यूशनॉल एरिया, वसंत कुंज, नई दिल्ली - ११० ०७०	सदस्य
०७	डॉ. एस.के. पालित अधिष्ठाता, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
०८	डॉ. कपिल खेमंडु मुख्य प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
०९	डॉ. जयंत कुमार नायक मुख्य प्रभारी, नृविज्ञान अध्ययन विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
१०	डॉ. प्रदोश कुमार रथ मुख्य प्रभारी, जे.एम. सी. विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
११	श्री संजित कुमार दास मुख्य प्रभारी, अंग्रेजी भाषा विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
१२	डॉ. अलोक बराल मुख्य प्रभारी, ओड़िया भाषा विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
१३	श्री ज्योतिस्का दत्ता मुख्य प्रभारी, गणित विज्ञान विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
१४	श्री. पी.के. बेहेरा मुख्य प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
१५	डॉ. रमेश कुमार पारही मुख्य प्रभारी, शिक्षक शिक्षा विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
१६	श्री प्रदोश कुमार स्वाई सहायक प्रोफेसर, ओडिआ भाषा विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	सदस्य
१७.	कुलसचिव, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट	पदेन सदस्य सचिव

\* बाह्य सदस्यों की कार्यवाधि पूरी हो चुकी है



वित्त समिति के सदस्यगण

क्रमांक	संघटक	नाम
१	कुलपति	प्रो. सचिदानंद मोहांति
२	प्रो. कुलपति	रिक्त
३	न्यायालय का नामित व्यक्ति	रिक्त
*४	कार्यकारी परिषद का नामित व्यक्ति	प्रो. सुधाकर पण्डा, निदेशक, भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर
५	कार्यकारी परिषद का नामित व्यक्ति	प्रो. के. राममूर्ति नायडू, कुलाधिपति, विज्ञान विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश
६	कार्यकारी परिषद का नामित व्यक्ति	डॉ.एस .के. पालित, एसोसीएट प्रोफेसर, सीयूओ
७	कार्यकारी परिषद का नामित व्यक्ति	डॉ. कपिल खेमंडु, सहायक प्रोफेसर, सीयूओ
८	परिदर्शक का नामित व्यक्ति	संयुक्त सचिव अथवा वित्तीय सलाहकार/एमएचआरडी अथवा उनका नामित व्यक्ति, वित्तीय ब्यूरो से जो उप-सचिव स्तर से कम न हो
९	परिदर्शक का नामित व्यक्ति	संयुक्त सचिव (केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा भाषा), एमएचआरडी अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति जो उप-सचिव पद से कम न हो
१०	परिदर्शक का नामित व्यक्ति	संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी अथवा किसी संयुक्त सचिव जिसे अध्यक्ष, यूजीसी द्वारा नामित हो
११	पदेन सचिव	वित्त अधिकारी, सीयूओ

\* समिति की कार्य अवधि मार्च २०१६ तक है

भवन निर्माण समिति के सदस्यगण

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
०१	प्रो. सचिदानंद मोहांति कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट	अध्यक्ष
०२	प्रो. कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट (रिक्त)	सदस्य
०३	वित्त अधिकारी, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट	सदस्य
०४	श्री माहागांकर, सेवानिवृत्त चीफ टाउन प्लानर, जयपुर (राजस्थान) और सलाहकार, परिसर विकास, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
०५	मुख्य यंत्री (भवन), ओडिशा सरकार, निर्माण सौध, मुख्य यंत्री का कार्यालय (भवन), यूनिट- IV, भुवनेश्वर	सदस्य
०६	प्रो. कान्हू चरण पात्र, सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा	सदस्य
०७	प्रो. विद्याधर सुबुद्धि, इलेक्ट्रिकॉल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा	सदस्य
०८	केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा के निर्माण कार्य के लिए विश्वविद्यालय का वास्तुविद/परामर्शदाता	सदस्य
०९	विश्वविद्यालय के यंत्री (रिक्त)	सदस्य
१०	कुलसचिव, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट	पदेन सदस्य सचिव

\* यूजीसी का अंतिम परिपत्र के अनुसार एक नई भवन निर्माण समिति बनायी जा चुकी है